WATCH GOD WAT

NB
नवभारत

नई दिल्ली > गुरुवार, 6 जून 2024 > ज्येष्ठ 16, शक संवत 1946, ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या, विक्रम संवत 2081

प्रियंका ने लिखा, आपकी बहन होने पर गर्व

p11

# विपक्ष फिलहाल सरकार बनाने की कोशिश में नहीं

Alpyu.Singh@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली:** लोकसभा चुनाव के नतीजों के साथ दिल्ली में सियासी हलचल भी तेज हो गई। जहां NDA की बैठक में एकमत से प्रस्ताव पास कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नेता चुना गया। वहीं, विपक्षी खेमे I.N.D.I.A. के घटक दलों की बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के घर पर हुई। करीब दो घंटे चली इस बैठक में फैसला लिया गया कि विपक्षी गठबंधन फिलहाल सरकार बनाने की कोशिश नहीं करेगा। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि सभी सहयोगी दलों ने एक सुर में कहा है कि गठबंधन फिलहाल मोदी सरकार के 'फासिस्ट शासन' के खिलाफ संघर्ष जारी रखेगा। हम सरकार के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे। जनता ने बेरोजगारी दूर करने, संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए जनादेश दिया है। जनादेश पीएम मोदी के खिलाफ है, यह ना सिर्फ उनकी राजनीतिक शिकस्त है, बल्कि नैतिक हार भी है। चुनाव मोदी के नाम और चेहरे पर लड़ा गया था और जनता ने बीजेपी को बहुमत न देकर उनके नेतृत्व के प्रति साफ संदेश दिया है। लेकिन इसके बावजूद भी मोदी जनमत को नकारने की हरसंभव कोशिश करेंगे।

**'संविधान और लोकतंत्र बचाने का जनादेश'**

नतीजों के बाद से ही अटकलें लगनी शुरू हो गई थीं कि विपक्षी गठबंधन भी सरकार बनाने की कोशिश करेगा। सहयोगी उद्धव ठाकरे ने कहा कि गठबंधन को दावा सामने रखना चाहिए। चर्चा उठी कि एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार बिहार के सीएम नीतीश कुमार और टीडीपी चीफ चंद्रबाबू नायडू के संपर्क में हैं। हालांकि शरद ने इससे इनकार किया। ▶▶ पेज 11

## खरगे ने कहा, सही समय पर सही कदम उठाएंगे

Agency

**'जनादेश मोदी सरकार के खिलाफ':** कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के यहां बुधवार शाम I.N.D.I.A. की बैठक हुई। खरगे ने कहा कि फासिस्ट ताकतों के खिलाफ हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

## ओडिशा के CM पद से पटनायक का इस्तीफा

■ **विस, नई दिल्ली:** बीजू जनता दल (BJD) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने चुनावों में करारी हार के बाद बुधवार को ओडिशा के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उनकी पार्टी को 147 सीटों की विधानसभा में 51 सीटें मिली हैं। विधानसभा में BJP 78 सीटें जीतकर पहली बार सरकार बनाने जा रही है। सीएम पद पर बीजेपी की तरफ से धर्मेंद्र प्रधान से लेकर बैजयंत पांडा तक, कई नाम चल रहे हैं। ▶▶ पेज 11

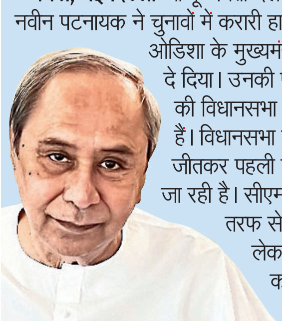

## 'चुनाव में मुसलमानों को मौका सोच-समझकर'

■ **एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ:** बीएसपी प्रमुख मायावती ने मुस्लिम वोट न मिलने पर अफसोस जताया है। उन्होंने बयान में कहा कि पिछले चुनावों और इस बार भी लोकसभा चुनाव में मुस्लिम समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने के बावजूद वह बीएसपी को ठीक से समझ नहीं पा रहा। ऐसी स्थिति में पार्टी आगे इनको काफी सोच-समझकर चुनाव में मौका देगी, ताकि भविष्य में इस बार की तरह भयंकर नुकसान न हो। ▶▶ पेज 7

**NBT Lens** समझिए खबरों के अंदर की बात

खबरों का पर्सपेक्टिव यानी NBT लेंस देखें पेज 2, 8, 11, 13

## उत्तरकाशी में पांच ट्रेकर्स की मौत

NBT

सहस्त्रताल से हेलिकॉप्टर के जरिये 11 ट्रेकर्स को बचाया गया।

■ **विशेष संवाददाता, उत्तरकाशी**

**उत्तराखंड के** उत्तरकाशी में 4400 मीटर की ऊंचाई पर मौजूद सहस्त्रताल में अचानक मौसम खराब होने से वहां ट्रेकिंग पर गए 22 सदस्यों के दल में से 5 की मौत हो गई। कर्नाटक और महाराष्ट्र के पर्वतारोहियों का यह दल खराब मौसम में रास्ता भटक गया था। दल के चार महिलाओं समेत पांच लोगों की ठंड में तबीयत बिगड़ने से मौत हुई। जानकारी मिलने पर प्रशासन ने जमीनी और हवाई बचाव अभियान शुरू किया। वायुसेना, SDRF और प्राइवेट हेलिकॉप्टरों की मदद से ट्रेकिंग दल के 11 लोगों को बचाया गया है। SDRF कमांडेंट मणिकांत मिश्रा ने बताया, '4 ट्रेकर्स लापता हैं। उनकी तलाश चल रही है। मरने वाले पांचों बेंगलुरु के हैं। उनके शवों को निकाल लिया गया है। दल में शामिल गाइड समेत अन्य चार की खोज और बचाव के लिए अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है।'

**खराब मौसम में भटके थे रास्ता, 4 अभी लापता**

इससे पहले 4 अक्टूबर 2022 में द्रौपदी डांडा-2 में हिमस्खलन की चपेट में आने से 27 लोगों की मौत हो गई थी।

## वर्ल्ड कप में भारत का जीत से आगाज़

■ **पीटीआई, न्यू यॉर्क:** T20 वर्ल्ड कप में भारत ने पहले मैच में आयरलैंड को 8 विकेट से हरा दिया। भारत ने पहले आयरलैंड को 96 रन पर ऑलआउट किया और फिर 13वें ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया। रोहित शर्मा ने फिफ्टी लगाई। ▶▶ पेज 13

## लाजपत नगर में आंखों के अस्पताल में आग

**साउथ दिल्ली** के लाजपत नगर में आंखों के अस्पताल आई-7 में बुधवार सुबह आग लग गई। कोई हताहत नहीं हुआ। ▶▶ पेज 3

PTI

## शेयर बाज़ार संभला, 3% से अधिक का उछाल

**लोकसभा के** नतीजों से मंगलवार को लहूलुहान हुआ शेयर बाजार बुधवार को संभला। बीएसई का सेंसेक्स 2303.19 अंक (3.20%) उछलकर 74,382.24 पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी 735.85 अंक (3.36%) बढ़कर 22,620.35 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में इस उछाल से निवेशकों को 13.22 लाख करोड़ रुपये का फायदा हो गया। (विस) ▶▶ पेज 8

## AAP को भी ऑफिस पाने का हक है: HC

Prachi.Yadav@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली:** दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को माना कि राष्ट्रीय पार्टी के तौर पर मान्यता मिलने के बाद AAP को भी दूसरे राजनीतिक दलों की तरह अस्थायी दफ्तर पाने का हक है। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने AAP के पक्ष में फैसला सुनाते हुए केंद्र सरकार को 6 सप्ताह के अंदर फैसला लेने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा, 'याचिकाकर्ता को बताएं कि उसे जनरल पूल से आवासीय इकाई (GPRA) की एक भी हाउसिंग यूनिट क्यों नहीं दी जा सकती, जबकि बाकी सभी राजनीतिक पार्टियों को इसी तरह के आवास आवंटित किए गए हैं।

कोर्ट में केंद्र सरकार ने जवाब दिया था कि AAP को स्थायी दफ्तर बनाने के लिए जमीन की पेशकश हुई थी, लेकिन 3 साल के अंदर ऑफिस नहीं बना सका। ▶▶ पेज 2

### CM की अंतरिम बेल की याचिका खारिज

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल

■ **राउज एवेन्यू** के स्पेशल कोर्ट ने बुधवार को अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। केजरीवाल ने मेडिकल ग्राउंड पर जमानत का आग्रह किया था। उन्हें 19 जून तक जुडिशल कस्टडी में भेजा गया है। ▶▶ पेज 5

## कूनो में चीते के शावक की मौत

■ **भाषा, श्योपुर:** मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के कूनो नैशनल पार्क (KNP) में मादा चीता गामिनी से जन्मा शावक मंगलवार को मृत मिला। एक अधिकारी ने बताया कि शाम करीब 4 बजे पशु चिकित्सक दल ने देखा कि एक शावक अपनी मां के पास लेटा हुआ है, जबकि बाकी 5 शावक इधर-उधर खेल रहे हैं। इसके बाद, शावक को आगे की जांच के लिए ले जाया गया, लेकिन शावक की मौत हो चुकी थी। बताया गया कि पोस्टमॉर्टम के बाद ही मौत के कारणों का पता चलेगा। एक शावक की मौत के बाद केएनपी में अब 26 चीते बचे हैं, जिनमें 13 भारतीय धरती पर जन्मे शावक हैं। पिछले साल से अब तक 4 शावकों की मौत हो चुकी है।

**सुधरी स्थिति** दुनियाभर की 1500 यूनिवर्सिटी के बीच हुआ था सर्वे

## वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में IIT दिल्ली और बॉम्बे टॉप 150 में, 328वें पायदान पर DU

Bhupender.Sharma@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली:** QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) और देश की यूनिवर्सिटीज की रैंकिंग में सुधार हुआ है। इस बार की लिस्ट में भारतीय शिक्षण संस्थानों की संख्या भी 46 हो गई है। 2015 में सिर्फ 11 यूनिवर्सिटी इस लिस्ट में थीं। IIT बॉम्बे (मुंबई) का पिछला रैंक 149 था, जो इस बार 118 है। वहीं IIT दिल्ली 47 पॉइंट का सुधार करते हुए 150वें नंबर पर है। 79 अंकों के सुधार के साथ डीयू 328वें नंबर पर है। हालांकि QS वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप 100 में कोई भारतीय संस्थान नहीं है। दुनिया की 1500 यूनिवर्सिटी के बीच यह सर्वे हुआ था। JNU की रैंकिंग 21 पॉइंट बेहतर होकर 580 पर पहुंची है। जामिया मिलिया इस्लामिया की रैंक भी पहले के मुकाबले बेहतर होकर 851-900 के बीच है। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी की रैंक बिना किसी बदलाव के 1001-1200 तक है। ▶▶ पेज 2

IIT दिल्ली की रैंक में 47 अंक का सुधार

### एशिया में तीसरे नंबर पर भारत

**QS वर्ल्ड** यूनिवर्सिटी की लिस्ट में वैश्विक स्तर पर भारत 7वें और एशिया में तीसरे स्थान पर है। एशिया में भारत से आगे जापान और चीन है। वहीं दुनिया की नंबर वन यूनिवर्सिटी अमेरिका की MIT है। लंदन के इंपीरियल कॉलेज को दूसरा स्थान मिला है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी तीसरे, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी 5वें, नंबर पर है।

### हैपी मॉर्निंग

**सोनू इलेक्शन** में खड़ा हुआ, उसे सिर्फ 3 वोट मिले।
**उसने पुलिस** से जेड प्लस सिक्योरिटी मांगी। **पुलिस:** तुम्हें सिक्योरिटी क्यों चाहिए?
**सोनू:** जिस शहर में इतने लोग मेरे खिलाफ हैं, तो मुझे सुरक्षा मिलनी चाहिए।

# 'हमें अपनी मिट्टी के हीरो फिर पर्दे पर लाने होंगे'

**बॉलिवुड में तीन दशक लंबा करियर, तीन नैशनल अवॉर्ड और सौ फिल्में, किसी भी कलाकार के लिए ऐसा शानदार सफर किसी खूबसूरत सपने से कम नहीं होगा लेकिन इंडस्ट्री के बेहतरीन ऐक्टर्स में से एक मनोज बाजपेयी इस सपने को हकीकत में बदल चुके हैं। अपनी फिल्म भैया जी में एक अलग ही अवतार में पर्दे पर नजर आने वाले मनोज से हमने की खास बातचीत:**

## मनोज बाजपेयी

**आपकी सीरीज फैमिली मैन की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है। आप इतना व्यस्त रहते हैं तो निजी जिंदगी में फैमिली मैन की भूमिका कितनी निभा पाते हैं?**

मैं अभी चार-पांच साल से ही काम कर रहा हूं। जब ओटीटी नहीं था तब तो मेरे पास अच्छे काम बहुत कम आते थे। चूंकि, मैं बहुत अच्छा, अनोखा काम ढूंढता हूं तो काफी समय मैं खाली ही रहता था। आज ओटीटी के कारण बहुत ज्यादा काम आता है तो अगले दो साल तक मैं बहुत व्यस्त हूं पर जब काम आ रहा है तो रोना क्यों है? यह तो अच्छी समस्या है जिसे मैं और मेरी फैमिली दोनों एंजॉय कर रही है। बाकी, पत्नी और बच्ची के लिए मैं समय निकाल ही लेता हूं।

**Q भैया जी में थोड़ा पुष्पा वाला अंदाज भी नजर आ रहा है। इसके पीछे क्या सोच रही?**

इसे पुष्पा कहना गलत होगा, तेलुगु-तमिल में वैसी फिल्में हमेशा से बनती रही हैं। हम भी ऐसी फिल्में बनाते थे। हमने वो फिल्में बनाना छोड़ दिया। हमने अपनी फिल्मों में अपनी संस्कृति, अपने रिश्ते, अपने हीरो, अपने लोग लाना बंद कर दिया। आज लोग ऐक्शन पहले रखते हैं, कहानी बाद में कहते हैं। गाना पहले रखते हैं, कहानी बाद में कहते हैं। हमारी फिल्म में उल्टा है। हमारी फिल्म में कहानी सर्वोपरि है। उसके बाद ऐक्शन या दूसरी चीजें हैं। बाकी, हमको अपने हार्टलैंड की कहानी कहनी पड़ेगी, इससे आप भाग नहीं सकते हैं। लोगों को थिएटर तक लाना है तो उनकी कहानी और उनके नायक दिखाने ही पड़ेंगे। अब वो समय आ गया है और इसका सबका बड़ा सबूत है साउथ इंडियन फिल्में। उनका हीरो लुंगी में चलता है। अपनी मिट्टी, अपनी संस्कृति से निकला होता है। हम बहुत पहले ऐसी फिल्में बनाते थे। हमने सबको यह राह दिखाई और खुद उस रास्ते से भटक गए हैं।

Upma.Singh@timesgroup.com

**Q बॉलिवुड में तीन दशक लंबा सफल करियर, तीन नैशनल अवॉर्ड और सौवीं फिल्म, अपने इस सफर को आप कैसे देखते हैं? और इससे कितने संतुष्ट हैं?**

मैं हमेशा संतुष्ट महसूस करता हूं क्योंकि संतुष्टि आपको अपने काम से आती है और जिस तरह की फिल्में मैंने चुनी, जिन फिल्मों में काम किया, उनमें बहुत कम ऐसी हैं जिनमें मैं चूक गया। वरना ज्यादातर फिल्में बहुत अच्छी थीं, वो चलीं या नहीं चलीं, उससे फर्क नहीं पड़ता। उसमें काम बहुत ईमानदारी से किया है और उसमें बहुत सी फिल्में बहुत आगे तक गईं। यह मेरे लिए भी बहुत बड़ी बात है क्योंकि इतना बड़ा सपना तो मैंने देखा ही नहीं था कि 100 फिल्में कर लूंगा, लीड रोल करूंगा। हमारा सपना तो बस ये था कि अच्छा ऐक्टर बनना है और एक ऐक्टर के तौर पर रोज़ी रोटी कमाना है। यह मेरे अपने लिए बहुत अनोखी घटना है। मैं खुद ही विश्वास नहीं कर पाता कि मैं यहां तक पहुंच गया।

**Q आपने अमिताभ बच्चन की जंजीर जैसी मेनस्ट्रीम फिल्म देखकर ऐक्टर बनने का सपना देखा था। फिर आपका झुकाव कॉन्टेंट वाले सिनेमा की ओर कैसे हुआ?**

मैंने सिनेमा को हमेशा कला के माध्यम के रूप में देखा है। मैंने उसे कभी सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं माना। मेरे लिए कहानी सर्वोपरि है। कला का काम है कि वह आपकी संवेदनाओं को छू जाए, आपको कुछ सिखा जाए, आपको जीवन के प्रति एक नया नजरिया दे, इसलिए मेरी फिल्मों के चुनाव भी इस तरह के रहे हैं। मनोरंजन के तौर पर जो फिल्में मैंने बचपन में देखी थीं, प्रफेशनल ऐक्टर बनने के बाद कभी मेरे मन में नहीं आया कि मैं उस तरह की फिल्मों का हिस्सा बनूं। जब बहुत यंग था तब कभी ऐसा ख्याल आता भी था तो मेरे चेहरे और कद काठी के चलते लोग पहले ही बता देते थे कि आप इसके लिए फिट नहीं हैं और हमारी इंडस्ट्री में लोग यह बोलने में हिचकिचाते भी नहीं हैं। आपको

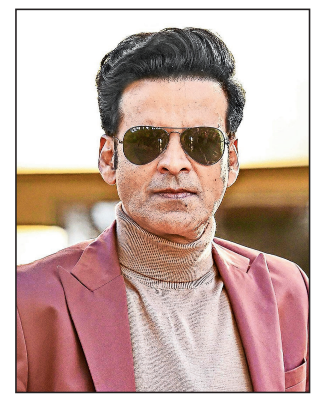

बदसूरत कहने में उन्हें एक मिनट भी नहीं लगता है। वे कहेंगे कि यार, तू कंवेंशनल लुकिंग आदमी नहीं है। इसका मतलब है कि आप बदसूरत हैं। (हंसते हैं)

**Q बॉलिवुड की अजीब रवायत है कि यहां हीरो और ऐक्टर अलग-अलग होते हैं..!**

यहां की सोच कुछ अलग ही रही है। दरअसल, हमारा मेनस्ट्रीम सिनेमा एक ढर्रे पर चलता है। वह एक फॉर्मूला देखता है और उसी पर चलता रहता है। उससे अलग हटना उसे आता नहीं है। उसमें आपका वेलकम इसलिए नहीं होता क्योंकि वे एक खास किस्म का हीरो, एक खास किस्म की हीरोइन, एक खास किस्म की सजावट-बुनावट वाली फिल्में ही बनाते रहे हैं। मैं दावे से कह सकता हूं कि अगर मैं भैया जी जैसी फिल्म दूसरे प्रड्यूसर के पास लेकर जाता तो वह इसे मेरे साथ कभी नहीं बनाता। ये तो हमारे डायरेक्टर अपूर्व सिंह कार्की ने कहा कि मुझे मनोज बाजपेयी ही चाहिए। जबकि, मैं जानता था कि मुझे दूसरा प्रड्यूसर नहीं मिलेगा। अगर मिलेगा भी तो हमें डराकर कम पैसे लगाने की कोशिश करेगा जिससे फिल्म प्रभावित होगी तो मेरी वाइफ ने कहा कि तुम खुद प्रड्यूस कर लो। हमें इस कहानी में इतना भरोसा था कि हमने सीमित बजट में फिल्म को इतनी बड़ी शक्ल दी है जो इंडस्ट्री में मुमकिन नहीं था। आपको खुद अपने कंविक्शन को आगे लेकर जाना होता है, लेकिन यहां मेनस्ट्रीम प्रड्यूसर थोड़ा भी रिस्क लेने को तैयार नहीं हैं।

# 'विदेशी फिल्में देखते हुए भाषा पर नहीं भावनाओं पर ध्यान देती हूं'

आलिया भट्ट अब महज बॉलिवुड ऐक्ट्रेस नहीं रहीं बल्कि साउथ और हॉलिवुड में काम करने के साथ वह इंटरनैशनल नाम बन चुकी हैं। यहां तक कि बिजनेसवुमन और फैशन आइकन

के तौर पर भी उन्हें विश्व स्तर पर पहचान मिली हुई है। हाल ही में एक बातचीत में आलिया भट्ट ने कहा कि वह किसी एक तरह के रोल में बंधकर नहीं रहना चाहतीं। वह कहती हैं, मैं अलग तरह के रोल के लिए खुद को चुनौती देती रहती हूं।' अपने ग्लोबल स्टार होने के बारे में आलिया ने कहा कि भाषा और सांस्कृतिक सीमाओं को समझने में भावनाओं का बहुत योगदान होता है। उन्होंने कहा कि उनके रोल में आई इमोशनल गहराइयों की वजह से दुनियाभर के दर्शक उनसे जुड़े हैं। आलिया ने कहा, 'हालांकि किसी एक बात की ओर इशारा करना मुश्किल है। लेकिन जब कोई इंटरनैशनल दर्शकों तक पहुंचने की बात करता है तो भाषाओं और सांस्कृतिक सीमाओं के परे जाने की बात कर रहा होता है। इसलिए मेरी ओर से इसका उत्तर इमोशंस हैं। जब मैं मलयाली, कोरियन या जर्मन कॉन्टेंट देखती हूं तो मैं भाषा पर फोकस नहीं करती हूं। मैं तब कहानी और उन भावनाओं से जुड़ती हूं जो वह मुझ तक पहुंचाना चाहते हैं। मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे करियर के शुरू में ही भावनात्मक स्तर पर गहराई वाले रोल मिले। इसलिए जब मैं कोई रोल अदा करती हूं तो मैं उसमें पूरी तरह उतर जाती हूं। मेरी कोशिश हर बार अलग-अलग किरदारों तक पहुंचने की होती है और ऑडियंस इस चीज को समझती है।' आलिया भट्ट आने वाले दिनों में फिल्म जिगरा में नजर आएंगी।

# कंगना और पवन कल्याण को मिली फिल्मवालों से बधाई

कंगना रनौत ने राजनीति में पहली पारी ही जबरदस्त खेली है। लोकसभा चुनाव 2024 में हिमाचल प्रदेश के मंडी से बीजेपी की उम्मीदवार रहीं कंगना ने भारी मतों से जीत हासिल की। इस जीत के बाद कंगना को बॉलिवुड सितारों की ओर से बधाइयां मिलने लगीं। अनुपम खेर ने उन्हें बधाई देते हुए कहा, 'प्यारी कंगना, तुम्हारी इस शानदार जीत पर बधाई , तुम रॉकस्टार हो। तुम्हारा सफर काफी प्रेरणादायक रहा है। तुम्हारे लिए, मंडी और हिमाचल प्रदेश के लोगों के लिए मैं बहुत ही खुश हूं। तुमने हर बार साबित करके दिखाया है कि अगर आप फोकस होकर मेहनत करते हैं तो कुछ भी हो सकता है। जय हो।' वहीं मणिकर्णिका में कंगना के साथ काम कर चुकीं अंकिता लोखंडे ने कंगना रनौत को बधाई देते हुए कहा, 'इस बड़ी जीत के लिए आपको दिल से ढेर सारी बधाई डियर कंगना रनौत। आप इसके काबिल हो और मुझे पता है कि आप एक सकारात्मक बदलाव लाओगी।'

वहीं आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में तेलुगू सुपरस्टार पवन कल्याण भी प्रत्याशी के तौर पर हिस्सा ले रहे थे और उन्होंने जीत हासिल की है। उनकी जीत के बाद रामचरण और अल्लू अर्जुन ने उन्हें बधाई दी है। रामचरण ने ट्विटर पर लिखा, 'हमारे परिवार के लिए गर्व भरा दिन। पवन कल्याण को इस बेहतरीन जीत पर बधाई।' वहीं अल्लू अर्जुन ने लिखा, 'प्यारे पवन कल्याण भाई को इस जीत के लिए बधाई। सालों से लोगों की सेवा के लिए आपकी मेहनत, समर्पण और दृढ़ निश्चय दिल को छू लेने वाली थी। लोगों की सेवा के लिए शुरू हुए इस सफर की शुभकामनाएं।'

WATCH GOD WATCHDOG

# NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesgroup.com पर जाएं।

नई दिल्ली > गुरुवार, 6 जून 2024 > ज्येष्ठ 16, शक संवत 1946, ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या, विक्रम संवत 2081 | वर्ष 78, संख्या 135 > पेज 16 > मूल्य 5.00 या 10.00* रुपये द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित | www.nbt.in

*मासिक खरीद पर ही लागू

दुनियाभर से मोदी को बधाई, इनमें मेलोनी भी

p14

आलिया बोलीं, भाषा नहीं, भावनाओं पर ध्यान देती हूं

देखें सामने

CELEBRATING 76 YEARS OF DEMOCRACY

सुरक्षित निवेश योजना (PDPMY- फेज़-2)

NEXT 5 YEARS OF INDIA'S GROWTH

DELHI MALL COMPLEX PPP WITH DDA

RERA APPROVED

LAST DATE OF REGISTRATION 20TH JUNE 2024

REGISTRATION AMOUNT ₹31000

APPLY ONLINE WWW.DELHIMALLCOMPLEX.COM +91 8050461122

## सर्राफा

सोना स्टैंडर्ड (99.5 शुद्धता) प्रति 10 ग्राम

| | | |
|---|---|---|
| दिल्ली | 72,820 | (-80) |

चांदी .999 टंच प्रति किलो

| | | |
|---|---|---|
| दिल्ली | 91,900 | (-1200) |

## अर्थसार

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | 74,382.24 | (+ 2,303.19) |
| निफ्टी | 22,620.35 | (+ 735.85) |
| रु/यूएस डॉलर | 83.37 | (-0.16) |
| रु/यूरो | 90.67 | (-0.14) |

## मौसम

| | | |
|---|---|---|
| अधिकतम | 44 | (+4) |
| न्यूनतम | 31 | (+3) |
| सूर्यास्त गुरुवार | 7:17 बजे | |
| सूर्योदय शुक्रवार | 5:23 बजे | |

# मोदी सरकार 8 या 9 को ले सकती है शपथ

## NDA के घटक दलों ने एकमत से नरेंद्र मोदी को चुना नेता

Poonam.Pandey@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली:** केंद्र में सरकार बनाने की कवायद में NDA के सहयोगी TDP और JDU को लेकर स्थिति बुधवार शाम लगभग साफ हो गई। बीजेपी की अगुआई वाले एनडीए की बैठक में इस गठबंधन के सभी नेताओं ने सर्वसम्मति से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना नेता चुना। इससे लगातार तीसरी बार पीएम के रूप में देश की कमान संभालने की दिशा में मोदी ने एक कदम और बढ़ा दिया। सूत्रों के मुताबिक, 7 जून को NDA के सांसदों की बैठक होगी, जिसके बाद राष्ट्रपति के पास जाकर सरकार बनाने का दावा किया जाएगा। इसी वीकएंड में 8 या 9 जून को शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है।

**भारत का गौरव बढ़ाने में मोदी की भूमिका को सराहा गया**

एनडीए में शामिल सभी सहयोगी दलों ने बैठक में मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताया और कहा कि उनकी अगुआई में एनडीए सरकार गरीब, महिला, किसान, युवा, शोषित-वंचितों के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। सर्वसम्मति से प्रस्ताव भी पास किया गया, जिसमें कहा गया, 'बीते 10 वर्षों में मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से देश हर क्षेत्र में विकसित हुआ है। छह दशक के बाद भारत की जनता ने लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत से नेतृत्व को चुना है। हम सभी को गर्व है कि 2024 का लोकसभा चुनाव एनडीए ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एकजुटता से लड़ा और जीता। हम सभी एनडीए के नेता नरेंद्र मोदी को सर्वसम्मति से अपना नेता चुनते हैं।' बैठक में TDP नेता चंद्र बाबू नायडू, जेडीयू नेता नीतीश कुमार समेत सहयोगी दलों के 21 नेता शामिल हुए। ▶▶ पेज 11

PTI

**हम साथ-साथ हैं...:** प्रधानमंत्री आवास में बुधवार को हुई NDA की बैठक में TDP नेता चंद्रबाबू नायडू, जेडीयू नेता और बिहार के सीएम नीतीश कुमार समेत सहयोगी दलों के 21 नेता शामिल हुए।

### राष्ट्रपति ने भंग की 17वीं लोकसभा

■ **केंद्रीय कैबिनेट** ने बुधवार की बैठक में मौजूदा 17वीं लोकसभा को भंग करने की सिफारिश की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कैबिनेट की सलाह पर लोकसभा को भंग कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, कैबिनेट मीटिंग में मोदी ने कहा कि जनादेश मिलने के बाद तीसरे कार्यकाल में भी सरकार पहले की तरह चलेगी। (विस)

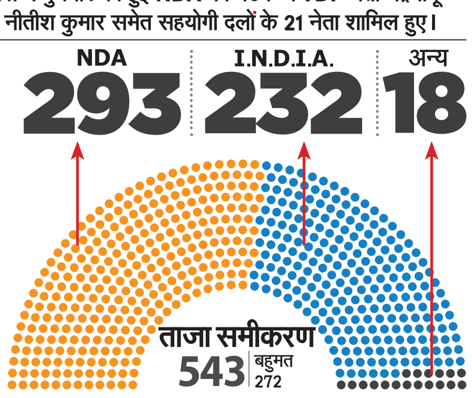


### फडणवीस ने कर दी पद छोड़ने की पेशकश

"महाराष्ट्र में बीजेपी के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेता हूं। जनता के बीच जाएंगे और नए सिरे से काम करेंगे। - *देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम*

■ **एनबीटी ब्यूरो, मुंबई:** महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने राज्य में बीजेपी के खराब प्रदर्शन की बुधवार को जिम्मेदारी ली और इस्तीफे की पेशकश की। फडणवीस ने कहा, 'महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में जो भी नुकसान हुआ, मैं पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। इसलिए मैं शीर्ष नेतृत्व से आग्रह करता हूं कि मुझे मंत्री पद से मुक्त किया जाए...पार्टी के लिए काम करने और विधानसभा चुनाव की तैयारियों में अपना समय देने की जरूरत है।' कांग्रेस ने इसे ड्रामा बताया। फडणवीस ने यह भी माना कि सीएम एकनाथ शिंदे और एनसीपी से डिप्टी सीएम अजित पवार के साथ तालमेल की कुछ समस्याएं हैं। ▶▶ पेज 7

### इस तस्वीर ने मचा दी सियासी हलचल...

PTI

■ बिहार के सीएम और जेडीयू नेता नीतीश कुमार और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव बुधवार को एक ही उड़ान से पटना से दिल्ली पहुंचे। नीतीश **NDA** की बैठक में शिरकत करने आए तो तेजस्वी **I.N.D.I.A.** की मीटिंग में। चूंकि एनडीए सरकार बनने के लिए **JDU** जैसे सहयोगी अहम हैं। ऐसे में सियासी कयास लगाए जाने लगे।

■ दिल्ली पहुंचने पर नीतीश ने कहा कि सरकार तो बनेगी ही। वहीं, तेजस्वी से जब पूछा गया कि क्या नीतीश को विपक्षी खेमे में लाने की कोशिश की गई तो उन्होंने जवाब दिया कि विमान में बातचीत शिष्टाचार तक सीमित थी।...थोड़ा धैर्य रखिए। देखते रहिए आगे क्या होगा। वैसे सोशल मीडिया में दोनों की यह तस्वीर काफी वायरल हुई।

लोकसभा चुनावों में हैटट्रिक लगाने के बाद बीजेपी अब दिल्ली विधानसभा में भी सेंध लगाने की तैयारी कर रही है। | 5

1000000
रुपये तक की सिक्योरीटीज बेसिक डीमैट अकाउंट में रखने की इजाज़त!

सुनील छेत्री कुवैत के खिलाफ फीफा वर्ल्ड कप क्वॉलिफाइंग मैच में आखिरी बार मैदान पर भारत की अगुआई करेंगे। | 13

248
रहा दिल्ली का AQI लेवल। कुछ दिन कम रहने के बाद एक बार फिर बढ़ने लगा पल्यूशन
www.delhi.nbt.in

बनासकांठा से गुजरात में बीजेपी के किले में कांग्रेस की सेंध, एक सीट से एंट्री दर्ज कराई, 62 साल बाद इस सीट से कोई महिला सांसद बनीं | 10

## महानगर में आज

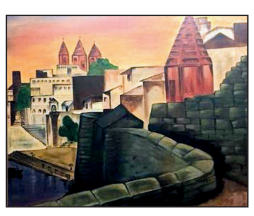

**शांति**
इंडिया हैबिटेट सेंटर में आर्ट एग्जिबिशन 'ट्रांक्विलिटी', कन्वेंशन सेंटर फॉइयर, लोदी रोड, सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक। आर्टिस्ट कामिनी मिनोचा की पेंटिंग एग्जिबिशन 10 जून तक आर्ट लवर्स के बीच होगी।

**भावों के रंग**
त्रिवेणी कला संगम में आर्ट एग्जिबिशन 'एक्सप्रेशंस', त्रिवेणी आर्ट गैलरी, तानसेन मार्ग, सुबह 11 से शाम 7 बजे तक। मॉडर्न विजुअल आर्टिस्ट चंदना भट्टाचार्य की इस एग्जिबिशन में कुदरत के रंग अलग अंदाज में नजर आएगा।

**जैन धर्म और मूर्तियां**
इंडिया हैबिटेट सेंटर में आर्ट एग्जिबिशन 'इमेजेज ऑफ जैन रीलिजन, ओरिजन एंड डेवपलमेंट', विजुअल आर्ट गैलरी, लोदी रोड, सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक। जैन धर्म पर आर्कियालॉजिकल फोटो एग्जिबिशन आज दर्शकों के बीच होगी।

**ग्रीष्मकालीन नाट्य उत्सव**
नैशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में ग्रीष्मकालीन नाट्य समारोह, सम्मुख सभागार/ अभिमंच सभागार, भगवान दास रोड, मंडी हाउस, 3:30 बजे और शाम 7 बजे से। अजय कुमार के निर्देशन में 'माई री मैं का से कहूं' रंगमंच प्रेमियों के बीच होगा।

**फूलों के रंग से**

इंडिया इंटरनैशनल सेंटर में आर्ट एग्जिबिशन 'मोनामी इन फ्लावर्स', एनेक्सी आर्ट गैलरी, मैक्स मूलर मार्ग, लोदी एस्टेट, सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे फूलों की खुशबुओं से संग आर्टिस्ट मोनामी चौधरी की ऑयल पेंटिंग्स से सजा यह शो आज आर्ट लवर्स के बीच होगा।

सिटी में हो रहे इवेंट्स की जानकारी हमें भेजें nbtreader @timesgroup.com पर

# AAP को अस्थायी ऑफिस के लिए ज़मीन का हक : HC

Prachi.Yadav@timesgroup.com

File

दिल्ली हाई कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के पक्ष में फैसला सुनाया

**दिल्ली हाई कोर्ट** ने आम आदमी पार्टी के पक्ष में फैसला सुनाते हुए केंद्र को निर्देश दिया है कि वह अस्थायी दफ्तर के लिए जनरल पूल से आवासीय इकाई (GPRA) के आवंटन की मांग से जुड़े उसके अनुरोध पर छह हफ्ते के भीतर फैसला ले। हाई कोर्ट ने इस बात का न्यायिक संज्ञान लिया कि सरकारी अधिकारियों के लिए उपलब्ध आवास का पूल हमेशा दबाव में रहा है। लेकिन यह दबाव राष्ट्रीय और राज्य स्तर की राजनीतिक पार्टियों को समेकित निर्देशों के अनुरूप जनरल पूल से सरकारी आवास के आवंटन में कभी बाधा नहीं बना। हाई कोर्ट ने माना कि राष्ट्रीय पार्टी के तौर पर मान्यता मिलने के बाद AAP को भी अन्य राजनीतिक दलों की तरह उक्त नियमों के मुताबिक अपने अस्थाई दफ्तर के लिए आवासीय इकाई पाने का हक है।

**केंद्र को इस मामले में छह हफ्तों के भीतर फैसला लेने का निर्देश भी दिया**

जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने केंद्र सरकार व अन्य संबंधित प्राधिकारियों को निर्देश दिया कि वह इस मुद्दे पर फैसला लेते हुए अपना विस्तृत आदेश पारित करें और याचिकाकर्ता को बताएं कि उसे GPRA से एक भी हाउसिंग यूनिट क्यों नहीं दी जा सकती, जबकि बाकी सभी राजनीतिक पार्टियों को उक्त पूल से इसी तरह के आवास आवंटित किए गए हैं। हाई कोर्ट के आदेश के मुताबिक, आम आदमी पार्टी को इस सवाल का विस्तार से जवाब दिया जाए ताकि वह कानून के तहत अन्य उपचारात्मक कदम उठा सके यदि उसे लगे कि उसके अनुरोध पर सही तरीके से विचार नहीं हुआ।

इस आदेश के साथ हाई कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी के अंतरिम राहत की मांग से जुड़े आवेदन का निपटारा कर दिया, जिसमें नेशनल पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त होने के मद्देनजर पार्टी दफ्तरों के लिए जगह आवंटित करने के संबंधित प्राधिकारियों को निर्देश देने की मांग की गई। इस पर हाई कोर्ट ने 27 मई को अपना आदेश सुरक्षित रखा था।

आवेदन के जवाब में केंद्र ने कहा कि याचिकाकर्ता यानी आम आदमी पार्टी को एक स्टेट पार्टी के तौर पर 2015 से एक आवासीय इकाई आवंटित है। उसे अपना परमानेंट दफ्तर बनाने के लिए जमीन की पेशकश भी की गई, जिसे लेने से उसने इनकार कर दिया था। चूंकि याचिकाकर्ता ऑफर की गई जमीन पर तीन साल के भीतर अपना ऑफिस बनाने में नाकाम रहा, इसलिए अब वह एक आवासीय इकाई को अस्थाई दफ्तर के तौर पर इस्तेमाल के लिए आवंटन का दावा नहीं कर सकता। चूंकि L&DO के पास अब सेंट्रल दिल्ली में कोई खाली जमीन नहीं है, इसलिए याचिकाकर्ता को साकेत में जमीन दी गई थी।

# IIT-D 150वीं रैंक पर, डीयू भी टॉप 22% की लिस्ट में

विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

File

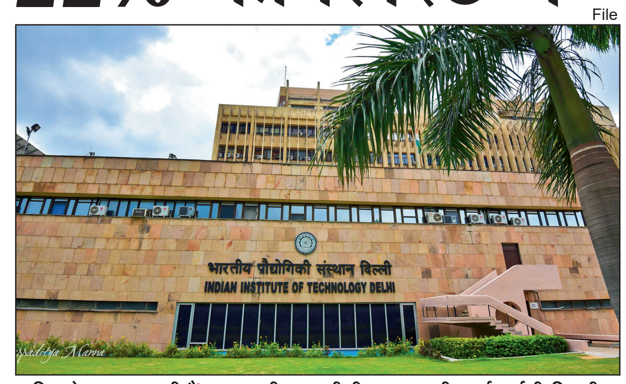


पिछले साल इसकी रैंक 197 थी, 69 सीढ़ी ऊपर चढ़ी आईआईटी दिल्ली

**क्यूएस वर्ल्ड** यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2024 में एक और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) दिल्ली की रैंक में उछाल आया है, तो दिल्ली यूनिवर्सिटी ने भी टॉप 22% इंस्टिट्यूट में अपनी जगह बनाई है।

**QS वर्ल्ड रैंकिंग में दिल्ली के दो संस्थानों के नाम**

आईआईटी दिल्ली ने 69 सीढ़ी ऊपर चढ़ी है और वो इस साल 150वें स्थान पर है। पिछले साल इसकी रैंक 197 थी। इंस्टिट्यूट एम्प्लॉयर रेप्युटेशन पैरामीटर में टॉप 100 वर्ल्ड यूनिवर्सिटी में शामिल है, जो ग्लोबल एम्प्लॉयर्स के हिसाब से नौकरी के लिए ग्रैजुएट तैयार करने के पैमाने का मूल्यांकन है। आईआईटी दिल्ली के डीन प्लानिंग प्रो विवेक बुआ ने कहा, हम बेहद खुश हैं कि हम क्यू एस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंक में टॉप 150 पर हैं। इंडस्ट्री और सोसायटी की दिक्कतों का हल निकालने के लिए अपनी हाई क्वॉलिटी रिसर्च, इनोवेशन और टेक्नलॉजी डिवेलपमेंट में लगातार काम करते हुए हम इस रैंक पर पहुंचे हैं। इंस्टिट्यूट में और ज्यादा क्षमता है कि वो रैंक को और सुधार सके।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2024 में दिल्ली यूनिवर्सिटी ने अपनी रैंक काफी सुधारी है। डीयू ने बुधवार को जानकारी दी कि क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भारत के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में डीयू ने पहला स्थान हासिल किया है। देशभर के बाकी संस्थानों की सूची में पिछले साल के 9वें स्थान के मुकाबले डीयू इस बार 7वें स्थान पर पहुंचा है। डीयू के वाइस चांसलर प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि भारत के शीर्ष 10 संस्थानों में डीयू ने 79 रैंक ऊपर उठकर सबसे अधिक प्रगति की है। इस रैंकिंग में डीयू की ग्लोबल लेवल पर 328वां रैंक है, जो कि पिछले साल 407 थी।

डीयू वीसी ने कहा कि क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में इस बार डीयू ने शीर्ष 22% में अपना स्थान बनाया है। एम्प्लॉयमेंट आउटकम्स और सस्टेनेबिलिटी में भारत के संस्थानों में डीयू पहले स्थान पर रहा है। इंटरनैशनल रिसर्च नेटवर्क में तीसरा, अकादमिक में 5वां (वैश्विक 225) और एम्प्लॉयर रेप्युटेशन में डीयू को 8वां स्थान (वैश्विक 269) मिला। वीसी ने बताया कि वैश्विक स्तर पर नौ संकेतकों में से चार संकेतकों में डीयू को 270 संस्थानों में शामिल किया गया है। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी की रैंक 580 पर है, जो कि पिछले वर्ष 601-610 के ब्रैकेट में थी।

## 1 जुलाई से प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान चेक से नहीं

**प्रस, नई दिल्ली :** जो लोग प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान चेक से करना चाहते हैं, उनके लिए यह खबर महत्वपूर्ण है। एक जुलाई से एमसीडी चेक से प्रॉपर्टी टैक्स भुगतान स्वीकार नहीं करेगी। टैक्स ब्रांच अफसरों का कहना है अब भुगतान के अलग-अलग कई माध्यम उपलब्ध हैं। ऑनलाइन के अलावा लोग असानी से यूपीआई, डिमांड ड्राफ्ट, वॉलेट, पे-ऑर्डर से भी प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान कर सकते हैं।

AI Image

एमसीडी अफसरों का कहना है कि चेक से प्रॉपर्टी टैक्स भुगतान में कई तरह की दिक्कतें आ रही थीं। इसमें सबसे बड़ी दिक्कत तो चेक बाउंस की थी। इसके अलावा भी कई कारण थे, जिसके चलते प्रॉपर्टी टैक्स भुगतान डिजिटल कर दिया है। एमसीडी अफसरों ने लोगों से अपील की है कि जो लोग चेक से टैक्स भुगतान करना चाहते हैं, वह 30 जून तक कर दें। 30 जून तक टैक्स भुगतान करने पर कुल टैक्स की मूल राशि पर 10 प्रतिशत छूट भी मिलेगी। अफसरों का कहना है कि वर्तमान में करीब 12 लाख टैक्स पेयर्स हैं।

## तीस हज़ारी कोर्ट में आज वकीलों की हड़ताल

**विस, नई दिल्ली :** दिल्ली की तीस हजारी अदालत के वकील संगठनों ने गुरुवार को हड़ताल का एलान करते हुए अपने वकील सदस्यों से इसमें सहयोग की अपील की। संगठन के मुताबिक, वकीलों के चैंबर परिसर के मरम्मत से जुड़े काम में न्यायिक अधिकारियों के 'गैरवाजिब' और 'गैरजरूरी' दखल के विरोध में हड़ताल का आह्वान किया गया है। दिल्ली बार एसोसिएशन ने नोटिस जारी कर इसकी सूचना साझा की। इसमें लिखा है कि सभी सदस्यों को यह सूचित किया जाता है कि 6 जून को न्यायिक अधिकारियों के अवैध, मनमाने और तानाशाही रवैये के विरोध में यहां पूरी तरह से हड़ताल रहेगी। दिल्ली बार एसोसिएशन के प्रेजिडेंट एडवोकेट नितिन एहलावत और सेक्रेटरी अतुल कुमार शर्मा की ओर से जारी नोटिस में आगे कहा गया कि बार वकील चैंबर परिसर की मरम्मत के काम में न्यायिक अधिकारियों के गैर जरूरी और गैरवाजिब दखल को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

AI Image

# चीफ सेक्रेटरी ने नहीं भेजी नालों की सफाई की स्टेटस रिपोर्ट, मंत्री नाराज़

विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

**दिल्ली सरकार** के शहरी विकास और बाढ़ नियंत्रण विभाग के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने चीफ सेक्रेटरी नरेश कुमार को पत्र लिखकर नाराजगी जताई है। सौरभ ने पिछले महीने चीफ सेक्रेटरी को नोट लिखकर मॉनसून के दौरान जलभराव से निपटने की तैयारियों पर रिपोर्ट मांगी थी। साथ ही अलग-अलग विभागों के नालों की सफाई की स्टेटस रिपोर्ट देने के लिए भी कहा था, लेकिन चीफ सेक्रेट्री की तरफ से कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद सौरभ ने बुधवार को एक बार फिर चीफ सेक्रेट्री को नोट लिखकर नाराजगी जताई और गुरुवार शाम तक हर हाल में स्टेटस रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया।

**अब गुरुवार शाम 6 बजे तक सभी विभागों के काम की रिपोर्ट उनके दफ्तर में भेजने का निर्देश दिया है**

सौरभ भारद्वाज ने 20 मई को भी चीफ सेक्रेटरी को पत्र लिखकर पिछले साल दिल्ली में आई बाढ़ का हवाला देते हुए कहा था कि मॉनसून सीजन जल्द आने वाला है। ऐसे में यह महत्वपूर्ण है कि सभी संबंधित विभाग और एजेंसियां नालों की सफाई का काम उससे पहले ही पूरा कर लें, ताकि पिछले साल जैसी स्थिति फिर पैदा ना हो। उन्होंने चीफ सेक्रेट्री से 7 दिन के अंदर सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण, पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, एनडीएमसी, डीडीए और दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड के नालों की डी-सिल्टिंग का वर्तमान स्टेटस बताने और सभी नालों की डीसिल्टिंग का काम पूरा करने के लिए तय की गई टाइमलाइन या निश्चित की गई तारीख बताने के लिए कहा था, लेकिन चीफ सेक्रेटरी की तरफ से कोई जवाब नहीं आया।

इसे देखते हुए सौरभ ने बुधवार को एक बार फिर चीफ सेक्रेट्री को पत्र लिखकर उनके रवैये पर नाराजगी का इजहार किया। उन्होंने अब गुरुवार शाम 6 बजे तक सभी विभागों के नालों की सफाई और डीसिल्टिंग के काम की स्टेटस रिपोर्ट उनके दफ्तर में भेजने का निर्देश दिया है, ताकि सभी विभागों की बैठक बुलाकर उन्हें आगे की कार्रवाई के लिए उचित निर्देश दिए जा सकें।

AI Image

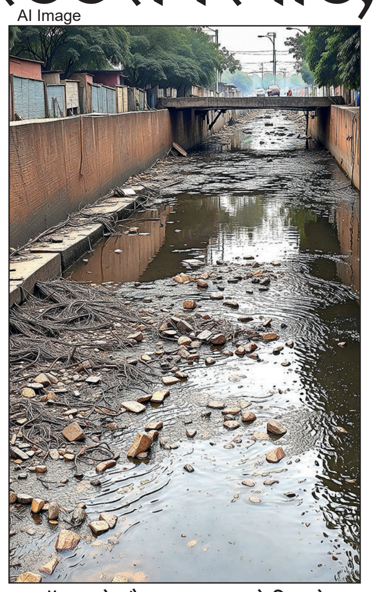

मॉनसून के दौरान जलभराव से निपटने की तैयारियों पर रिपोर्ट मांगी थी

**NBT Lens — समझिए खबरों के अंदर की बात**

**नालों की सफाई क्यों है ज़रूरी**

दिल्ली जैसे शहर में मानसून से पहले नालों की सफाई इसलिए जरूरी है, क्योंकि मानसून के दौरान होने वाली बारिश से एकत्र होने वाला पानी सड़कों पर आता है और न सिर्फ दुर्घटना का अंदेशा होता है बल्कि ट्रैफिक भी बुरी तरह से डिस्टर्ब हो जाता है। हर साल ही नालों की सफाई को लेकर सरकारी एजेंसियों के दावे, बारिश में कागजी साबित होते हैं। लेकिन हर साल नालों की सफाई के लिए एजेंसियां लाखों रुपये खर्च करती हैं। ऐसे में जरूरी है कि नालों की सफाई का सही तरीके से ऑडिट हो और ये भी देखा जाए कि अगर नालों की वाकई सफाई हुई है तो फिर मानसून के दौरान सड़कों पर जलभराव क्यों होता है?

# भाइयों पर मां और बहनों से मारपीट का आरोप

विशेष संवाददाता, मंगोलपुरी

AI Image

**मंगोलपुरी इलाके** में प्रॉपर्टी विवाद में बेटों के अपनी मां और बहनों से मारपीट का मामला सामने आया है। इसका एक सीसीटीवी विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले में पीड़ित महिला के बयान पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आरोपियों को सबूतों और बयानों के आधार पर गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

- प्रॉपर्टी विवाद में हुआ झगड़ा, दोनों भाई गिरफ्तार
- सोशल मीडिया पर झगड़े का विडियो भी हुआ वायरल
- पुलिस का कहना, पीड़ित महिला के बयान पर एफआईआर दर्ज

पुलिस के मुताबिक मंगोलपुर कलां में रहने वाली युवती ने बताया कि वह अपनी मां और बहन के साथ मकान के एक कमरे में रहती हैं। जबकि अन्य कमरों में उसके दो भाई अपनी पत्नियों के साथ रहते हैं। बड़े भाई और पिता की मौत हो चुकी है। युवती ने बताया कि भाई और भाभी से प्रॉपर्टी को लेकर झगड़ा और कहासुनी होती रहती है। इसी वजह से वह किसी तरह से इलाके में अलग मकान बना रही हैं। वह इलाके के डॉगी को खाना भी खिलाती रहती हैं। जिसको लेकर भी भाई-भाभी झगड़ा करते हैं। तीन जून को जब वह डॉगी को खाना डाल रही थीं। उसी वक्त दोनों भाई मां और बहन से कहासुनी करने लगे। वह और उनकी बहन झगड़े से बचने के लिए दूसरे घर में जाने लगीं। दोनों भाइयों ने रास्ता रोक लिया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने लगे। आरोप है कि दोनों भाइयों ने उनकी लात-घूसों से पिटाई की। आरोप है कि दोनों भाभियों ने भी उनका साथ दिया। मां ने विरोध किया तो उनकी भी बुरी तरह से पिटाई की। पुलिस ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को कब्जे में लेकर दोनों भाइयों को पकड़ लिया है।

## हत्या में फरार घोषित बदमाश गिरफ्तार

**एनबीटी न्यूज, नई दिल्ली :** वेलकम इलाके में हत्या के आरोप में फरार चल रहे एक घोषित बदमाश को मालवीय नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि उसकी पहचान कबीर नगर निवासी 65 वर्षीय मुशीर अहमद के तौर पर हुई है। उसे कड़कड़डूमा कोर्ट ने भी 21 जून 2019 को भगोड़ा घोषित कर रखा था। सूचना के बाद छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

# ठक-ठक गैंग का बदमाश गिरफ्तार

एनबीटी न्यूज, दिल्ली कैंट

पुलिस ने 'ठक-ठक गैंग' के एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी इंद्रपुरी निवासी ऋतिक (23) के पास से आईपैड, बैग, अन्य सामान के साथ वारदात में इस्तेमाल स्कूटर भी बरामद कर लिया गया है।

डीसीपी वेस्ट रोहित मीणा के अनुसार, 30 मई को दिल्ली कैंट थाना इलाके में एक कैब से बैग चोरी की सूचना मिली थी। शिकायतकर्ता सिद्धार्थ ने बताया कि वह कैब से गुरुग्राम जा रहे थे। रास्ते में स्कूटर सवार दो युवक कैब के पास पहुंचे और ड्राइवर को कहा कि गाड़ी का टायर पंक्चर हो गया है। ड्राइवर जांच करने लगे। इस बीच एक आरोपी दूसरी तरफ से डोर खोलकर बैग निकाल फरार हो गया।

AI Image

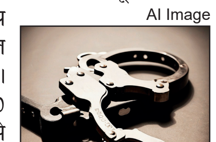

एसएचओ विपिन कुमार की देखरेख में पुलिस टीम ने सीसीटीवी की मदद से जांच शुरू की। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इंद्रपुरी में छापा मारकर आरोपी को दबोच लिया। फिलहाल पुलिस आरोपी के साथी की तलाश कर रही है।

# सरेराह युवक की चाकू घोंपकर हत्या

एनबीटी न्यूज, नई दिल्ली

**सराय काले** खां स्टेशन रोड पर बुधवार शाम सरेराह एक हिस्ट्रीशीटर ने रोहित उर्फ मोगली (27) की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एम्स के मोर्च्युरी में भेज दिया है। रोहित का भी आपराधिक रिकॉर्ड पाया गया है। आरोपी की पहचान कर ली गई है। सनलाइट कॉलोनी थाना पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। डीसीपी राजेश देव ने बताया कि बुधवार शाम करीब 4:44 बजे चाकूबाजी के संबंध में पीसीआर कॉल मिली थी। सूचना मिलने पर पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे तो देखा कि एक लड़का घायल पड़ा है। उसकी पहचान टी-145 हरिजन बस्ती, सराय काले खां निवासी रोहित उर्फ मोगली के तौर पर हुई है। उसे एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। वहां पर डॉक्टरों ने रोहित को मृत घोषित कर दिया। जांच में पता चला कि रोहित पर पिछले साल जीआरपी मथुरा थाना में चोरी का मामला दर्ज है। इसके अलावा कालकाजी में एनडीपीएस एक्ट का केस भी दर्ज है। आरोपी की पहचान मोहम्मद जावेद के रूप में हुई है। वह सराय काले खां इलाके का रहने वाला है और हज़रत निज़ामुद्दीन थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उसकी गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

AI Image

**उत्तर रेलवे**
आज़ादी का अमृत महोत्सव

**निविदा सूचना**
**इलेक्ट्रोनिक निविदा ई प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु**
**निविदा आमंत्रण**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मो से निम्नलिखित मदो के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

| क्र. सं. | निविदा संख्या | संक्षिप्त विवरण | मात्रा | अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 01 | 07241145 | नॉन एस्बेस्टस के–टाइप हाई फ्रिक्शन कम्पोजिट ब्रेक ब्लॉक | 82672 नग | 25.06.2024 |
| 02 | 07233632 | कास्ट स्टील व्हील, (रफ़ साइज) फॉर 6.1 टन एक्सल (के.वी.आर) | 60 नग | 04.07.2024 |

**निविदा शर्तें** 1. विस्तृत जानकारी **IREPS** वेबसाइट यानि **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है।
2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी।

टेंडर नोटिस सं. 21/2024-2025 दिनांक : 05.06.2024 1673/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

**उत्तर रेलवे**
आज़ादी का अमृत महोत्सव

**ई–निविदा (ई–प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण**

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल मे ई–निविदा आमंत्रण।

| | | |
|---|---|---|
| 1 | **कार्य का नाम :** सहायक मंडल अभियंता नई दिल्ली के अधीनस्थ में सीनियर सेक्शन इंजीनियर पी. वे के अंतर्गत लाइन नंबर 19,19-ए, 19-बी, 19-सी, एल-1, टीओ एल-5 में एनडीएलएस यार्ड की "सिक लाइन" और लेथ साइडिंग और "लाइन नंबर में एएनवीटी यार्ड की सिक लाइन। सिक लाइन 1, 2 और 3 एल-1 और एल-2 पार्सल लाइन 1,2 और 3 के सुदृढीकरण कार्य। | |
| 2 | **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)** | Rs. 1,69,65,762.27/- (एक करोड़ उनहत्तर लाख पैंसठ हजार सात सौ बासठ रुपये और सत्ताईस पैसे मात्र) |
| 3 | **बयाना राशि (रुपये)** | Rs. 2,34,800/- (दो लाख चौंतीस हजार आठ सौ रुपये) |
| 4 | **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)** | Rs. 0.00 |
| 5 | **निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय** | 28.06.2024 को 15:00 तक। |
| 6 | **वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है** | निविदा **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध। |
| 7 | **आवंटन** | 04-200-32 |

• ठेकेदारो को ई-टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

**सं :128-W/280/इ-निविदा सूचना/19/2024-25/W-3 दिनांक: 05.06.2024** 1676/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

# NEET-UG रिज़ल्ट पर उठे सवाल, NTA ने दी सफाई

विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

AI Image

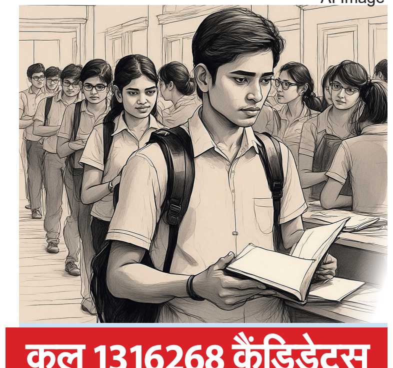

**मेडिकल प्रवेश** परीक्षा NEET-UG 2024 का रिजल्ट जारी होने के बाद बुधवार को सोशल मीडिया पर नैशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) पर सवालों की बौछार देखने को मिली। कई कोचिंग सेंटरों समेत कैंडिडेट्स ने रिजल्ट में गड़बड़ी से लेकर सवाल उठाया कि आखिर 720 में से 718 या 719 नंबर कैसे मिल सकते हैं? पेपर आसान होने से लेकर एक एग्जाम सेंटर से कई टॉपर्स होने की बात भी सोशल मीडिया पर उठाई गई।

इन सभी सवालों का जवाब देते हुए एनटीए ने कहा कि एजेंसी को कुछ रिप्रेजेंटेशन मिले, जिनमें छात्रों ने कोर्ट केस का भी हवाला देते हुए परीक्षा में कम समय मिलने की बात कही। 5 मई 2024 को हुई परीक्षा में कई जगह पेपर लीक होने की अफवाह उठी थी और राजस्थान के एक परीक्षा केंद्र पर तो कुछ कैंडिडेट्स जबरन परीक्षा केंद्र से बाहर चले गए थे। इसके चलते कई सेंटरों पर छात्रों को एग्जाम में कम समय मिल पाया। इसके आधार पर एनटीए ने उच्च स्तरीय कमिटी बनाई और कमिटी ने करीब 1500 छात्रों को ग्रेस मार्क्स देने की सिफारिश की। एनटीए का कहना है कि इसी सिफारिश के आधार पर उन छात्रों को ग्रेस मार्क्स दिए गए, जिनको परीक्षा में कम समय मिल पाया। इसी कारण छात्रों का स्कोर 718 और 719 भी रहा।

सुप्रीम कोर्ट के 13 जून 2018 के एक फैसले को आधार बनाकर कमिटी ने यह सिफारिश की थी। एनटीए का कहना है कि जिस तरह से 5 मई को परीक्षा लीक होने की अफवाह उड़ाई गई थी, उसी तरह से रिजल्ट आने के बाद भी गलतबयानी और भ्रामक पोस्ट सोशल मीडिया पर हो रहे हैं। जबकि नीट के रिजल्ट में कोई गड़बड़ी नहीं है। 67 कैंडिडेट्स को ऑल इंडिया 1 रैंक मिली है और इन सभी कैंडिडेट्स का स्कोर 720 है। दरअसल एनसीईआरटी की पुरानी किताब में एक क्वेश्चन के आंसर का एक जवाब था और नई किताब में अलग जवाब था। जिसके कारण एनटीए को दोनों विकल्प सही मानने पड़े। पेपर आसान होने के कारण टॉपर्स बढ़े हैं। एक सेंटर पर 7 से 8 टॉपर्स भी वही है, जिनका समय बर्बाद हुआ था।

**कुल 1316268 कैंडिडेट्स**

NEET-UG 2024 में कुल 1316268 कैंडिडेट्स ने क्वालीफाई किया है, जिसमें से सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान से हैं। NTA ने बीते मंगलवार को रिजल्ट जारी किया है और अब एमबीबीएस, बीडीएस समेत मेडिकल ग्रेजुएशन कोर्सेज एडमिशन की प्रक्रिया शुरू होगी। यूपी से सबसे ज्यादा 1.65 लाख, महाराष्ट्र से 1.42 लाख, राजस्थान से 1.21 लाख कैंडिडेट्स ने एग्जाम क्लियर किया है। तमिलनाडु से 89426, कर्नाटक से 89088, केरल से 86681 और दिल्ली से 46794 क्वालीफाई हुए हैं।

## शेयर बाज़ार में निवेश के नाम पर साइबर ठगी

**कृष्ण कुणाल सिंह,नई दिल्ली:** लेफ्टिनेंट कर्नल से शेयर बाजार में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर साइबर ठग ने 35 लाख रुपये से अधिक की ठगी की है। उनकी शिकायत पर नई दिल्ली साइबर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, निखिलेश कुमार ने बताया है कि इंटरनेट सर्फिंग के दौरान गूगल पर शेयर चेक किया। उन्हें एक वट्सऐप नंबर से जुड़ने को कहा गया। वहां पर जुड़ने के बाद एक शख्स ने अपना नाम सुनील बताया और खुद को शेयर मार्केट का एक्सपर्ट बताया। पैसा लगाने के बारे में ऑनलाइन क्लास में जुड़ने के लिए लिंक भेजा। वह जुड़ते गए। शेयर बाजार में स्टॉक खरीद और बेच सकते थे। उसके बाद वह लगातार पैसे शेयर बाजार में लगाते रहे।

AI Image

सुनील ने उन्हें एक और लिंक भेजा जिससे वह अपने निवेश पर निगरानी रख सकते थे। 16 मई को उन्होंने अपने पैसे निकालने की कोशिश की तो पैसे नहीं निकले। जब उन्होंने सुनील से संपर्क किया तो उसने उन्हें टैक्स के तौर पर 25 लाख रुपये देने को कहा। तब तक वह शेयर बाजार में 35 लाख 59 हजार का निवेश कर चुके थे। तब उन्हें ठगी का अहसास हुआ। उसके बाद उन्होंने साइबर पोर्टल पर इसकी शिकायत दी।

# 25 घंटे डिजिटल अरेस्ट रख ₹13 लाख करवाए ट्रांसफर

Shanker.Singh@timesgroup.com

AI Image

**नई दिल्ली:** मयूर विहार में रहने वाली एक कामकाजी महिला को साइबर ठगों ने 25 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा। जेल भेजने और परिवार को भी केस में फंसाने का डर दिखाया। वित्त मंत्रालय से रकम को वेरिफाई करने के नाम पर बैंक अकाउंट से 85 फीसदी रकम ट्रांसफर करने को कहा गया। इसे 15 मिनट में लौटाने की बात कही। पीड़िता ने 13 लाख रुपये से ज्यादा ट्रांसफर कर दिए।

**जेल भेजने और परिवार को भी केस में फंसाने का डर दिखाया**

45 साल की पीड़िता एक कंपनी में जॉब करती हैं। 1 फरवरी की दोपहर 3:00 बजे इंटरएक्टिव वॉयस रेस्पॉन्स (IVR) कॉल आई। कॉलर ने बताया कि उनके नाम से एक कुरियर ताइवान भेजने के लिए आया है। इसके भीतर ड्रग्स है। महिला ने कुरियर नहीं भेजने की बात कही। पुलिस अफसरों से बात कराने के लिए महिला को स्काइप से जोड़ा गया। इस दौरान महिला का कॉल आया तो स्काइप डिस्कनेक्ट हो गया। फिर से कॉल कर पुलिस अफसर बताते हुए धमकाया गया। पीड़िता घबराकर लैपटॉप के जरिए स्काइप से जुड़ी। महिला से पूछताछ होने लगी। आधार समेत कई पर्सनल डिटेल मांगे। आधार कार्ड को मुंबई, गोवा और चेन्नै में इस्तेमाल करने के बारे में पूछा गया। धमकी देकर महिला से अपना कमरा दिखाने और कमरा लॉक करने को कहा गया। इसके बाद एक फोटो दिखाते हुए कहा गया कि ये क्रिमिनल और राजनीतिज्ञ है, जो अरेस्ट है। ये 5000 रुपये देकर लोगों के आधार कार्ड का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों में करता है। इसकी कई बैंकों के अफसरों से मिलीभगत है। महिला ने फोटो वाले शख्स को पहचानने से इनकार कर दिया। एक 'गोपनीय पत्र' भेजा, जिसमें लिखा था कि इस जांच के बारे में बताने पर 3 से 7 साल की सजा हो सकती है। बैंकों की डिटेल और उनमें जमा राशि पूछी। एक रुपये का डिफरेंस मिलने पर मुश्किल में पड़ने की बात कही। मुंबई क्राइम ब्रांच का DCP बताते हुए शाम 5:30 बजे जांच अगले दिन करने को कहा। रात में सोने पर भी कॉल और लैपटॉप चालू रखने को कहा गया।

**पल-पल की खबर मांगते रहे**

अगले दिन दोपहर बाद DCP बताने वाले ने बैंकों में जमा 85 फीसदी रकम, यानी 13 लाख 2 हजार 962 रुपये ट्रांसफर करवा लिए। महिला गुहार लगाती रही, लेकिन ठग पैसा ट्रांसफर करवाते रहे। शाम 4:30 बजे तक पल-पल की खबर मांगते रहे। करीब 25 घंटे तक डरा-धमका कर रखा गया। महिला से वेरिफाई के बाद रकम लौटाने की बात कही थी, जो आई नहीं। लंबे समय तक ट्रॉमा में रहने के बाद महिला ने परिजनों को जानकारी दी।

### आज आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट, वीकेंड पर फिर चलेगी लू

# दिन में तेज़ गर्मी का 44 डिग्री टॉर्चर, रात में राहत की बूंदें

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

PTI

**देर शाम बदला मौसम :** बुधवार देर शाम मौसम ने करवट ली। करीब नौ बजे धूल भरी तेज आंधी आई। आधे घंटे में गर्म हवाएं ठंडी हवाओं में बदल गईं। कुछ जगहों पर बूंदाबांदी भी हुई।

**मंगलवार शाम** आई आंधी-बारिश के बाद एक बार फिर गर्मी तेजी से बढ़ी है। बुधवार को अधिकतम तापमान बढ़कर 44 डिग्री के स्तर पर पहुंच गया। हीट इंडेक्स 46.1 डिग्री रहा। गुरुवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। यह अलर्ट आंधी और बारिश का है। इसकी वजह से तापमान में कमी आएगी। 9 जून से एक बार फिर लू का कहर जारी हो सकता है। वहीं राजधानी में बुधवार को करीब नौ बजे धूल भरी तेज आंधी आई। कुछ जगहों पर बूंदाबांदी भी हुई। मौसम विभाग के अनुसार इससे विभिन्न जगहों पर तापमान में 4 से 5 डिग्री की गिरावट आई।

**शुक्रवार को बूंदाबांदी की संभावना, 9 जून से एक बार फिर लू का कहर जारी हो सकता है**

बुधवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री रहा। यह सामान्य से चार डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 31 डिग्री रहा। यह सामान्य से तीन डिग्री अधिक है। हवा में नमी का स्तर 21 से 52 प्रतिशत रहा। आया नगर में अधिकतम तापमान 45 डिग्री, फरीदाबाद में 45.3 डिग्री, जाफरपुर में 45.3 डिग्री, नजफगढ़ में 46.4 डिग्री, नोएडा में 45.1 डिग्री, पीतमपुरा में 45.8 डिग्री, पूसा में 46.1 डिग्री रहा। वहीं पीतमपुरा में न्यूनतम तापमान 35 डिग्री के स्तर पर पहुंच गया। गुरुवार को आंशिक बादल छाए रह सकते हैं। आंधी और हल्की बारिश की संभावना है। तेज हवाएं चलेंगी। इनकी गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे के आसपास रह सकती है। अधिकतम तापमान 42 और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री तक रहेगा। इसके बाद 7 और 8 जून को अधिकतम तापमान 43 डिग्री, और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री तक रह सकता है। आंशिक बादल रहेंगे। 7 जून को बूंदाबांदी की संभावना है। 9 से 11 जून के बीच अधिकतम तापमान एक बार फिर बढ़कर 44 से 45 डिग्री तक रहेगा। इस दौरान न्यूनतम तापमान भी बढ़कर 31 डिग्री तक रह सकता है। स्काईमेट के अनुसार जम्मू कश्मीर पर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव है। यह दिल्ली की तरफ बढ़ रहा है। इसकी वजह से ऊंचे बादलों के बनने और इलाके में आंधी और धूल भरी आंधी आने की संभावना है। अगले तीन दिनों तक तापमान के 43 से 44 डिग्री तक रहने की संभावना है। वीकेंड पर तेज हवाएं, हल्की बारिश खत्म हो जाएगी। तेज धूप के साथ लू वापसी करेगी। यह दौर 5 से 6 दिन जारी रहेगा।

AI Image

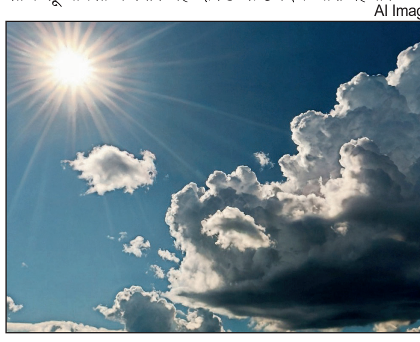

**खराब स्तर पर प्रदूषण :** मई के बाद जून में भी प्रदूषण खराब स्तर पर बना हुआ है। सीपीसीबी के अनुसार बुधवार को राजधानी का AQI 248 दर्ज हुआ।

## एक हफ्ते से ज्यादा आउटडोर ड्यूटी नहीं करेंगे एम्स के गार्ड

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

File Photo

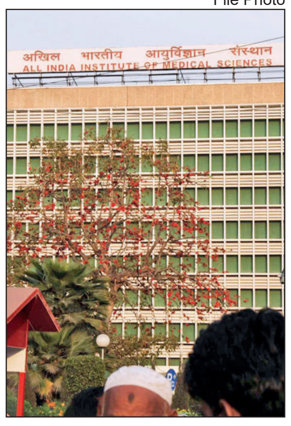


**दिल्ली में** भीषण गर्मी को देखते हुए एम्स प्रशासन ने अपने सिक्योरिटी गार्ड्स को एक हफ्ते से ज्यादा आउटडोर ड्यूटी न करने का आदेश दिया है। इसका मकसद यह है कि गर्मी के मद्देनजर उन स्टाफ का ध्यान रखा जाए, जो आउटडोर ड्यूटी करते हैं। एम्स के डायरेक्टर ने समीक्षा करते हुए हीट वेव के दौरान स्टाफ के राहत के लिए कई जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए।

आदेश में तत्काल प्रभाव से पीने के लिए पानी की उपलब्धता और विस्तार करने को कहा गया है। परिसर में सभी जगह पीने का पानी होना चाहिए। आउटडोर में तैनात स्टाफ, जिसमें सिक्योरिटी गार्ड के लिए, रेगुलर बेसिस पर बोतलबंद पानी, ओआरएस और नींबू पानी उपलब्ध कराया जाएगा। यही नहीं, साफ पीने के पानी के लिए इन हाउस बॉटलिंग सुविधा की स्थापना को तेज किया जा रहा है। ठंडा किया हुआ पानी के बोतल दिए जाएंगे।

**हीट वेव को देखते हुए एम्स के डायरेक्टर ने दिया आदेश**

इसके अलावा, ड्यूटी शेड्यूल को बदलने को कहा गया है और इसमें इसका भी ध्यान रखा जाएगा कि किसी को अतिरिक्त आर्थिक नुकसान न हो। ड्यूटी रोटेशन को इस तरह बनाने को कहा गया है कि जिससे सिक्योरिटी गार्ड्स को लगातार एक हफ्ते से अधिक आउटडोर पोस्ट पर तैनात न किया जाए। इसके अलावा गार्ड रूम में दीवार से लगे पंखे लगाए जाएंगे। इन दीवार पंखों को चलाने के लिए सौर पैनल लगाए जाएंगे।

एम्स के डायरेक्टर डॉ. एम श्रीनिवास ने सभी स्टाफ सदस्यों के कल्याण के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे स्टाफ का स्वास्थ्य और आराम सर्वोपरि है, विशेष रूप से ऐसे चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थितियों में। ये उपाय तुरंत राहत देने और यह सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किए गए हैं कि हमारा वर्किंग फोर्स सुरक्षित और प्रभावी ढंग से अपना काम कर सके।

## कई दिनों बाद दिल्ली में पानी की किल्लत में मामूली कमी

■ **प्रस, नई दिल्ली:** पिछले कई दिनों से पानी को लेकर हो रही राजनीति के बीच इसके उत्पादन में मामूली सुधार है। बुधवार जल बोर्ड ने सभी 9 वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट्स से करीब 1004 एमजीडी पानी का उत्पादन किया, जो पिछले कुछ दिनों की तुलना में 15 से 20 एमजीडी अधिक है। वजीराबाद वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में पानी का उत्पादन अधिक करने के लिए 85 एमजीडी की तुलना में अब 136 एमजीडी पानी यमुना से लिया जा रहा है।

दिल्ली जल बोर्ड के रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को 9 वॉटर ट्रीटमेंट प्लांटों से कुल 1004.18 एमजीडी पानी उत्पादन किया गया। हैदरपुर प्लांट से 241.6 एमजीडी, सोनिया विहार प्लांट से 142.6, वजीराबाद से 133.6, भागीरथी से 112.8, चंद्रावल से 99.9, द्वारका से 52, नांगलोई से 44.4, ओखला से 22 और बवाना वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से 20 एमजीडी पानी उत्पादन किया गया। इसके अलावा 5700 ट्यूबवेलों से रोजाना जो 135 एमजीडी पानी उत्पादन हो रहा है। इन सभी स्रोतों से बुधवार को 1004 एमजीडी पानी का उत्पादन किया गया। जल बोर्ड अफसरों का दावा है कि वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट्स से समान्य पानी उत्पादन की क्षमता की तुलना में 48.1 एमजीडी अधिक पानी उत्पादन किया जा रहा है।

### यमुना का वॉटर लेवल अभी नीचे

रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को यमुना का वॉटर लेवल 671.1 फीट रेकॉर्ड किया गया, जो 674.5 फीट होना चाहिए। इससे वजीराबाद प्लांट में उत्पादन पर इसलिए उतना असर नहीं पड़ रहा है कि यमुना से पहले की तुलना में पानी अधिक लिया जा रहा है। पहले 85 एमजीडी ही पानी लिया जा रहा था। अब, 135 एमजीडी पानी ट्रीट कर सप्लाई किया जा रहा है।

## कुत्तों के झगड़े में किया ईंट से हमला, केस दर्ज

■ विशेष संवाददाता, बुराड़ी

**पालतू कुत्ते** और आवारा कुत्तों के बीच हुए झगड़ा बड़ों तक जा पहुंचा। मामला बुराड़ी इलाके का है। घटना में एक युवक बुरी तरह जख्मी हो गया। घायल युवक को अस्पताल में कराया गया भर्ती। बुराड़ी पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक विजय राव परिवार के साथ गली नंबर 106 बी ब्लॉक बुराड़ी में रहते हैं। पुलिस को बताया कि रात 11 बजे अपने पालतू कुत्ते को गली में घुमा रहे थे। इसी दौरान गली के आवारा कुत्ते आ गए और भोंकने लगे। उनमें से कुछ कुत्ते पालतू कुत्ते से चिपट गए। इतने में विजय ने अपने पालतू कुत्ते को बचाने के लिए गली के कुत्तों को हटाने की कोशिश की। आरोप है कि इसी दौरान गली में रहने वाला साहिल नाम का युवक आ गया। आते ही बहसबाजी व हाथा पाई करने लगा। दोनों में इस बात पर झगड़ा हो गया कि गली में कुत्ता लेकर क्यों आया। आरोप है कि साहिल ने ईंट उठाकर उसके सिर व मुंह पर मार दी और वहां से भाग गया।

**घटना में एक युवक बुरी तरह जख्मी हो गया**

## फ्लाइट में बम की सूचना, रोकी उड़ान

■ **एनबीटी न्यूज, नई दिल्ली:** मंगलवार रात आईजीआई एयरपोर्ट से टोरंटो जाने वाली एयर कनाडा की फ्लाइट में बम होने की सूचना मिली थी। उसके बाद तुरंत फ्लाइट की उड़ान रोक दी गई। प्रोटोकॉल का पालन करते हुए फ्लाइट को खुली जगह पर ले जाया गया। यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। तुरंत सुरक्षा एजेंसियों को बुलाया गया। डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते की टीम भी पहुंच गई। कई घंटो तक विमान की तलाशी ली गई। लेकिन बाद में कुछ भी नहीं मिला। डीसीपी उषा रंगनानी ने बताया कि मंगलवार रात करीब 10:50 मिनट पर डायल को एक ईमेल मिला था कि आईजीआई एयरपोर्ट से टोरंटो जाने वाले एयर कनाडा के विमान में बम है। उसे उड़ा दिया जाएगा। इस बात की सूचना पुलिस को दी गई। विमान अभी उड़ने वाला था। उसे तुरंत रोका गया।

**कई घंटे जांच, नहीं मिली कोई संदिग्ध चीज**

## कहासुनी में युवक को मारी गोली

■ **विस, नई दिल्ली:** सीमापुरी में बाइक सवार बदमाशों ने एक युवक के सीने में गोली मार दी। पीड़ित कैफ (24) को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत नाजुक है। पुलिस ने जानलेवा हमले का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को पता चला है कि बाइक सवार दो लड़कों ने गाली-गलौज करने के बाद कैफ को गोली मारी। डीसीपी (शाहदरा) सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि मंगलवार देर रात करीब 12:30 बजे पुरानी सीमापुरी के बी-ब्लॉक में फायरिंग की कॉल मिली। पुलिस को जख्मी कैफ ने बताया कि वो परिवार के साथ सीमापुरी में रहते हैं। देर रात अपने दोस्त इरफान और सुहेल के साथ गली में बैठे थे। बाइक सवार दो युवक आए। एक युवक किसी बात पर झगड़ा करने लगा। कहासुनी के दौरान आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। इस बीच बाइक के पीछे बैठे युवक ने पिस्टल निकालकर गोली चला दी।

**सीमापुरी में वारदात, केस दर्ज**

## लाजपत नगर में आंखों के अस्पताल में भयानक आग

■ एनबीटी न्यूज, लाजपत नगर

**साउथ डिस्ट्रिक्ट** के लाजपत नगर स्थित आंखों के अस्पताल Eye7 में बुधवार सुबह आग लग गई। लोग घबराकर इधर-उधर भागने लगे। सूचना मिलते ही लोकल पुलिस के अलावा दमकल विभाग की 16 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। दमकल विभाग के अनुसार, घटना के समय बिल्डिंग में मरीज और स्टाफ मिलाकर करीब 50-60 लोग मौजूद थे, जो आग लगते ही खुद ही बाहर आ गए। एक महिला पहली मंजिल पर फंस गई, जिसे समय रहते निकाल लिया गया। शुरुआती जांच में पुलिस आशंका जता रही है कि बिल्डिंग में लगे एक एसी में शॉर्ट सर्किट के बाद आग लगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

**दमकलकर्मियों ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया**

दमकल विभाग के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 11.29 बजे सूचना मिली कि लाजपत नगर के विनोबापुरी, प्लॉट नंबर-34 में Eye7 आंखों के अस्पताल में आग लग गई है। इधर आग पर काबू पाने के बाद क्राइम टीम के अलावा एफएसएल की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 11.29 बजे अचानक प्लॉट नंबर-34 के अपर ग्राउंड फ्लोर में आग लगी। बिल्डिंग में धुआं भरने लगा। बेसमेंट के अलावा बाकी बिल्डिंग में मौजूद लोगों ने किसी तरह समय समय रहते भाग कर अपनी जान बचाई।

PTI

बिल्डिंग में लगे एक एसी में शॉर्ट सर्किट के बाद आग लगने की आशंका, FSL की टीम ने भी सबूत जुटाए

**साथ वाली बिल्डिंग भी चपेट में :** दमकल विभाग के असिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर राजेश शुक्ला के अनुसार, आग अस्पताल के बेसमेंट, अपर ग्राउंड फ्लोर से होते आग पहली मंजिल पर पहुंच गई। तेज हवा के बीच आग ने पड़ोस में अस्पताल की दूसरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। आग से उसकी तीसरी मंजिल को नुकसान हुआ। शुक्ला के अनुसार, आग अन्य फ्लोर में फैलती उससे पहले दमकल ने आग पर काबू पाया। दोपहर करीब 1.10 बजे किसी तरह आग पर काबू पाया गया। फिर कूलिंग का काम शुरू किया गया। दमकल और पुलिस की टीम ने दोनों बिल्डिंग पर सर्च ऑपरेशन चलाया।

**दूसरी बिल्डिंग के शीशे तोड़ने पड़े :** फायर ऑफिसर राजेश शुक्ला के अनुसार, आग ने जैसे ही पड़ोस की बिल्डिंग को चपेट में लिया अंदर धुआं भर गया। रेस्क्यू टीम ने तुरंत पूरी बिल्डिंग के शीशे तोड़े। जिससे धुआं और हीट बिल्डिंग में नहीं रुकी। राजेश शुक्ला का कहना है कि अगर ऐसा नहीं किया जाता तो शायद पूरी बिल्डिंग आग की चपेट में आ जाती।

**NOC की नहीं थी ज़रूरत:** दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि जिस अस्पताल में आग लगी, उसको दमकल विभाग के एनओसी की जरूरत नहीं थी। दिल्ली फायर सर्विस एक्ट के अनुसार, फायर NOC के लिए इमारत को नौ मीटर या उससे अधिक होना चाहिए। इस बिल्डिंग की ऊंचाई 9 मीटर से कम थी।

### आप भी बन सकते हैं NBT फायर फाइटर

**एनबीटी सुरक्षा कवच की ताजा मुहिम 'अग्नि सुरक्षा कवच' में हम और आप मिलकर लड़ेंगे आग के खतरों से। इसमें दिल्ली फायर सर्विस के साथ मिलकर आग के खतरों, इनसे निपटने की तकनीकों और इसके बारे में ज्यादा जानकारी सीखेंगे। जो पाठक इस अभियान से जुड़कर जानकारी हासिल करेंगे उनके लिए मौका होगा एनबीटी फायर फाइटर प्रशस्ति पत्र जीतने का। इसके लिए साथ में दिए क्यूआर कोड को स्कैन करें या rb.gy/skqeo8 लिंक पर जाएं जिसके बाद एक गूगल फॉर्म खुलेगा। इसमें दिए गए क्विज को सफलतापूर्वक भरने वालों को मिलेंगे 'एनबीटी फायर फाइटर' सर्टिफिकेट।**

## दिल्ली यूनिवर्सिटी में खेल-कूद, संगीत के जरिए एंट्री का चांस

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

File Photo

स्पोर्ट्स और एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटी कैटिगरी के लिए ट्रायल्स जुलाई में होंगे

**दिल्ली यूनिवर्सिटी** में सिर्फ कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) स्कोर से ही नहीं, बल्कि खेलकूद और डांस-म्यूजिक-थिएटर जैसी एक्टिविटी में अगर आप आगे रहे हैं, तो अपने इस हुनर की बदौलत भी सीट पा सकते हैं। डीयू अपने अंडरग्रैजुएट कोर्सों में ऐसे स्टूडेंट्स के लिए 5% अतिरिक्त सीटें रखता है। स्पोर्ट्स और एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटी (ईसीए) दोनों ही कैटेगरी के लिए ट्रायल्स जुलाई में होंगे, जिसे 75% वेटेज दी जाएगी और सीयूईटी को सिर्फ 25% वेटेज मिलेगी। दोनों कोटे की सीटों के लिए सीयूईटी यूजी – 2024 और ट्रायल्स/सर्टिफिकेट्स की संयुक्त मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी।

जो स्टूडेंट्स स्पोर्ट्स और ईसीए कोटे की सीटों के लिए अप्लाई करना चाहते हैं उन्हें कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) -2024 (admission.uod.ac.in) के रजिस्ट्रेशन फॉर्म में ऑनलाइन ईसीए/स्पोर्ट्स सेक्शन भरना होगा। करीब 3550 सीटों पर दाखिले होंगे।

**दोनों कोटे की अतिरिक्त 5% सीटों के लिए अलग से करना होगा अप्लाई**

### 3 कैटेगरी, 3 साल के सर्टिफिकेट

5% सीटों में हर कॉलेज ने अलग-अलग पर्सेंटेज में दोनों कैटेगरी के लिए रखी है, कॉलेज कम से कम 1% सीटें दोनों को देनी होंगी। 4% कोटा दोनों को दिया जा सकता है। कॉलेज जल्द ही सीट मैट्रिक्स भी जारी करेंगे। डीन एडमिशंस हनीत गांधी कहती हैं, 5% सीटें दोनों कैटेगरी के लिए हैं। अप्लाई करने से पहले स्टूडेंट्स को कॉलेज वाइज ईसीए और स्पोर्टस सीट मैट्रिक्स देखनी चाहिए ताकि वह सीटों के हिसाब से कॉलेज चुन सके।

### अंतरराष्ट्रीय स्तर की परफॉर्मेंस, ट्रायल्स से छूट

स्पोर्ट्स कैटेगरी के लिए स्टूडेंट्स अधिकतम तीन खेल के लिए अप्लाई कर सकते हैं। स्कूल में पढ़ाई के बीच उन्होंने जो भी खेल खेले हैं और प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए सर्टिफिकेट या मेरिट सर्टिफिकेट पाए हैं, उन्हें ये सर्टिफिकेट (1 मई 2021 से 30 अप्रैल 2024 के) अपलोड करने होंगे।

## युवक की हत्या में आरोपी गिरफ्तार

■ **एनबीटी न्यूज, पालम :** पालम थाना पुलिस ने हत्या के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान दशरथपुरी निवासी गोविंदा के रूप हुई है। डीसीपी रोहित मीणा ने बताया मंगलवार सुबह पालम थाने को सूचना मिली की गली नंबर तीन महावीर एन्क्लेव स्थित घर में शव है। मृतक की पहचान नितेश (22) के तौर पर हुई जो गली नंबर चार महावीर एन्क्लेव निवासी था। जांच के दौरान पुलिस को इस वारदात के पीछे गोविंदा का हाथ होने का पता चला। जिसे पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि रात में नितेश अपनी महिला दोस्त के साथ उसके कमरे में आया। सुबह लगभग 4 बजे उसने नितेश को कमरे से बाहर जाने के लिए कहा। इस पर वह नाराज हो गया। सुबह 6 बजे उसे अपने कमरे के नीचे वाली गली में मिलने के लिए बुलाया। नितेश से मिलने गया तो उसने आरोपी को थप्पड़ मारा और पीटना शुरू कर दिया। गुस्से में आकर आरोपी ने नितेश का पीछा किया और उस पर चाकू से हमला कर दिया।

### लूट, चोरी और स्नैचिंग में पकड़े गए 22 नाबालिगों का 'बॉयज क्लब' बनाया

## चेहरे पर पछतावा तो आंखों में सपने, भविष्य पटरी पर लौटाने की पहल

Shanker.Singh@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली:** दोस्त का झगड़ा हुआ तो सभी नाबालिग दोस्ती निभाने एकजुट हो गए। कुछ बालिग लड़के भी बुला लिए। मारपीट में मर्डर हो गया। आधा दर्जन नाबालिगों को सुधार गृह जाना पड़ा। गलती से गुनाह कर बैठे इन नाबालिगों के चेहरों पर आज पछतावा है, लेकिन आंखों में भविष्य के सपने अब भी हिलोरे ले रहे हैं।

**"बुरी संगत से बचाने और मुख्यधारा में लाने का प्रयास है। पुलिस की देखरेख में इनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। पढ़ाई और स्वरोजगार में भी हरसंभव मदद की जाएगी।**
*-सुरेंद्र चौधरी, DCP शाहदरा*

**पुलिस की पहल के जरिए जिंदगी को पटरी पर लाना चाहते हैं भटके नाबालिग**

शाहदरा जिला पुलिस ने सीमापुरी इलाके के ऐसे ही 22 नाबालिगों का 'बॉयज क्लब' बनाया है। ये मर्डर के अलावा लूट, चोरी और स्नैचिंग में पकड़े गए थे। इनकी उम्र 13 से 18 साल है। मकसद है कि ये नाबालिग गलती से हुए गुनाह के पछतावे को भूलकर खुद और माता-पिता के देखे सपनों को साकार करें। सीमापुरी थाने में बुधवार को पौधे लगाने का कार्यक्रम रखा गया। नाबालिगों के अलावा माता-पिता भी आए।

किसी का चार्टर्ड अकाउंटेंट, किसी का सरकारी जॉब तो किसी का इंजीनियर बनना लक्ष्य है। कुछ नाबालिगों का मन पढ़ाई में नहीं लगता है। ऑटो मोबाइल मैकेनिक समेत दूसरे कौशल वाले काम करना उनका टारगेट है। DCP सुरेंद्र चौधरी की देखरेख में ACP मुकेश वालिया और SHO देविंदर सिंह इन नाबालिगों को नई उड़ान भरने में मदद कर रहे हैं। इन्हें खेलों के जरिए पुलिस के साथ जोड़ा जा रहा है। बैडमिंटन, बास्केटबॉल और वॉलिबॉल खेलाया जाता है। DCP सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि ये पुलिस की निगरानी में रहते हैं। ये आंख-कान का काम भी करेंगे।

## पुलिस की हिरासत से भागा आरोपी

■ **एनबीटी न्यूज, नई दिल्ली:** हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार आरोपी हैदराबाद पुलिस की हिरासत से फरार हो गया। हैदराबाद पुलिस ने घंटों आरोपी को रेलवे स्टेशन के अलावा बाहर खोजा, लेकिन वह नहीं मिला। जिसके बाद हैदराबाद पुलिस ने हजरत निजामुद्दीन रेलवे पुलिस को सूचना दी। रेलवे पुलिस ने हैदराबाद पुलिस के इंस्पेक्टर के मधुसूदन राव के बयान पर केस दर्ज किया।

फरार आरोपी की पहचान वंश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हैदराबाद पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले में दो आरोपी संदीप कुमार और वंश को गिरफ्तार किया था। सूत्रों के अनुसार, दो जून को हैदराबाद पुलिस दोनों आरोपियों को लेकर हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पहुंची। वे प्लेटफार्म नंबर पांच के पास खड़े थे। यहां से वह राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन में सवार हुए। सूत्रों की मानें तो इसी बीच आरोपी वंश हैदराबाद पुलिस को धक्का देकर फरार हो गया।

## गोली मार की थी हत्या, आरोपी मुठभेड़ में अरेस्ट

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

AI Image

**29 मई** को वेलकम के कबीर नगर इलाके में एक युवक की उसके ऑफिस में गोली माकर हत्या के मामले में वॉन्टेड चल रहे अयान नाम के बदमाश को स्पेशल सेल ने एनकाउंटर के बाद पकड़ा है। गाजीपुर इलाके में हुई सेल की कार्रवाई के दौरान आरोपी ने फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में सेल की टीम ने गोली चलाई। दोनों पैर में गोली लगने से आरोपी जख्मी हो गया। उसे काबू करके फौरन अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया गया। सेल ने मौके से हत्या की वारदात में इस्तेमाल स्कूटर और पिस्टल बरामद की है। मामले में बाकी आरोपियों के बारे में पता लगाया जा रहा है।

**आरोपी ने स्पेशल सेल की टीम पर चलाई थीं चार गोलियां**

स्पेशल सेल अफसर के मुताबिक एसीपी ललित मोहन नेगी के सुपरविजन में इंस्पेक्टर शिव कुमार और उनकी टीम ने आरोपी को पकड़ा है। पकड़े जाने के बाद आरोपी अयान ने खुलासा करते हुए बताया कि उसकी मिंटू नाम के युवक से रंजिश है। उसने हर्ष विहार में 30 अप्रैल को मिंटू पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। मिंटू का दोस्त सूरज उसे सपोर्ट करता था। सूरज का कबीर नगर में ऑफिस था। प्लानिंग के तहत 29 मई को उसने ऑफिस में जाकर सूरज की गोली मारकर हत्या कर दी थी। आरोपी के पास से बरामद स्कूटर दोनों ही वारदात में इस्तेमाल हुआ था। आरोपी इन दोनों ही वारदात में वॉन्टेड था।

## चाकू के बल पर लूट में नाबालिग समेत दो पकड़े

■ **एनबीटी न्यूज, नई दिल्ली:** ग्रेटर कैलाश इलाके मे चाकू के बल पर लूटपाट कर फरार एक नाबालिग समेत दो लुटेरो को अमर कॉलोनी इलाके से ग्रेटर कैलाश पुलिस ने पकड़ा है। इसमे एक बालिग बदमाश की पहचान पवन उर्फ नेपाली के तौर पर हुई है। वह ग्रेटर कैलाश इलाके का घोषित बदमाश है। वही दूसरा नाबालिग है। इनके पास से 3400 से अधिक कैश, मोबाइल और चाकू भी बरामद हुआ है। फिलहाल पुलिस उनके फरार तीसरे साथी के बारे मे पता कर रही है। डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि 4 जून की रात 2:45 बजे ग्रेटर कैलाश, पार्ट-1 निवासी शिकायतकर्ता घर लौट रहे थे। जब वह एन ब्लॉक पार्क, ग्रेटर कैलाश पहुंचे तभी तीन लोग आए और उन्हें पकड़कर चाकू के बल पर 1920 रुपये कैश और मोबाइल लूटकर फरार हो गए। पीड़ित तुरंत पुलिस चौकी पहुंचे और वारदात की सूचना दी। पुलिस ने दो को पकड़ लिया गया लेकिन तीसरा फरार हो गया।

# 70 विधानसभा सीटों में 52 पर BJP रही आगे

**आप और कांग्रेस दिल्ली में I.N.D.I.A. के तहत मैदान में उतरे और बीजेपी को टक्कर दी। 4 जून को आए नतीजों में एक बार फिर दिल्लीवालों ने 7-0 से जनादेश दिया। 70 सीटों वाली विधानसभा में कौन कहां रहा इसका एनालिसिस एनबीटी टीम ने किया। पेश है यह स्पेशल रिपोर्ट :**

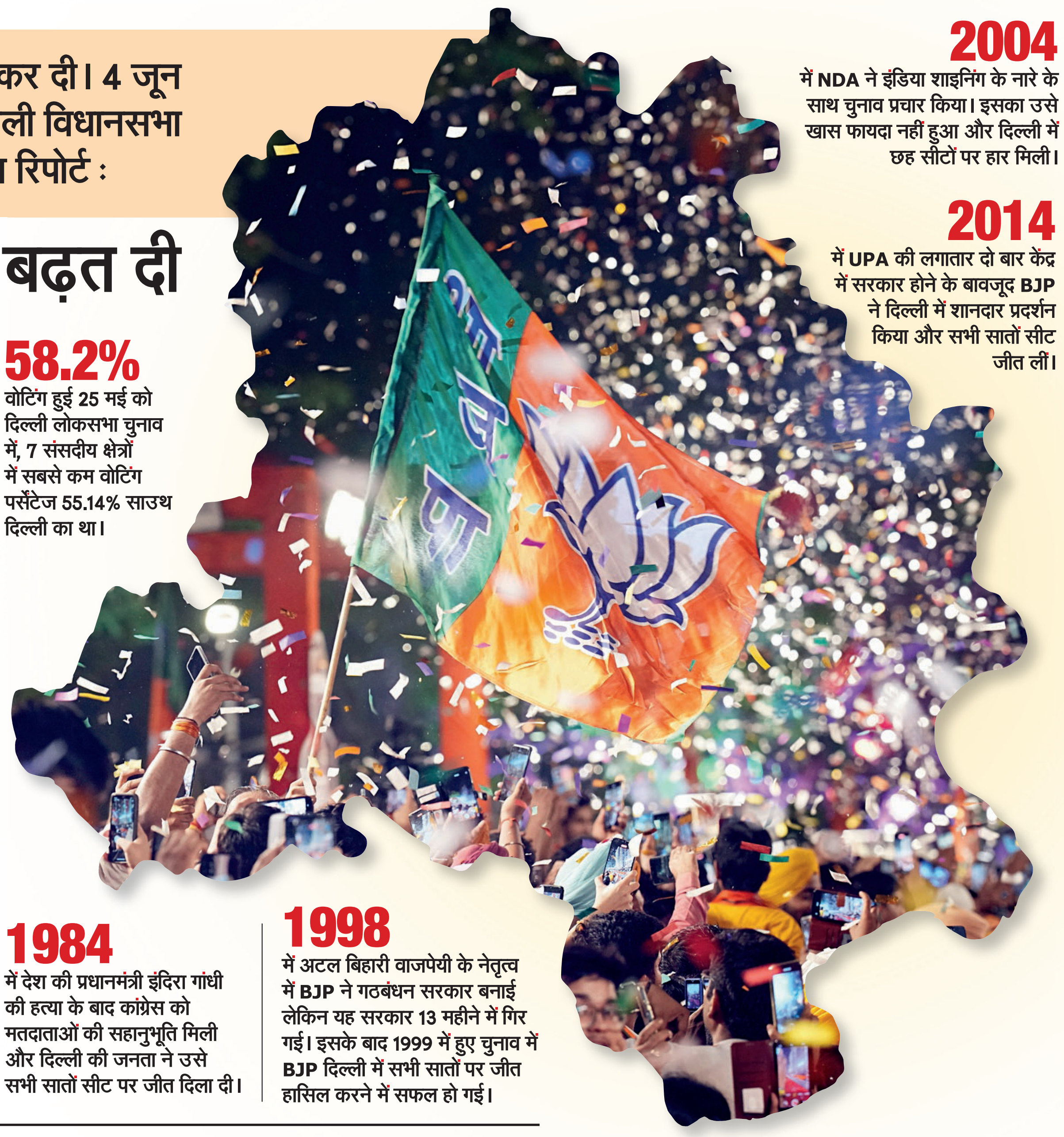

**2004** में NDA ने इंडिया शाइनिंग के नारे के साथ चुनाव प्रचार किया। इसका उसे खास फायदा नहीं हुआ और दिल्ली में छह सीटों पर हार मिली।

**2014** में UPA की लगातार दो बार केंद्र में सरकार होने के बावजूद BJP ने दिल्ली में शानदार प्रदर्शन किया और सभी सातों सीट जीत लीं।

**58.2%** वोटिंग हुई 25 मई को दिल्ली लोकसभा चुनाव में, 7 संसदीय क्षेत्रों में सबसे कम वोटिंग पर्सेंटेज 55.14% साउथ दिल्ली का था।

**1984** में देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद कांग्रेस को मतदाताओं की सहानुभूति मिली और दिल्ली की जनता ने उसे सभी सातों सीट पर जीत दिला दी।

**1998** में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में BJP ने गठबंधन सरकार बनाई लेकिन यह सरकार 13 महीने में गिर गई। इसके बाद 1999 में हुए चुनाव में BJP दिल्ली में सभी सातों पर जीत हासिल करने में सफल हो गई।

## रामवीर को 4 विधानसभाओं ने एक लाख वाली बढ़त दी

Katyayani.Upreti@timesgroup.com

साउथ दिल्ली

■ **साउथ दिल्ली** संसदीय सीट चार विधानसभाओं के वोटर्स ने BJP के नाम की। छतरपुर, पालम, बिजवासन और बदरपुर में BJP का दबादबा रहा और इन्हीं की बदौलत जीत का मार्जिन एक लाख पार पहुंचा। लोकसभा चुनाव में BJP प्रत्याशी रामवीर सिंह बिधूड़ी को इन चार विधानसभा से भारी बढ़त मिली और उन्होंने I.N.D.I.A गठबंधन के आम आदमी पार्टी प्रत्याशी सहीराम पहलवाल को शिकस्त दी। रामवीर ने यह सीट 1.24 लाख से ज्यादा वोटों से जीती। बिधूड़ी को 692832 तो सहीराम के 568499 वोट मिले। बदरपुर और तुगलकाबाद दोनों ही विधानसभाओं से दोनों विधायक अपनी-अपनी सीट जीते।

साउथ दिल्ली में BJP का वोट प्रतिशत 53.46% रहा, तो I.N.D.I.A गठबंधन (आप कैंडिडेट) का वोट शेयर 43.8% रहा। यह पिछले बार से कुछ कम है। 2019 में साउथ दिल्ली में BJP का वोट शेयर 56.8% था, वहीं आप का वोट शेयर 26.3% और कांग्रेस का 13.56% था। 2014 में BJP का वोट शेयर 45.17%, आप का 35.47% और कांग्रेस का 11.36% था। वहीं, दिल्ली के 'आप' विधायकों में सहीराम पहलवान इकलौते विधायक रहे जो अपनी विधानसभा जीते हैं। उन्हें तुगलकाबाद विधानसभा से 53736 वोट मिले जबकि रामवीर बिधूड़ी को 48608 वोट मिले।

रामवीर के लिए 10 विधानसभाओं में से चार विधानसभाएं खास साबित हुईं। बिधूड़ी को छतरपुर, पालम, बिजवासन और बदरपुर से अच्छी-खासी तादाद में वोट मिले। इन विधानसभाओं में वोटों का अंतर 25 हजार से लेकर 28 हजार के आसपास रहा। बिधूड़ी ने अपनी विधानसभा भी आसानी से जीती। यहां आप प्रत्याशी को उन्होंने 25181 वोट से पीछे छोड़ा। पार्किंग, जाम जैसे मुद्दों के साथ कालकाजी विधानसभा ने BJP कैंडिडेट को चुना। देवली विधानसभा में दोनों के बीच टक्कर रही।

### तुगलकाबाद समेत आप ने जीती 3 विधानसभाएं

आम आदमी पार्टी के नेता सहीराम पहलवान ने तीन विधानसभाएं तो जीतीं लेकिन मार्जिन नहीं बना जाए। तुगलकाबाद, आंबेडकर नगर, संगम विहार विधानसभाएं उन्होंने अपने नाम कीं। तीनों ही विधानसभाओं के लोगों ने पानी, अनधिकृत कॉलोनियां, साफ-सफाई को सबसे बड़ा मुद्दा बताया था। ये विधानसभाएं ऐसी रहीं, जहां वोटों की गिनती के दौरान सहीराम ज्यादातर राउंड में आगे रहे। वहीं, अपनी तुगलकाबाद विधानसभा आप विधायक ने 5128 वोटों से बिधूड़ी से जीते।

**साउथ दिल्ली**

| विधानसभा क्षेत्र | बीजेपी प्रत्याशी | आप प्रत्याशी |
|---|---|---|
| बिजवासन | 72603 (58.99%) | 47527 (38.61%) |
| पालम | 88263 (57.27%) | 61,836 (40.12%) |
| महरौली | 60713 (54.01%) | 43,765 (38.9%) |
| छतरपुर | 84595 (58.54%) | 56458 (39.07%) |
| देवली | 73833 (49.29%) | 71513 (47.74%) |
| आंबेडकर नगर | 45523 (48.25%) | 46327 (49.10%) |
| संगम विहार | 56313 (47.94%) | 58151 (49.50%) |
| कालकाजी | 55755 (54.67%) | 43606 (42.76%) |
| तुगलकाबाद | 48608 (45.87) | 53736 (50.71%) |
| बदरपुर | 104978 (55.26%) | 79797 (42.01%) |

## 'आप' के महाबल को मिला सिखों का वोट, मटियाला में 'कमलजीत'

Poonam.Gaur@timesgroup.com

वेस्ट दिल्ली

**विधायक विनय** मिश्रा के क्षेत्र से भी आप के प्रत्याशी महाबल मिश्रा को उतने वोट नहीं मिलने जितने मिलने की बातें की जा रही थीं। विनय मिश्रा, महाबल मिश्रा के पुत्र हैं। अब आने वाले विधानसभा चुनावों इस फैक्टर पर सभी की नजरें होंगी। द्वारका विधानसभा सीट से बीजेपी की कमलजीत सहरावत को महाबल की तुलना में 15,376 वोट अधिक मिले। यहां कमलजीत के पक्ष में 72572 वोट डले तो वहीं महाबल मिश्रा को 57,196 वोट मिल पाए। पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट पर वोटरों का रुख पूरी तरह से बदला नजर आया। यहां पर दोनों प्रत्याशियों के बीच जीत का सबसे बड़ा अंतर मटियाला विधानसभा क्षेत्र में दिखा। दिल्ली के सबसे बड़े विधानसभा क्षेत्र में जहां बीजेपी प्रत्याशी को 1,53,497 वोट मिले वहीं महाबल मिश्रा महज 1,03,828 वोट ही मिले।

महाबल दो सीटों पर बीजेपी से आगे दिखे। यह दोनों विधानसभा क्षेत्र सिख बाहुल्य हैं। यहां पर बढ़त चौंकाने वाली रही है। राजौरी गार्डन विधानसभा क्षेत्र में महाबल मिश्रा को 51,863 वोट मिले तो वहीं बीजेपी की विजेता प्रत्याशी कमलजीत सहरावत को 49417 वोट मिले। महाबल यहां से 2446 वोटों से आगे रहे। वहीं तिलक नगर विधानसभा क्षेत्र में विजेता उम्मीदवार कमलजीत सहरावत 2164 वोटों से पिछड़ीं।

**वेस्ट दिल्ली**

| विधानसभा क्षेत्र | बीजेपी प्रत्याशी | आप प्रत्याशी |
|---|---|---|
| मादीपुर | 59,258 (55.28%) | 45,240 (42.20%) |
| राजौरी गार्डन | 49,417 (47.63%) | 51,863 (49.99%) |
| हरि नगर | 53,645 (53.79%) | 43,799 (43.92%) |
| तिलक नगर | 43,616 (47.69%) | 45,780 (50.05%) |
| जनकपुरी | 65,864 (55.29%) | 50,389 (42.30%) |
| विकासपुरी | 13,6876 (53. 89%) | 10,9365 (43.06%) |
| उत्तम नगर | 10,9667 (59.81%) | 69,288 (37.79%) |
| द्वारका | 72,572 (54.65%) | 57,196 (43.07%) |
| मटियाला | 15,3497 (58.29%) | 10,3828 (39.43%) |
| नजफगढ़ | 93920 (57.45%) | 65, 011 (39.76%) |

## 'हर्ष की लहर'... कुलदीप विधानसभा में हुए फेल

Prashant.Soni@timesgroup.com

ईस्ट दिल्ली

■ **नई दिल्ली :** ईस्ट दिल्ली लोकसभा सीट पर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी कुलदीप कुमार न केवल पार्टी के दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष हैं, बल्कि पार्टी के पूर्व पार्षद और कोंडली से विधायक भी हैं। उनकी गिनती पार्टी में तेजी से उभरते और तेज तर्रार युवा नेताओं में की जाती है। दलित समुदाय से ताल्लुक रखने वाले कुलदीप को ईस्ट दिल्ली जैसी सामान्य लोकसभा सीट पर उम्मीदवार बनाकर आम आदमी पार्टी ने बड़ा दांव खेला था। इसके पीछे मुख्य मकसद ईस्ट दिल्ली के दलित आबादी बहुल इलाकों, झुग्गी बस्तियों, अनधिकृत और पुनर्वास कॉलोनियों में अधिक से अधिक वोट हासिल करने का था, लेकिन नतीजे इसके ठीक उलटे निकले। यहां तक कि अपने खुद के विधानसभा क्षेत्र में भी कुलदीप बीजेपी से पिछड़ गए।

चुनाव आयोग से मिले आंकड़े बताते हैं कि कोंडली विधानसभा में कुलदीप बीजेपी के हर्ष मल्होत्रा से 1566 वोटों से पिछड़ गए। वहीं कोंडली से सटे दलित आबादी बहुल त्रिलोकपुरी विधानसभा क्षेत्र में भी वह करीब साढ़े 7 हजार वोटों से पीछे रहे। ईस्ट दिल्ली लोकसभा के तहत आने वाले 10 विधानसभा क्षेत्रों में से 7 में आम आदमी पार्टी के विधायक हैं, लेकिन इनमें से भी 5 इलाकों में कुलदीप को मायूसी हाथ लगी। पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के विधानसभा क्षेत्र पटपड़गंज में भी बीजेपी को 29,199 वोट ज्यादा मिले। जंगपुरा से बीजेपी को झटका लगा और यहां हर्ष मल्होत्रा करीब ढाई हजार वोटों से पिछड़ गए।

कुलदीप को सबसे बड़ा सहारा मुस्लिम आबादी बहुल ओखला विधानसभा ने दिया, जहां से उन्हें बंपर वोट मिले। इसमें कांग्रेस से गठबंधन ने भी अहम भूमिका निभाई। ओखला में पड़े 1,97,904 वोटों में से अकेले कुलदीप को 1,33,989 वोट मिले, वहीं हर्ष मल्होत्रा को केवल 60,171 वोटों से संतोष करना पड़ा। यहां कुलदीप ने करीब 74 हजार वोटों की बढ़त हासिल की थी, लेकिन अन्य विधानसभाओं में कमजोर परफॉर्मेंस के चलते उन्हें 93,663 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, इसके बावजूद वह इंडिया गठबंधन के सबसे मजबूत प्रत्याशी साबित हुए। हार-जीत का मार्जिन केवल 6.85% रहा।

**ईस्ट दिल्ली**

| विधानसभा क्षेत्र | आम आदमी पार्टी | बीजेपी |
|---|---|---|
| ओखला | 1,33,989 (67.70%) | 60,171 (30.40%) |
| जंगपुरा | 40,803 (50.28%) | 38,312 (47.21%) |
| त्रिलोकपुरी | 55,244 (45.57%) | 62,731 (51.75%) |
| कोंडली | 57,985 (47.53%) | 59,551 (48.81%) |
| पटपड़गंज | 49,845 (37.82%) | 79,044 (59.97%) |
| लक्ष्मी नगर | 46,127 (37.04%) | 76,087 (61.11%) |
| विश्वास नगर | 39,102 (32.07%) | 80,016 (65.63%) |
| कृष्णा नगर | 54,215 (38.82%) | 83,176 (59.56%) |
| गांधी नगर | 43,843 (43.40%) | 55,381 (54.82%) |
| शाहदरा | 49,341 (40.85%) | 68,951 (57.08%) |

## 10 में से 4 विधानसभा में ही तिवारी से आगे रहे कन्हैया

Rajesh.Saroha@timesgroup.com

नॉर्थ ईस्ट

**नॉर्थ ईस्ट** दिल्ली लोकसभा सीट पर बीजेपी के मनोज तिवारी को जीत की हैटट्रिक से रोकने के लिए मैदान में उतरे कांग्रेस के कन्हैया कुमार सिर्फ चार विधानसभा क्षेत्रों में ही वोटों के मामले में तिवारी से बढ़त हासिल कर सके। लेकिन ये बढ़त इतनी नहीं थी कि वे तिवारी को मात दे सकते। दूसरी ओर तिवारी ने छह विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त हासिल की। इनमें से चार क्षेत्रों में बढ़त इतनी अधिक थी कि तिवारी की राह आसान हो गई। काउंटिंग के आंकड़ों से ये भी साफ है कि तिवारी अपने परंपरागत इलाकों में पकड़ कायम रखने में कामयाब रहे हैं।

कन्हैया कुमार के लिए संतोष की बात इतनी ही है कि वे दिल्ली में कांग्रेस और आप के उम्मीदवारों में से अकेले हैं, जिसने चार विधानसभा क्षेत्रों में बीजेपी से बढ़त हासिल की। इस चुनाव में खास बात ये रही कि कन्हैया कुमार ने तिवारी को बुराड़ी जैसी सीट पर उतनी बढ़त नहीं लेने दी, जितनी 2019 में तिवारी को मिली थी। उस वक्त तिवारी को एक लाख वोटों की बढ़त मिली थी, लेकिन इस बार ये कम होकर 70 हजार रह गई। बुराड़ी विधानसभा ही ऐसी है, जिसमें तिवारी को सबसे अधिक बढ़त मिली। इसके अलावा घोंडा में भी तिवारी ने कन्हैया कुमार को 58 हजार और रोहतास नगर में 41 हजार से अधिक मतों से मात दी। उधर कन्हैया कुमार को सबसे अधिक बढ़त सीलमपुर विधानसभा क्षेत्र में मिली। इस सीट पर 88 हजार से अधिक वोट कन्हैया को मिले जबकि तिवारी को महज 37 हजार वोटों से संतोष करना पड़ा।

इसी सीट पर कन्हैया को 51 हजार वोटों से बढ़त मिली। इसके अलावा मुस्तफाबाद से भी कांग्रेस उम्मीदवार 25 हजार वोटों से आगे रहे। कन्हैया कुमार की हार की बड़ी वजह ये रही कि मुस्लिम बहुल क्षेत्रों को छोड़कर कांग्रेस बाकी छह क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत नहीं कर सकी। दस विधानसभा क्षेत्रों से ये भी संकेत मिल रहे हैं कि इस संसदीय क्षेत्र में विधानसभा चुनाव में जहां बीजेपी ने जीत हासिल की थी, वहां अभी भी उसका दबदबा बना हुआ है जबकि जिन क्षेत्रों में आप के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी, वहां लोकसभा चुनाव में वोट गठबंधन उम्मीदवार की बजाए बीजेपी की ओर गया।

**नॉर्थ ईस्ट सीट**

| विधानसभा क्षेत्र | बीजेपी प्रत्याशी | कांग्रेस प्रत्याशी |
|---|---|---|
| बुराड़ी | 146951(63.40%) | 76735 (33.11%) |
| तिमारपुर | 63429 (54.46%) | 49860 (42.81%) |
| सीमापुरी | 61017 (46.33%) | 66604 (50.57%) |
| रोहतास नगर | 88287 (63.78%) | 46416 (33.53%) |
| घोंडा | 95348 (70.38%) | 37083 (27.37%) |
| सीलमपुर | 37697 (29.35%) | 88708 (69.07%) |
| बाबरपुर | 59132 (43.35%) | 75047 (55.02%) |
| गोकलपुर | 80757 (51.16%) | 70159 (44.44%) |
| मुस्तफाबाद | 78502 (42.11%) | 103,689 (55.63%) |
| करावल नगर | 110447 (59.48) | 70200 (37.80%) |

## बांसुरी जीतीं लेकिन पार्टी का वोट शेयर घट गया

Rahul.Anand@timesgroup.com

नई दिल्ली

■ **नई दिल्ली :** मालवीय नगर विधानसभा से तीन बार के विधायक सोमनाथ भारती ने नई दिल्ली सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा, लेकिन बीजेपी की बांसुरी स्वराज से हार गए। पहली बार चुनाव लड़ रहीं बांसुरी ने मालवीय नगर विधानसभा सीट पर भी उन्हें मात दी। मतगणना के आंकड़े बता रहे हैं कि कुल 10 विधानसभा में से 7 पर बांसुरी आगे रहीं और सोमनाथ केवल तीन पर ही बांसुरी को पछाड़ पाए, जिसमें एक अरविंद केजरीवाल की विधानसभा सीट, दूसरी दिल्ली कैंट और तीसरी आरके पुरम शामिल है।

आंकड़ों के गणित में मालवीय नगर में बांसुरी को 43,623 वोट मिले, जबकि सोमनाथ को 39,700 वोट मिले और बीजेपी को यहां से 3,923 वोटों की लीड़ मिली। वहीं, बीजेपी का गढ़ माने जाने वाले मोती नगर में बांसुरी को सबसे बड़ी बढ़त 19,389 वोटों की मिली। यहां बीजेपी को 59,648 वोट मिले तो आप के हिस्से में 40,259 वोट आए।

जहां तक सोमनाथ भारती के हिस्से में आई तीन विधानसभा की बढ़त की बात है तो नई दिल्ली विधानसभा सीट से उन्हें 29,257 वोट मिले, जबकि बांसुरी को 26,995 वोट मिले। यहां पर सोमनाथ को 2,262 की बढ़त मिली थी। यहां बड़ा सवाल यह उठता है कि आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन के बाद भी जीत में उनके हिस्से में क्यों नहीं आई। पिछले दो लोकसभा चुनाव में भले दोनों पार्टी अलग-अलग लड़ी थी, लेकिन उनका वोट प्रतिशत मिलाकर 2014 में 48.70 रहा था, जबकि बीजेपी के हिस्से में 46.72 प्रतिशत ही था।

यहां से बीजेपी को इस बार कुल 54.77 प्रतिशत वोट मिले, जो पिछले चुनाव की तुलना में 8.05 प्रतिशत का बड़ा इजाफा रहा। 2024 के चुनावी रिजल्ट का गणित कई खुलासे कर रहा है। इस चुनाव में जब दोनों साथ मिलकर लड़े तो भी वोट शेयर 44.23 पर्सेंट ही रहा। सिर्फ एक प्रतिशत का ही इजाफा हुआ। इस आंकड़े से इतना कहा जा सकता है गठबंधन का असर रहा और और दोनों पार्टियों के वोटरों ने वोट भी किए। क्योंकि इस चुनाव में बांसुरी को 53.48 प्रतिशत वोट मिले, जो पिछले साल से लगभग एक परसेंट कम है।

**नई दिल्ली**

| विधानसभा क्षेत्र | बीजेपी प्रत्याशी | आप प्रत्याशी |
|---|---|---|
| मालवीय नगर | 43623 (51.71%) | 39700 (47.06) |
| मोती नगर | 59648 (58.53%) | 40259 (39.50% |
| राजेंद्र नगर | 48179 (53.93%) | 39777 (44..52%) |
| कस्तुरबा नगर | 48610 (60.60%) | 30389 (37.88%) |
| ग्रेटर कैलाश | 59673 (58.19%) | 41524 (40.49%) |
| करोलबाग | 52565 (52.72%) | 45416 (45.55%) |
| पटेलनगर | 58092 (51.77%) | 51534 (45.93%) |
| आरके पुरम | 35053 (48.38%) | 35965 (49.64%) |
| दिल्ली कैंट | 19029 (47.33%) | 20211 (50.30%) |
| नई दिल्ली | 26995 (47.16%) | 29257 (51.11%) |

## कड़ी टक्कर, परंपरागत वोट बैंक से चमके प्रवीण

Sudama.Yadav@timesgroup.com

चांदनी चौक

■ **दिल्ली की** सातों सीटों में सबसे कड़ा मुकाबला चांदनी चौक सीट पर था। एक तरफ चांदनी चौक सीट से ही कई बार सांसद रहे जयप्रकाश अग्रवाल, तो दूसरी बीजेपी की टिकट पर व्यापारी नेता प्रवीण खंडेलवाल थे। मुकाबला कड़ा होने के बाद भी बीजेपी का जिन विधानसभाओं में परंपरागत वोट बैंक है, उन इलाकों में से मिले वोट ने खंडेलवाल की जीत सुनिश्चित कर दी। बल्लीमारान, मटिया महल और चांदनी चौक विधानसभा में जयप्रकाश अग्रवाल को इतने अधिक वोट मिले थे कि बीजेपी प्रत्याशी उसके आसपास भी नहीं थे। मटिया महल विधानसभा में अग्रवाल को जितने वोट पड़े थे, उसका 77.2 प्रतिशत, बल्लीमारान में 64 प्रतिशत और चांदनी चौक में करीब 60 प्रतिशत वोट मिले थे।

बल्लीमारान, चांदनी चौक और मटिया महल में कांग्रेस के जयप्रकाश अग्रवाल जो बढ़त मिली थी, बीजेपी ने उसकी भरपाई अपने परंपरागत वोट बैंक वाले इलाके शालीमार बाग, मॉडल टाउन और शकूर बस्ती से कर ली थी। बीजेपी का जिन इलाकों में परंपरागत वोट बैंक है, उन इलाकों में अधिक वोटिंग और अधिक मार्जिन के चलते कांग्रेस प्रत्याशी इस मुकाबले में पिछड़ गए। 10 विधानसभाओं में से 7 विधानसभाओं में बीजेपी को अधिक वोट मिले हैं। शालीमार बाग, शकूर बस्ती, त्रिनगर और मॉडल टाउन में प्रवीण खंडेलवाल 60 प्रतिशत से अधिक वोट मिले हैं। इन इलाकों में जयप्रकाश अग्रवाल 30 से 32 प्रतिशत वोट ही बटोर पाए। सदर बाजार में मुकाबला दोनों प्रत्याशियों में कड़ा रहा। इस विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी को कुल वोटों का 50,078 और बीजेपी प्रत्याशी प्रवीण खंडेलवाल को 60,455 वोट मिले थे और वोटों का अंतर सिर्फ 10,377 ही था। बीजेपी के अपने परंपराग वोट बैंक वाले विधानसभाओं में सबसे अधिक वोटों का अंतर शालीमार बाग विधानसभा में रहा।

**चांदनी चौक**

| विधानसभा | कांग्रेस प्रत्याशी | बीजेपी प्रत्याशी |
|---|---|---|
| 1. बल्लीमरान | 62,330 (64.08%) | 33,436 (34.37%) |
| 2. मटिया महल | 65,912 (77.29%) | 18,299 (21.45%) |
| 3. चांदनी चौक | 45,512 (59.93%) | 27,134 (38.25%) |
| 4. सदर बाजार | 50,078 (44.09%) | 60455 (53.23%) |
| 5. आदर्श नगर | 32,511 (34.92%) | 58,240 (62.56%) |
| 6. शालीमार बाग | 33,903 (31.08%) | 72,134 (66.14%) |
| 7. शकूरबस्ती | 29,934 (31.37%) | 63,264 (66.31%) |
| 8. त्रिनगर | 39,080 (36.72%) | 64,991 (61.07%) |
| 9. वजीरपुर | 37,960 (37.61%) | 59,895 (59.35%) |
| 10. मॉडल टाउन | 32,322 (35.13%) | 57,110 (62.08%) |

## 9 विधायक उदित राज को नहीं दिला सके वोट

■ राजेश पोद्दार, नई दिल्ली

नॉर्थ वेस्ट

**नॉर्थ-वेस्ट** लोकसभा सीट पर इंडिया गठबंधन की तरफ से कांग्रेस प्रत्याशी उदित राज 10 विधानसभा क्षेत्र में से सिर्फ एक पर बढ़त बना पाए। उदित राज को यह उम्मीद थी कि उन्हें 2014 में मिले वोटों के आधार पर एक बार फिर इस सीट पर संसद की दावेदारी मिलेगी। लोकसभा सीट पर 10 में से 9 विधायक आम आदमी पार्टी के हैं।

इंडिया गठबंधन के तहत चुनावी मुकाबले में थे, लेकिन सिर्फ एक सीट पर बीजेपी के विधायक थे, लेकिन अन्य नौ विधानसभा क्षेत्रों में भी जबरदस्त परफॉर्मेंस दिखाते हुए बड़ी जीत दर्ज की। यही कारण रहा कि बीजेपी इस सीट पर सांसद उम्मीदवार का चेहरा बदलने के बावजूद योगेंद्र चंदोलिया 2,90,000 से अधिक वोटों से जीतने में कामयाब रही।

चुनाव आयोग से मिले आंकड़ों के मुताबिक सुल्तानपुर माजरा सुरक्षित विधानसभा सीट पर उदित राज को 54957 वोट मिले, तो वहीं योगेंद्र चंदोलिया को महज 46,775 वोट मिले। इसके अलावा नांगलोई की बात करें या फिर मंगोलपुरी और बवाना की वहां उदित राज वोट बटोरने में कामयाब नहीं रहे और बीजेपी उम्मीदवार योगेंद्र चंदोलिया लगातार इन क्षेत्रों में अपनी बढ़त बनाकर रखी। रोहिणी, रिठाला, मुंडका, नरेला विधानसभा क्षेत्र में उदित राज के मुकाबले योगेंद्र चंदोलिया को 50% तक की बढ़ोतरी मिली।

आंकड़े के अनुसार रिठाला में योगेंद्र चंदोलिया को 1 लाख 84 हजार वोट मिले, तो वहीं उदित राज को महज 55324। कांग्रेस को हर विधानसभा क्षेत्र में एक बड़े मार्जिन से मिली हार के बाद लोगों का कहना है कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता और संगठन महत्वपूर्ण भूमिका इस चुनाव में नहीं निभा पाए, जिसकी वह दावेदारी कर रहे थे। हालांकि कुछ लोगों का यह भी कहना है कि इस विधानसभा क्षेत्र में आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल की कोई भी बड़ी जनसभा या रैली का न होना भी चुनावी फैक्टर को एक अहम मोड़ तक ले गया।

**नॉर्थ-वेस्ट**

| विधानसभा | बीजेपी प्रत्याशी | कांग्रेस प्रत्याशी |
|---|---|---|
| नरेला | 90136 (56.42%) | 64170 (40.17%) |
| बादली | 75623 (57.18%) | 52704 (39.85%) |
| रिठाला | 110084 (64.79%) | 55324 (32.56%) |
| बवाना | 117586 (56.78%) | 82896 (40.03%) |
| मुंडका | 95515 (57.14%) | 66781 (39.95%) |
| किराड़ी | 103799 (58%) | 68994 (38.55%) |
| सुल्तानपुर माजरा | 46,775 (44.50%) | 54957 (52.29%) |
| नांगलोई | 85913 (61.52%) | 49544 (35.47%) |
| मंगोलपुरी | 62374 (53.81%) | 50053 (43.18%) |
| रोहिणी | 75450 (70.53%) | 29028 (27.13%) |

# लोकसभा में हैटट्रिक लगाने के बाद विधानसभा में सेंध लगाने की तैयारी

Sudama.Yadav@timesgroup.com

Rajesh Mehta

बुधवार को दिल्ली बीजेपी ने दिल्ली की सातों सीटों पर जीत दर्ज करने वाले सांसदों के स्वागत में प्रदेश कार्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया

■ **नई दिल्ली:** 26 बरसों से दिल्ली की सत्ता से दूर बीजेपी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए एड़ी-चोटी का दम लगा रही है। लोकसभा चुनाव खत्म होते ही बीजेपी ने विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए रणनीति बनाने पर काम शुरू कर दिया है। लोगों को यह भरोसा दिलाने की रणनीति पर काम किया जा रहा है कि सत्ता में आने पर आम आदमी पार्टी उन्हें जो सुविधाएं दे रही है, बीजेपी उससे बेहतर सुविधाएं देगी। यानी यह साफ है कि दिल्लीवालों के लिए फ्री बिजली और पानी की सुविधा जारी रहेगी।

बुधवार को दिल्ली बीजेपी ने दिल्ली की सातों सीटों पर जीत दर्ज करने वाले सांसदों के स्वागत में प्रदेश कार्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजित किया। दिल्ली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सांसदों का स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बीजेपी अगले साल दिल्ली में होने वाले विधानसभा की तैयारियां शुरू कर दी है। अलग-अलग रणनीतियों पर काम किया जा रहा है। चुनाव में आम आदमी पार्टी से ही बीजेपी का टक्कर रहेगा। लेकिन, आम आदमी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन जारी रहता है, तो उसके लिए भी बीजेपी रणनीति बनाएगी और दोनों पार्टियों का एक साथ मुकाबला करने के लिए तैयार है। रणनीति के तहत पहला काम तो यह किया जाएगा कि दिल्ली के लोगों को इस बात से अवगत कराया जाएगा कि दिल्ली सरकार का कौन-कौन-सा काम है। दिल्ली सरकार ने अबतक उनमें से क्या -क्या किया है। किन कामों में भ्रष्टाचार किया गया और उसका परिणाम क्या निकला।

### तैयारियां हुईं शुरू

- बीजेपी ने विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए रणनीति बनाने पर काम शुरू किया
- पार्टी का कहना है कि सत्ता में आने के बाद फ्री बिजली-पानी की सुविधा जारी रहेगी

### लोगों को मिलती रहेगी फ्री बिजली-पानी सुविधा

प्रदेश अध्यक्ष सचदेवा ने कहा कि बीजेपी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव जीतती है, तो आम आदमी पार्टी लोगों को सुविधाएं दे रही है, उससे कहीं बेहतर सुविधाएं देंगी। बीजेपी का संकेत आम आदमी पार्टी के फ्री बिजली और पानी सुविधा की ओर है। इसके साथ ही बीजेपी दिल्ली में केंद्र सरकार के सोलर पावर स्कीम को भी लागू करेगी, जिसमें कुछ धनराशि खर्च कर मुफ्त बिजली का फायदा उठाया जा सके। केंद्र सरकार के सोलर पावर स्कीम के तहत 6 किलोवॉट क्षमता के रूफटॉप सोलर पावर प्लांट लगाने पर हर महीने करीब उससे 300 यूनिट बिजली उत्पादन किया जा सकता है। 6 किलोवॉट क्षमता के रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने पर लोगों को अपनी जेब से 3.75 लाख रुपये देना होता है, जिसमें 78 हजार रुपये सरकार छूट भी देती है।

## अपने पैटर्न पर कायम रही दिल्ली, इसलिए नहीं मिली कोई सीट: आप

पार्टी दफ्तर में चुनाव नतीजों की समीक्षा बैठक हुई

■ **विस, नई दिल्ली:** आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव और राज्यसभा सांसद डॉ. संदीप पाठक का मानना है कि लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी और इंडिया गठबंधन का दिल्ली में खाता इसलिए नहीं खुल पाया, क्योंकि दिल्ली का वोटर अपने सेट पैटर्न पर कायम रहा। हालांकि, बीजेपी उम्मीदवारों के जीत का मार्जिन कम होने को उन्होंने एक अच्छा संकेत बताया।

**लोकसभा में BJP, विधानसभा में AAP को मिलता है वोट**

बुधवार को पार्टी दफ्तर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में संदीप पाठक ने AAP और इंडिया गठबंधन के संदर्भ में चुनाव के नतीजों की समीक्षा करते हुए कहा कि जहां तक दिल्ली का सवाल है, तो दिल्ली का एक सेट पैटर्न है। यहां जनता लोकसभा में बीजेपी को और विधानसभा में AAP को वोट देती है। इस बार भी दिल्ली अपने उसी पैटर्न पर कायम रही, लेकिन बीजेपी की जीत का मार्जिन इस बार बहुत कम रहा। इससे स्पष्ट है कि दिल्ली की जनता भी उन्हें बदलने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि हमारा सारा नैरेटिव इंडिया अलायंस को सपोर्ट करने का था। निश्चित रूप से हमने अपना गोल और एजेंडा ऊंचा रखा, लेकिन जिन कठिन परिस्थितियों में हमने लोकसभा चुनाव लड़ा, उन्हें ध्यान में रखते हुए आपको मानना पड़ेगा कि आज चाहे जो नंबर हो, लेकिन कल चीजें बदलेंगी।

## मिलकर चुनाव लड़ा, वोट शेयर भी बढ़ा, लेकिन नहीं खुला खाता

Prashant.Soni@timesgroup.com

File Photo

कांग्रेस के साथ आम आदमी पार्टी का है गठबंधन

■ **नई दिल्ली:** आम आदमी पार्टी ने इस बार कांग्रेस के साथ मिलकर दिल्ली का लोकसभा चुनाव लड़ा था। कांग्रेस के 3 और आप के 4 सीटों पर चुनाव लड़ने का आम आदमी पार्टी को फायदा भी मिला और 2019 के मुकाबले इस बार उसके वोट शेयर में 6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। वहीं, कांग्रेस का वोट शेयर करीब साढ़े 4 फीसदी कम हुआ, लेकिन इसके बावजूद आम आदमी पार्टी दिल्ली में अपना खाता खोलने में कामयाब नहीं हो पाई। इसके पीछे एक तरफ जहां दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं के बीच ग्राउंड लेवल पर आपसी तालमेल के अभाव और भरोसे की कमी को एक बड़ा कारण माना जा रहा है, वहीं लोकल मुद्दे भी कहीं न कहीं ज्यादा हावी रहे। खासकर भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बीजेपी का नैरेटिव तानाशाही और लोकतंत्र व संविधान को खतरे के इंडिया गठबंधन के नैरेटिव पर भारी पड़ा।

हालांकि, गठबंधन की वजह से 'आप' के उम्मीदवारों ने इस बार बीजेपी को अच्छी टक्कर जरूर दी। खासकर पूर्वी दिल्ली में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कुलदीप कुमार 45% से ज्यादा वोट हासिल करने में कामयाब रहे, लेकिन इसके बावजूद जीत उनके हाथों से फिसल गई, जबकि उनकी हार और बीजेपी उम्मीदवार हर्ष मल्होत्रा की जीत में केवल 6.85% का अंतर रहा था। ओवरऑल वोट पर्सेंटेज भी देखें, तो आम आदमी पार्टी या कांग्रेस को वोटों का कोई ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। पिछली बार अलग-अलग चुनाव लड़ने पर मिले वोट और इस बार मिलकर चुनाव लड़ने पर मिले वोटों के पर्सेंटेज को मिलाकर देखें, तो गठबंधन को 3 फीसदी वोट ज्यादा ही मिला, जबकि बीजेपी का ढाई फीसदी वोट कम हुआ, लेकिन इसके बावजूद दोनों पार्टियां खाता नहीं खोल पाईं। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल इंडिया गठबंधन के चुनावी कैंपेन को लीड कर रहे थे। अंतरिम जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए भी कैंपेनिंग की, लेकिन बीजेपी लगातार भ्रष्टाचार के मुद्दे को केंद्र में रखकर एग्रेसिव कैंपेनिंग करती रही। खासकर शराब नीति और सीएम आवास पर हुए खर्च को लेकर बीजेपी ने आम आदमी पार्टी और इंडिया गठबंधन पर हमले जारी रखे। शराब नीति मामले में कांग्रेस के कुछ नेताओं के गठबंधन से पहले सीएम के खिलाफ दिए गए बयानों की वजह से भी लोगों का गठबंधन पर भरोसा कायम नहीं हो पाया। कैंडिडेट्स के चयन में भी किसी ठोस रणनीति का अभाव नजर आया। केजरीवाल लगातार दिल्ली सरकार के कामकाज को भी केंद्र में रखकर वोट मांग रहे थे, लेकिन दिल्ली में चुनावों के वक्त बिजली-पानी का संकट, सड़क-सीवर की बदहाली, बुजुर्गों की पेंशन मिलने में देरी जैसी समस्याएं वोटरों पर हावी दिखी। ऐन चुनाव के समय सीएम आवास पर दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के साथ हुई बदसलूकी की घटना ने भी खासा नुकसान पहुंचाया।

**ग्राउंड लेवल पर तालमेल के अभाव और भरोसे की कमी का दिखा असर**

**बीजेपी के भ्रष्टाचार और लोकल मुद्दे इंडिया गठबंधन के नैरेटिव पर भारी पड़ा**

# केजरीवाल को नहीं मिली अंतरिम ज़मानत

## नियमित ज़मानत याचिका पर ट्रायल कोर्ट 7 जून को सुनवाई करेगी

■ **विशेष संवाददाता, नई दिल्ली**

File Photo

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए 2 जून की शाम को कर दिया था सरेंडर

**दिल्ली के** मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर जेल से बाहर आने की उम्मीद को उस वक्त झटका लगा, जब दिल्ली की एक अदालत(राउज एवेन्यू कोर्ट) ने बुधवार को शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फौरी राहत के लिए दाखिल उनके आवेदन को ठुकरा दिया।

स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने जेल अधिकारियों को निर्देश दिया कि वह न्यायिक हिरासत के तहत जेल में बंद आप के राष्ट्रीय संयोजक की मेडिकल जरूरतों का पूरा ख्याल रखें। अदालत ने AAP प्रमुख की मेडिकल जांचों के संबंध में कुछ और निर्देश भी जारी किए हैं। मुख्यमंत्री ने अब रद्द हो चुकी आबकारी नीति मामले में 7 दिनों की अंतरिम जमानत मांगी थी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए 2 जून को जेल अधिकारियों के सामने सरेंडर कर दिया था। आदेश सुनाए जाने के बाद केजरीवाल के वकील विवेक जैन ने अदालत को बताया कि सीएम के स्वास्थ्य को लेकर कुछ समस्याएं हैं। जैन ने कहा कि 2 जून को, जब उन्होंने सरेंडर किया, तो उनका वजन मापने के लिए तिहाड़ जेल में तीन अलग-अलग मशीनों का इस्तेमाल किया गया और उन्होंने तीन अलग-अलग रीडिंग दिखाईं। अदालत ने सुझाव दिया कि अगर इस बात को लेकर कोई चिंता है तो वह आवेदन दे सकते हैं और उस पर विचार किया जाएगा।

**अब नियमित ज़मानत के लिए ज़ोर लगाएंगे दिल्ली के मुख्यमंत्री**

केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को इस आरोप में गिरफ्तार किया था कि वह कुछ शराब विक्रेताओं को लाभ पहुंचाने के लिए 2021-22 के लिए दिल्ली आबकारी नीति में जानबूझकर कमियां छोड़ने की साजिश का हिस्सा थे। ईडी ने आरोप लगाया है कि शराब विक्रेताओं से मिले रिश्वत के पैसों का इस्तेमाल गोवा में आप के चुनावी अभियान की फंडिंग के लिए किया गया था। दावा किया कि पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक होने के नाते केजरीवाल मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध के लिए व्यक्तिगत और अप्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी हैं।

इसी मामले में गिरफ्तार किए गए अन्य आप नेताओं में दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और सांसद संजय सिंह (जमानत पर बाहर) शामिल हैं। केजरीवाल 10 मई तक जेल में रहे, जब तक सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत पर उनकी रिहाई की अनुमति दी । अंतरिम जमानत की अवधि पूरी होने के बाद केजरीवाल 2 जून को जेल लौट आए। उनकी नियमित जमानत याचिका पर ट्रायल कोर्ट 7 जून को सुनवाई करेगी। इसी के साथ केजरीवाल ने मेडिकल आधार पर अंतरिम जमानत के लिए मौजूदा याचिका दायर की और तर्क दिया कि उन्हें अपने शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव और खून में हाई कीटोन के लिए कुछ जांचें करानी हैं। दलील दी गई कि केजरीवाल का वजन कम हो गया है और उनके टेस्ट में कुछ दिन लगेंगे।

ईडी ने याचिका का विरोध किया और कहा कि वह अंतरिम जमानत पाने के लिए झूठ बोल रहे हैं। दलील दी कि ट्रायल कोर्ट के पास सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अंतरिम जमानत को बढ़ाने की पावर नहीं है।

## विधानसभा चुनाव में नई भूमिका में होंगे सभी सातों सांसद: सचदेवा

■ **प्रस, नई दिल्ली:** दिल्ली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने बुधवार को सभी सात सीटों से निर्वाचित सांसदों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि सभी सांसदों को लोकल मुद्दों का काफी अनुभव है। इनमें से 6 ऐसे सांसद हैं, जिन्होंने अपने राजनीतिक सफर में तमाम तरह के मुद्दों का ग्राउंड स्तर पर सामना किया है। इनके अनुभव से अगले साल होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव आसान हो जाएंगे। उनकी जीत पर प्रदेश कार्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें सातों सांसदों के अलावा प्रदेश प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर और मीडिया रिलेशन प्रमुख विक्रम मित्तल भी मौजूद रहे।

**कहा, सभी सांसदों को लोकल मुद्दों का है काफी अनुभव**

सचदेवा ने कहा कि 1952 से लेकर 2024 के बीच यह पहला ऐसा मौका है कि किसी पार्टी ने लगातार तीसरी बार सातों सीटें जीती हैं। गठबंधन के बाद भी आप और कांग्रेस बुरी तरह से हारी हैं। 55 विधानसभाओं में बीजेपी प्रत्याशियों बड़े अंतर से जीत दर्ज किए हैं। यह ऐसा चुनाव था कि आप के जो विधायक इस चुनाव में खड़े थे, उन्हें बीजेपी प्रत्याशियों ने उनके विधानसभाओं में भी हरा दिया। पूर्वी दिल्ली में कोंडली विधानसभा के विधायक कुलदीप कुमार, मालवीय नगर से विधायक सोमनाथ भारती भी अपने विधानसभा में हार गए हैं। दिल्ली में जीते बीजेपी सांसद, सांसद नहीं बल्कि जनता के सेवक हैं।

सिंधु केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लद्दाख
(संसद के एक अधिनियम द्वारा एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र (भारत)

प्रवेश सूचना 2024-25
(स्नातकोत्तर कार्यक्रम)

विज्ञापन सं. 2024–25/03 तिथि: 05.06.2024

शैक्षणिक सत्र 2024–25 के लिए सिंधु केन्द्रीय विश्वविद्यालय में निम्नलिखित स्नातकोत्तर (पूर्णकालिक 2 वर्ष की अवधि) में दूसरे बैच के प्रवेश के लिए पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। बैच के पहले वर्ष की कक्षाएं आईआईटी मद्रास और आईआईटी कानपुर परिसरों में आयोजित की जाएंगी, उचित समय पर खालत्सी, लेह में एससीयू के अस्थायी परिसर में भी कक्षाएं आयोजित की जा सकती हैं।

कार्यक्रम:
(क) मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.टेक.) – वायुमंडलीय और जलवायु विज्ञान
(ख) मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.टेक.) – ऊर्जा प्रौद्योगिकी और नीति
(ग) मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए.) – सार्वजनिक नीति

ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10.06.2024 तक बढ़ा दी गई है

इच्छुक आवेदक पात्रता मानदंड, शिक्षा योग्यता आदि का विवरण प्राप्त कर सकते हैं और www.sindhucu.ac.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

• वर्ष 2024–25 के लिए कोई आवेदन शुल्क नहीं।

प्रवेश और कार्यक्रम विवरण पर प्रश्नों के लिए ई–मेल के माध्यम से अनुरोध किया जा सकता है: ई–मेल: sindhucupm@edcil.co.in

GLA UNIVERSITY
MATHURA
Recognised by UGC Under Section 2(f)
Accredited with A+ Grade by NAAC
12-B Status from UGC
26 Years
EDUCATIONAL EXCELLENCE

Where we promise
GREAT
LEARNING
ASSURANCE

No. 1 NAAC A+
3.46 HIGHEST SCORE IN INDIA
AMONG ALL NAAC A+ STATE PRIVATE UNIVERSITIES

MINISTRY OF EDUCATION nirf NATIONAL INSTITUTIONAL RANKING FRAMEWORK
TOP 50 IN INDIA INNOVATION
RANK 54 IN INDIA PHARMACY

THE WORLD UNIVERSITY RANKINGS
Global Rank Band 1001-1200
Asia Rank Band 401-500
All India Rank 44
Research (World) Rank 691

WHY STUDY @GLA UNIVERSITY
- 700+ Top Faculty from Places like IITs and IIMs
- 157 state-of-the-art labs for experiential education
- 14 Research Centres for research-intensive education
- 7500+ Articles Published in renowned National & International Journals
- 60+ Patents Granted
- 20-Acre Sports Area for Indoor & Outdoor Sports
- 19 Seperate Hostels for Boys & Girls equipped with modern facilities
- 86% Placement in the Last 5 years
- 150+ Global Academic Tie-ups across the World
- 55 LPA Highest Package
- 600+ Patent Publications by Faculty & Students

COURSES OFFERED
B.Tech | M.Tech | D.Pharm | B.Pharm | M.Pharm | Pharm. D*
BBA | MBA | BCA | MCA | B.A. English | B.A. Economics | B.Com.
B.Sc. | M.Sc. | B.A. LLB | B.Com. LLB | BBA LLB | LLM | B.Sc. (Agri)
M.Sc. (Agri) | M.Sc. Bioinformatics | B.Ed. | Library Science: DLISc, BLISc, MLISc | Ph.D. | Diploma in Engg.
*PCI Approval Under Process

Admission Procedure
Offered on the basis of online entrance test-GLAET-2024
Admission Procedure
• For eligibility, fee structure, scholarships, registration, choosing preferred date & time and test centre, please visit www.gla.ac.in
• There is a relaxation of 5% in eligibility criteria for SC/ST candidates.

GLAdiators work at
amazon facebook Google Microsoft Nestlé TATA Reliance Industries Limited adidas HSBC HITACHI Inspire the Next Walmart 3M CISCO Bank of America
and many more....

THE POWER OF KNOWLEDGE
intel. CIMA Safeducate NEC

GLAET
APPLY ONLINE
www.gla.ac.in

ATTRACTIVE SCHOLARSHIPS FOR MERITORIOUS STUDENTS

OUR STAR RECRUITERS
NJUMA CONSULTING 55 LPA
amazon 44 LPA
CYBERWISSEN Committed to Excellent 36 LPA
amazon 32 LPA
TEKION 28 LPA
zscaler 23 LPA
V2U 19.8 LPA
OPUS STUDIO 17 LPA
SILICON LABS 16.8 LPA
DataInsights 15 LPA
PHILIPS 14.5 LPA
beaconstac 13 LPA

PAVING YOUR WAY TO DREAM CAREERS
VIDHAN SHARMA 55 LPA NJUMA CONSULTING
KUSHAGRA GANGWAR 44 LPA amazon
LUCKY THANDEL 36 LPA CYBERWISSEN
and many more....

SKILL UP WITH GLA ONLINE
• B.Com (UGC-Recognized) • BBA (UGC-Recognized) • BCA (UGC-Entitled) • MCA (UGC-Entitled) • MBA (UGC-Entitled)
- Live Classes Over the Weekend
- Exams through Virtual Proctoring
- Direct Learner Support Access
- Flexible Learning - Anytime, Anywhere
- Live & Interactive Lectures by Expert Faculty
- Advanced Learning Management System

Find details at: online.gla.ac.in

Noida Office: 15-A, IILM Road, Knowledge Park II, Greater Noida, U.P - 201310
Phone: +91-8287669720, +91-9811237787
Faridabad Office: Fa-14, First Floor, Crown Plaza Mall, Sector 15-A, Opposite Neelam Chowk Metro Station, Faridabad, Haryana | Phone: +91-7818873942
+91-9027068068 admission@gla.ac.in www.gla.ac.in

# मां के नाम लगाएं पेड़ : एलजी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एलजी वीके सक्सेना के साथ मिलकर पौधा लगाया

## 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत लगेंगे करोड़ों पेड़

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

**विश्व पर्यावरण** दिवस के अवसर पर दिल्ली के उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने सभी दिल्लीवासियों से अनुरोध किया है कि वे सभी अपनी मां के प्रति अपने स्नेह, श्रद्धा और समर्पण भाव को प्रदर्शित करते हुए उनके नाम से वृक्षारोपण करें और पर्यावरण संरक्षण में अपना बहुमूल्य योगदान दें। एलजी ने कहा कि इस अभियान में आपकी भागीदारी न सिर्फ आप सभी की माताओं के प्रति सम्मान का सूचक होगी, बल्कि हम सबकी धरती मां के संरक्षण और संवर्धन के साथ-साथ हमें एक सुरक्षित भविष्य भी प्रदान करेगी।

एलजी के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रत्येक भारतवासी से अपनी मां के सम्मान में या उनकी स्मृति में एक वृक्ष लगाने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत देशभर में करोड़ों वृक्ष लगाए जाएंगे। ये पेड़ लोग अपने घर पर, अपनी जमीन पर या अपने खेत में लगा सकते हैं। जिन लोगों के पास अपनी खुद की कोई जमीन नहीं है, उनके लिए सरकार यमुना किनारे और दिल्ली के स्थानों पर जगह उपलब्ध कराएगी। दिल्ली सरकार का वन विभाग भी लोगों को वृक्षारोपण के लिए निशुल्क पौधे उपलब्ध कराएगा। एलजी ने लोगों से अपनी मां के साथ या उनकी याद में पेड़ लगाते हुए तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करने की अपील भी की है।

## पर्यावरण मंत्री ने कहा, छतों पर लगाएं पौधे

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

**विश्व पर्यावरण** दिवस पर पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सिविल लाइंस में पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि हीट वेव से बचने के लिए लोग अपने घरों की छतों पर ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाएं। इससे हीट वेव कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ग्रीन कवर बढ़ाने के लिए लगातार वृक्षारोपण अभियान चला रही है। इसकी वजह से ग्रीन कवर बढ़कर 23.06 प्रतिशत हो गया है। ग्रीन कवर बढ़ाने के लिए दिल्ली सरकार ने पांच साल में दो करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा था, जिसे चार साल में ही हासिल कर लिया गया है।

**विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर गोपाल राय ने किया पौधारोपण**

उन्होंने कहा कि सरकार दिल्ली में प्रदूषण को कम करने के लिए विंटर और समर एक्शन प्लान बनाती है। इसके आधार पर सभी एजेंसी के साथ मिलकर काम किया जाता है। शहरों के प्रति व्यक्ति फॉरेस्ट कवर के मामले में दिल्ली पूरे देश में नंबर वन है। उन्होंने कहा कि अभी आचार संहिता लागू है। अगले हफ्ते सभी ग्रीनिंग एजेंसी के साथ मीटिंग कर पौधारोपण अभियान को तेज किया जाएगा। वृक्षारोपण और पेड़ों की सुरक्षा के अलावा शहर में सिटी फारेस्ट के निर्माण का कार्य भी करती आ रही है। इन सिटी फोरेस्ट को विकसित करने का मुख्य उद्देश्य दिल्ली के लोगों को ऐसा वातावरण देना हैं, जिसमें लोग प्रकृति का आनंद ले सकें और आने वाली पीढ़ी को भी प्रकृति के बारे में जागरूक कर सकें।

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि अब दिल्ली में पौधे लगाए जाने वाली जमीन कम होती जा रही है। इसलिए लोग प्रयास करें कि अपने घर की छतों को भी हरा भरा करें।

पर्यावरण मंत्री ने कहा, इससे दिल्ली में हीट वेव कम करने में मदद मिलेगी

# एल्मो और चमकी से सीखीं बच्चों ने अच्छी आदतें

■ विस/एनबीटी न्यूज, नई दिल्ली

**5 से 12** साल तक के बच्चों में पर्यावरण के लिहाज से अच्छी आदतें विकसित करने की कोशिश की जा रही है। मोबाइल पर बच्चों को एक्यूआई मीटर, उसके प्रभाव, तापमान देखना, तापमान के असर आदि के बारे में जानकारी दी जा रही है। यह जानकारी बच्चों को उनके प्यारे कार्टून दोस्त एल्मो और चमकी के साथ दी जाती है। यह मुहिम सेसमी वर्कशॉप इंडिया ट्रस्ट की ओर से आयोजित की गई। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर ट्रस्ट ने 'मेरा प्लैनेट मेरा घर' कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत 9500 से अधिक बच्चों के साथ किए गए सर्वे से हुई। ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी सोनाली खान ने बताया कि हम पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ व्यवहार अपनाने की चुनौती का सामना कर रहे हैं।

**द्वारका की सोसायटियों में हुए कार्यक्रम:** ग्रीन सर्कल के द्वारका चैप्टर ने सेक्टर-9 के कृष्णा अपार्टमेंट में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इस मौके पर बच्चों व इको वॉरियर के लिए कई गतिविधियां आयोजित की गई। लोगों ने पर्यावरण को बचाने और प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करने की शपथ ली। ग्रीन सर्कल की रोमिला गांधी ने बताया कि इस मौके पर सोसायटी में बच्चों ने कई पेड़ लगाए। वहीं सेक्टर-7 की श्याम वाटिका में सीनियर्स हब द्वारका ने 2021 में लगाए गए पौधों को पानी दिया। विकासपुरी में जॉइंट फोरम ऑफ आरडब्ल्यूए विकासपुरी व समस्त सहयोगी सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर डीडीए के साथ मिलकर पौधारोपण किया गया।

द्वारका की सोसायटियों में भी लोगों की तरफ से लगाए गए पौधे

- पर्यावरण दिवस के मौके पर हुए कई कार्यक्रम और वर्कशॉप
- इंडिया ट्रस्ट की तरफ से हुई सेसमी वर्कशॉप

वसुंधरा एनक्लेव स्थित लैय्या अपार्टमेंट में हुआ कार्यक्रम

इंडिया ट्रस्ट की ओर से सेसमी वर्कशॉप आयोजित की गई

***एलजी ने भी किया पौधारोपण*** *: एलजी वीके सक्सेना ने भी विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर नेहरू प्लेस के डीडीए पार्क आस्था कुंज में पौधारोपण किया। इस मौके पर करीब 100 पौधे लगाए गए। इस मौके पर डीडीए ने स्थानीय आरडब्ल्यूए, पार्क में आने वाले लोगों और स्टूडेंट्स के साथ मिलकर मेगा प्लांटेशन ड्राइव चलाई। वहीं दूसरी तरफ कमिशन फॉर एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) ने विवेक विहार के आर्वाचिन भारती भवन सीनियर सेकंडरी स्कूल के स्टूडेंट्स के साथ मिलकर विभिन्न ऑफिसों में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर अवेयरनेस ड्राइव चलाई।*

नेहरू प्लेस के डीडीए पार्क आस्था कुंज में पौधारोपण किया गया

**बच्चों ने दिया पर्यावरण की रक्षा का संदेश**

ईस्ट दिल्ली के वसुंधरा एनक्लेव स्थित लैय्या अपार्टमेंट के छोटे बच्चों ने अपार्टमेंट की गलियों और सड़कों की सफाई की। साढे तीन साल से लेकर 14 साल तक के बच्चों ने माली और पैरेंट्स की निगरानी में अपार्टमेंट के पार्क में पौधे भी लगाए। बच्चों ने एक दिन पहले शाम को पर्यावरण दिवस का बैनर भी खुद ही तैयार किया था। इस मौके पर डॉ. अदिति तंवर, ज्योति रावत और निधि समेत कई लोग मौजूद रहे।

## मेरी कॉलोनी : दिल्ली : मेरा शहर

# गणेश नगर : खुदाई से रोज़ाना बर्बाद हो रहा पीने का पानी

■ एनबीटी न्यूज, गणेश नगर

**मदर डेयरी** गणेश चौक से मधुबन चौक लाल बत्ती की ओर जाने वाली सड़क पर कई दिनों से पीने का पानी और उसके साथ गंदा पानी बह रहा है। पानी इतनी अधिक मात्रा में बह रहा है कि सड़क की बगल में छोटी नाली बन गई है। उस सड़क पर सीसीटीवी कैमरे की अंडरग्राउंड केबल लाइन बिछाने के लिए खुदाई का काम चल रहा था, जिसे पीडब्ल्यूडी ने रुकवा दिया है।

शकरपुर निवासी गणेश चौहान ने बताया कि लोगों के विरोध करने पर केबल बिछाने के लिए सड़क की खुदाई कर रहे ठेकेदार ने बताया कि उन्हें नहीं मालूम पानी कहां से आ रहा है। लोगों का मानना है कि लापरवाही से हुई खुदाई के कारण सड़क में एक बड़ा गड्ढा बन गया है। आशंका है कि वहां से जा रही जल बोर्ड की पाइपलाइन टूट गई है। उस जगह पर पानी की पाइपलाइन की मरम्मत एक साल पहले हुई थी। मगर कभी-कभी बहुत गंदा पानी भी सड़क टूटने से बने गड्ढे की तरफ से आ रहा है।

- मदर डेयरी गणेश चौक से मधुबन चौक लाल बत्ती की ओर जाने वाली सड़क पर बह रहा है गंदा पानी
- कोई भी एजेंसी ज़िम्मेदारी लेने को तैयार नहीं..., शिकायत के बाद भी नहीं हो रही सुनवाई

लोगों ने बताया कि इस बारे में जल बोर्ड से कई दिन पहले शिकायत की गई थी। बोर्ड अधिकारियों को याद दिलाने के बावजूद कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा है। इन हालातों में रोज सैकड़ों लीटर पानी सड़क पर बह रहा है। लोगों को अंडरग्राउंड सीवर लाइन या नाले के टूटने की भी आशंका है। मगर सीवर लाइन खुदाई वाली जगह से कुछ फीट दूरी पर है। PWD के अधिकारी कौशलेंद्र ने एनबीटी को बताया कि सड़क खुदाई वाली लाइन में कोई नाला नहीं है।

प्रभावित लोगों का आरोप है कि मौके पर पहुंचकर कोई भी एजेंसी जांच नहीं कर रही है। ऐसे में पता नहीं चल पा रहा है कि गंदा और मीठा पानी कहां से आ रहा है। एजेंसियों की सुस्ती का का खामियाजा पीने के पानी की बर्बादी के रूप में लोग भुगत रहे हैं। पानी सड़क तक आ जाने के कारण ट्रैफिक भी प्रभावित हो रहा है।

**NBT CITIZEN REPORTER आपकी आवाज**

**आपकी खबर से बदलेगा शहर**

वेबसाइट nbtcitizen.com पर जाकर लॉगिन करें। रजिस्ट्रेशन के बाद खबर, फोटो और विडियो अपलोड करें।

### पार्क के पेड़-पौधे सूखने लगे

**रोहिणी एक्सटेंशन** सेक्टर-20 के डिस्ट्रिक्ट पार्क की हालत काफी खराब है। सिंचाई नहीं होने से यहां के पेड़-पौधे सूखने लगे हैं। - **सिटिजन रिपोर्टर कुलदीप गौतम**

# मैदानगढ़ी : बोरवेल हुआ ठीक, होने लगी सिंचाई

■ एनबीटी न्यूज, छतरपुर

**MCD प्राइमरी** स्कूल के पीछे स्थित गांव मैदान गढ़ी के पार्क का बोरवेल ठीक हो गया है। सिंचाई नहीं होने के कारण सूखे पड़े पार्क में फिर से हरियाली होने की उम्मीद लोगों में बंध गई है। तेज हवा के कारण पार्क में उड़ती धूल और मिट्टी पर भी अंकुश लगेगा। एनबीटी से प्रभावित लोगों ने संपर्क करके बताया था कि खराब पड़े बोरवेल के कारण सिंचाई नहीं हो पा रही थी।

RWA प्रेसिडेंट महावीर सिंह डागर ने बताया था कि बोरवेल की मरम्मत के लिए शुरू से MCD के संबंधित विभाग को कई बार शिकायत पत्र लिखे जा चुके हैं। मगर संबंधित विभाग के अधिकारी बहानेबाजी कर रहे थे। पहले वे बजट के कमी का बहाना कर रहे थे। अब लोकसभा चुनाव का बात करके काम नहीं कर रहे थे। इन हालात में पार्क में स्वास्थ्य लाभ लेने आए गांव के बुजुर्ग काफी परेशान थे। पार्क में उड़ती धूल और मिट्टी के कारण सांस के रोगी अब वहां नहीं आ पा रहे थे। एनबीटी ने लोगों से मिली जानकारी के आधार पर 31 मई को प्रमुखता से खबर छापी थी। लोगों ने बताया कि संबंधित विभाग के कर्मचारी उसी दिन शाम 5 बजे बोरवेल की मरम्मत करने के लिए आ गए थे। रात करीब 11:30 बजे तक वे बोरवेल की मरम्मत करते रहे थे। अगले दिन उन्होंने बोरवेल को चेक करके उसे स्टार्ट कर दिया है। अब पार्क में नियमित तौर पर सिंचाई हो रही है।

- एनबीटी ने 31 मई को खबर छापी थी, उसी दिन हुई मरम्मत
- पार्क का बोरवेल पिछले 3 महीने से खराब पड़ा हुआ था

**NBT इम्पैक्ट**

# बस रूट बदलने और फेरे कम होने से बढ़ी परेशानी

■ राजेश पोद्दार, भोरगढ़

**भोरगढ़ और** घोगा गांव के लोग डीटीसी की (डिम्टस) क्लस्टर बसों की सर्विस से परेशान हैं। कही बस की सर्विस कम कर देने से तो कहीं रूट बदलने से गांवों के लोगों परेशान हो रहे हैं।

बांकनेर गांव से आजादपुर और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन तक चलने वाली रूट नंबर 109 की बस भोरगढ़, शाहपुर, अलीपुर से होकर गुजरती है। इसके साथ सफियाबाद से होकर चलने वाली रूट नंबर 112 की बस भोरगढ़, शाहपुर, अलीपुर होते हुए आजादपुर और पुरानी दिल्ली के लिए जाती है। लेकिन पिछले करीब एक हफ्ते से वापसी में इसका रूट अलीपुर के बाद सिंघोला से नरेला बांकनेर या सफियाबाद कर दिया गया है। वहीं, घोगा गांव से रूट नंबर 158 की बस बीबीएम डिपो से चलती है। इस डिपो की यहां 10 बसें हैं, लेकिन पिछले कुछ दिनों से इसकी सर्विस कम कर दी गई है। इसे लेकर डिम्टस क्लस्टर बस के दोनों ही अलग-अलग डिपो का अलग ही बहाना है। 109, 112 रूट नंबर की बस बवाना सेक्टर-1 से ऑपरेट होती है। डिपो का कहना है कि अलीपुर की फिरनी रोड जर्जर कंडीशन में है। इस कारण वहां से बस नहीं निकल सकती। वहीं, रूट नंबर 158 को ऑपरेट करने वाले डिपो का कहना है कि उनके पास बसों की कमी है।

घोगा निवासी राजेंद्र भारद्वाज ने बताया कि डिम्टस का बीबीएम डिपो अगले महीने बंद होने जा रहा है। अगर डिपो जून के बाद बंद हो जाता है, तो समस्या और बढ़ सकती है।

AI Image

- भोरगढ़ और घोगा गांव के लोगों को हो रही दिक्कत
- रूट नंबर 109 और 112 की सर्विस प्रभावित होने से परेशान हैं लोग

# गाड़ी चोरों के निशाने पर अब सरकारी अस्पताल

Abhishek.Gautam1
@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली :** चोरों के निशाने पर पूर्वी दिल्ली के सरकारी अस्पताल हैं। बता दें कि यहां पर 1 जनवरी 2023 से लेकर 12 मई 2024 के बीच 348 गाड़ियां चोरी हो चुकी हैं। इसका खुलासा आरटीआई के जरिए हुआ है। इतनी बड़ी संख्या में गाड़ी चोरी अस्पताल के सुरक्षा इंतजामों की पोल खोल रही हैं। जबकि सरकारी अस्पतालों में हर साल सुरक्षा के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

पूर्वी दिल्ली में जीटीबी, राजीव गांधी सुपर स्पेशिएलिटी, दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टिट्यूट, स्वामी दयानंद अस्पताल और इहबास जैसे अस्पताल हैं। आरटीआई से मिली जानकारी के मुताबिक, 1 जनवरी 2023 से लेकर 12 मई 2024 के बीच इन सभी सरकारी अस्पतालों में सबसे ज्यादा चोरी के मामले जीटीबी अस्पताल के हैं। जबकि यहां पूरे परिसर में जगह-जगह सुरक्षा गार्ड तैनात हैं। पुलिस भी गश्त करती रहती है। साल 2023 में जीटीबी में कुल 177 गाड़ियां चोरी हुईं।

AI Image

**साल 2024 में 12 मई तक चोरी हुई गाड़ियां**

| अस्पताल | जनवरी | फरवरी | मार्च | अप्रैल | मई | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|
| जीटीबी | 7 | 9 | 16 | 9 | 5 | 46 |
| स्वामी दयानंद | 7 | 4 | 1 | 4 | 1 | 17 |
| राजीव गांधी सुपर स्पेशिएलिटी | 1 | 2 | 3 | 2 | 0 | 8 |
| इहबास | 3 | 4 | 4 | 4 | 0 | 15 |

TIMES TRIBUTE
PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL
To book your ad Logon to: ads.timesgroup.com or Call: 18001205474 (Toll Free) Scan QR Code

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES

7th Death Anniversary
SARDARNI SATWANT KAUR BATRA
Who left us on this day (6th June, 2017). Year has passed that you are up with almighty leaving behind your sweet memories you are always in our thoughts & hearts. Batra's, Malik's, Luthra's 9810007740, 9811129363, 9811086519 Maharani International, C.M, Infrastructure Pvt. Ltd., Noida

"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that you taught us. Three words that help us cope with your loss".

The silent joy of remembering a loved one. The moments you shared together. Little moments that make life beautiful.

Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

| Publications | Total Outlay |
|---|---|
| The Times of India Delhi/NCR | 5,600 |
| TOI+NBT (Delhi/NCR) | 8,800 |
| TOI+ET (Delhi/NCR) | 6,600 |

Maximum 10 lines

REMEMBRANCE SHARING MEMORIES
For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

| Publications | Rates per sq. cms |
|---|---|
| TOID Capital + NBT (Delhi+NCR) | 1295 |
| TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR) | 1360 |
| THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR) | 780 |
| THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run## | 900 |
| NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR) | 595 |
| THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR) | 715 |
| SANDHYA TIMES (Delhi) | 100 |

Rates effective 5th June 2019

▸ *Placement on specified obit pages only. ▸ This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ▸ ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ▸ TOI Capital (Delhi & NCR) Includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

To place an Obituary announcement or Remembrance ad
Call- Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727
Scan QR Code

## 'परमात्मा से जोड़ती है सनातन संस्कृति'

■ **नप्र, नई दिल्ली:** हनुमान मंदिर लिंक रोड, करोल बाग सत्संग में महंत ओमप्रकाश गिरि ने कहा कि सनातन संस्कृति संसार को भोग का नहीं बल्कि योग यानी परमात्मा से जुड़ाव का मार्ग प्रशस्त करती है। प्राचीन संन्यास आश्रम शिव हनुमान मंदिर, पंचकुइयां रोड सत्संग में महंत भोलागिरि महाराज ने कहा कि जो व्यक्ति किसी का अहित करने में देरी करता है, वही प्रशंसा का पात्र बनता है। दि. जैन गोल्डन टेंपल सेक्टर-7 रोहिणी में उपाध्याय गुप्तिसागरजी के सान्निध्य में भगवान शांतिनाथ का महामस्तकाभिषेक और निर्वाण महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। आचार्य प्रज्ञसागरजी मुनिराज का दि. जैन मंदिर शालीमार बाग से शक्तिनगर आगमन पर समाज ने स्वागत किया। दि. जैन मंदिर बाहुबली एन्क्लेव में आर्यिका दृष्टिभूषण माताजी के सान्निध्य में शांतिविधान संपन्न हुआ।

**धर्म कर्म**

## हरि नगर : सीवर लाइन को बदलने की हुई मांग

■ **एनबीटी न्यूज, हरी नगर :** हरी नगर के डीबी ब्लॉक, गेट नंबर 4 के पास सीवरेज की समस्या से स्थानीय लोग परेशान हैं। लोगों का आरोप है कि यहां पर नियमित रूप से सीवर की सफाई नहीं होती है जिसके कारण आए दिन यहां ओवरफ्लो की समस्या बनी रहती है। इसको लेकर स्थानीय लोगों ने जल बोर्ड से शिकायत भी की है, लेकिन अब तक इसका समाधान लोगों को नहीं मिल सका है।

हरी नगर एनबीटी सुरक्षा कवच ग्रुप के सदस्य और डी बी ब्लॉक रेजिडेंट वेलफेयर असोसिएशन से जुड़े दिनेश जैन ने बताया कि गेट नंबर 4 के पास सीवर ओवरफ्लो की समस्या लगभग एक साल से चल रही है। महीने में 4-5 बार यहां सीवर ओवरफ्लो भी हो जाता है। इसे बदलना चाहिए, लेकिन जल बोर्ड की तरफ से इसे बदला नहीं जा रहा है।

**NBT सुरक्षा कवच** मिलकर बनाएं दिल्ली को ज्यादा सेफ

# महानगर खेल

आप भी हमें अपनी खेल खबर और फोटो भेजिए
nbtreader@timesgroup.com पर। सब्जेक्ट में लिखें Khel

### टर्फ सुल्तांस ने जीता खिताब

ताविश (1/14) और दैविक (1/14) की कसी हुई गेंदबाजी के बाद देवांश गोयल (39*) और विवान (15*) की उम्दा बैटिंग से टर्फ सुल्तांस (93/5) ने मॉडर्न वॉरियर्स (92/6) को पांच विकेट से हराकर टर्फ जूनियर क्रिकेट लीग अंडर-10 टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया।

### रोहित व उपासना के शतक

रोहित गहलावत (113) और उपासना यादव (100) के शानदार शतक और निर्भय डागर (3/23) के अहम योगदान से बाबा हरिदास अकैडमी (393/5) ने 19वें राजेश पीटर मेमोरियल अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट में फ्रेंड्स क्लब (196/7) को 197 रन से हरा दिया।

### धन्य, अंश की फिफ्टी

धन्य नाकरा (80) और अंश जाखड़ (71) की उम्दा बैटिंग और अव्यम जैन (2/53) व तनिष्क यादव (2/72) के प्रयास से वेस्ट दिल्ली अकैडमी (357/7) ने आरडी ग्रुप अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट में जीआईएस अकैडमी (274/10) को 83 रन से हरा दिया।

### अर्नव ने जड़ी सेंचुरी

अर्नव (100) के शतक और प्रणय (77 रन, 2/07) के ऑलराउंड खेल व यतिन सोलंकी के 3 विकेट की मदद से बाबा श्याम अकैडमी (331/5) ने हरि बिदलान चंद मेमोरियल अंडर-12 क्रिकेट टूर्नामेंट में लीलावती अकैडमी (179/10) को 152 रन से धो डाला। एक अन्य मैच में एसएससीए रोहिणी (78/00) ने यूनिक क्रिकेट अकैडमी (74/10) को दस विकेट से हराया।

### आर्यन का उम्दा खेल

आर्यन चौहान (46 रन और 4/46) के ऑलराउंड खेल और अथर्व सिंह (30*), आरुष (3/06), शौर्य राय (2/08) के अहम योगदान से वंडर क्रिकेट क्लब (104/4) ने हरकोर्ट बटलर क्रिकेट टूर्नामेंट में सहवाग क्रिकेट अकैडमी (102/10) को 6 विकेट से हरा दिया।

### धारा अकैडमी को खिताब

कीरत कौशिक (4/32) की घातक गेंदबाजी और आयुष (2/18), उदय चावला (49*) और नैतिक माथुर (48*) की बदौलत धारा क्रिकेट अकैडमी (173/4) ने एसएसएम अंडर-17 क्रिकेट टूर्नामेंट में मौलाना आजाद क्लब (171/10) को 6 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया।

### एयरलाइनर, गुलिया अकैडमी सेमी में

अभिराज वशिष्ठ के ताबड़तोड़ 80 रन और जागरव के 58 रन की बदौलत एयरलाइनर अकैडमी (255/6) ने बाल भवन द्वारका (216/10) को 39 रन से हराकर 14वें बुधराम राजपूत स्मृति अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। एक अन्य मुकाबले में प्रियांशु यादव और हर्ष सिन्हा के 3-3 विकेट और यशवर्धन राठी के 70 रन की बदौलत गुलिया अकैडमी (134/3) ने एसकेसीए 131/10 को 7 विकेट से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई।

### जयंत का चला बल्ला

जयंत (155) और अवनीश (106) के शानदार शतक और राजन जायसवाल के 3 और जसमीत नैन के 2 विकेट की मदद से प्लेयर्स अकैडमी (315/3) ने 49वें गोस्वामी गणेश दत्त मेमोरियल क्रिकेट में डीसी बाल भवन क्रिकेट अकैडमी (312/8) को 7 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

### रमन का दमदार शतक

रमन रांगी (175) के धमाकेदार शतक के बाद अंशुल मान (5/38) की घातक गेंदबाजी के दम पर बाबा श्याम क्रिकेट अकैडमी (311/8) ने वाधवा स्पोर्ट्स अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट में वेंकटेश्वर क्रिकेट अकैडमी (213/10) को 101 रन से हरा दिया।

### आशुतोष के चार गोल

प्लेयर ऑफ द मैच आशुतोष थपलियाल के चार शानदार गोलों की मदद से ईमी हीरोज ने डीएसए ए डिवीजन फुटबॉल मैच में विक्ट्री एफसी को 6- 0 से पीट दिया। एक अन्य मैच में मोहम्मद अयमान बिन के दो दर्शनीय गोलों की मदद से गुड विल एफसी ने हॉप्स एफसी को 2 – 1 से हराया।

# महाराष्ट्र: फडणवीस ने की इस्तीफे की पेशकश, CM शिंदे ने कहा- बात करेंगे

## महाराष्ट्र के कई नेताओं ने केंद्रीय नेतृत्व से की मांग, इस्तीफा स्वीकार नहीं किया जाए

Rajkumar.Singh@timesgroup.com

■ **मुंबई:** लोकसभा चुनाव में बीजेपी को सबसे बड़ा झटका उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से लगा। इसके लिए पार्टी किसी को जिम्मेदार ठहराती, उससे पहले ही महाराष्ट्र से बीजेपी नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की पेशकश कर डाली। फडणवीस के इस कदम से उनके विरोधी भौचक्के रह गए। उन्होंने अपने विरोधियों को उंगली उठाने का मौका नहीं दिया। हालांकि, दिल्ली यह बात अच्छी तरह से जानती है कि फडणवीस के बिना महाराष्ट्र में फिर से सत्ता पाना आसान नहीं है, इसलिए उन्हें महाराष्ट्र से नहीं हटा सकते। ऐसे में फडणवीस का इस्तीफा स्वीकार करना तो दूर की बात होगी।

महाराष्ट्र बीजेपी में फडणवीस का राजनीति कद बहुत ऊंचा है। पार्टी में उनके कद का कम से कम आज कोई नेता नहीं है। फडणवीस ने अपने इस्तीफे की पेशकश ऐसे समय में की है, जब बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा सहित दूसरे नेता दिल्ली में सरकार बनाने में उलझे हैं। फडणवीस के इस्तीफे पर हाईकमान कोई निर्णय नहीं लेगा, यह बात फडणवीस भी जानते हैं। राजनीति विशेषज्ञ शैलेंद्र परांजपे कहते हैं कि फडणवीस एक सुलझे हुए नेता हैं। वह यह बात अच्छी तरह से जानते हैं कि उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया जाएगा, उलटे उन्हें विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी मिलेगी। इससे महाराष्ट्र की राजनीति में फडणवीस का कद और बढ़ेगा।

> **विरोधियों को नहीं मिला उंगली उठाने का मौका**

**शरद पवार और ठाकरे पर नकेल:** दिल्ली में बीजेपी की नहीं, बल्कि एनडीए की मिली-जुली सरकार बन रही है। ऐसे में महाराष्ट्र से शरद पवार और उद्धव ठाकरे उनकी सरकार को आए दिन डिस्टर्ब करने की कोशिश करेंगे। ऐसे में पवार और ठाकरे को महाराष्ट्र में ही उलझाए रखना जरूरी होगा और यह काम फडणवीस बखूबी कर सकते हैं। यह बात बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व जानता है इसलिए भी वह फडणवीस को नहीं हटाएगा।

**विरोधियों को मौका नहीं:** फडणवीस के सियासी दुश्मनों की संख्या भी बहुत ज्यादा है। वह इसी तरह के अवसर की तलाश कर रहे थे। लोकसभा चुनाव में मिली हार का ठीकरा फडणवीस पर फोड़ते उससे पहले ही उन्होंने इस्तीफे की पेशकश कर दी। अब उनके दुश्मनों के सामने कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा है। फडणवीस के समर्थकों ने इस्तीफा नहीं देने की मांग की है। साथ ही उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व से मांग की है कि फडणवीस का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया जाए। आने वाले विधानसभा चुनाव फडणवीस के नेतृत्व में ही लड़ा जाए। पार्टी के अंदर इस बात की भी मांग उठी है कि फडणवीस को फ्री हैंड काम करने का मौका दिया जाए। कुल मिलाकर, इस्तीफे की पेशकश कर फडणवीस ने अपना माहौल बना लिया है।

महाराष्ट्र के डिप्टी CM देवेंद्र फडणवीस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने फैसले की जानकारी दी।

### 'हार की समीक्षा होगी'

महाराष्ट्र के CM एकनाथ शिंदे ने फडणनवीस के इस्तीफे की पेशकश पर बुधवार को कहा कि वह इस मामले में उनसे बात करेंगे। शिंदे ने कहा, चुनाव में हार तीनों पार्टियों- बीजेपी, शिवसेना और NCP की सामूहिक जिम्मेदारी थी। महायुति हार के कारणों की समीक्षा करेगा। उन्होंने कहा कि हमने पहले भी साथ में काम किया है और आगे भी साथ काम करते रहेंगे।

# सोच-समझकर मुसलमानों को चुनाव में मौका देंगे: मायावती

■ एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ

**BSP चीफ** मायावती ने पिछले विधान सभा चुनाव की तरह ही एक बार फिर मुस्लिम वोट न मिलने पर अफसोस जताया है। उन्होंने बुधवार को जारी बयान में कहा कि पिछले चुनावों और इस बार भी लोकसभा चुनाव में मुस्लिम समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने के बावजूद वह BSP को ठीक से समझ नहीं पा रहा। ऐसी स्थिति में आगे इनको काफी सोच-समझकर चुनाव में पार्टी मौका देगी, ताकि भविष्य में इस बार की तरह भयंकर नुकसान न हो। उन्होंने अपनी खुद की जाति के लोगों का आभार जताया है। मायावती ने कहा कि दलित वर्ग में से, खास तौर से मेरी जाति के लोगों ने अपना अधिकतर वोट देकर अहम मिशनरी भूमिका निभाई है।

> BSP चीफ बोलीं, मुस्लिम समाज पार्टी को नहीं समझ सका

**'लंबी चुनाव प्रक्रिया से लोगों को परेशानी हुई'**

मायावती ने इस बार लोकसभा चुनाव में करारी हार के बाद कहा कि BSP सिर्फ राजनीतिक पार्टी ही नहीं है, यह एक मिशन भी है। अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे अपना भविष्य संवारकर देशहित को बढ़ावा देने का मिशनरी काम बिना थके, बिना रुके जारी रखें। ऐसा करके बेहतर जीवन का रास्ता जरूर मिलेगा। उन्होंने लंबी चली चुनाव प्रक्रिया पर चिंता जताई और कहा कि इससे लोगों को परेशानी हुई और खास तौर से गरीब तबकों का उत्साह कम रहा। इससे वोट प्रतिशत प्रभावित रहा। भविष्य में तीन या चार चरणों में चुनाव कराया जाना चाहिए। मायावती ने कहा कि चुनाव के दौरान यह भी चर्चा रही कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी के बिना फ्री एंड फेयर चुनाव हुआ तो नतीजा रूलिंग पार्टी के नेताओं के अनुरूप न होकर चौंकाने वाला होगा। आज जब लोकसभा चुनाव को जो भी, जैसा भी नतीजा आया है, वह सबके सामने है। उन्हें ही तय करना है कि जो परिणाम आया है, उसका आगे उनके जीवन पर क्या फर्क पड़ने वाला है और उनका भविष्य कितना समृद्ध और सुरक्षित रह पाएगा।

मायावती ने कहा, मेरी जाति के लोगों ने अपना अधिकतर वोट मुझे दिया।

# 'हाथी' हांफा, कई उम्मीदवारों की ज़मानत ज़ब्त

**विस, मेरठ:** वेस्ट यूपी में सबसे बड़ा नुकसान बीएसपी को हुआ है। वेस्ट यूपी में 2019 में हासिल की अपनी चार सीटों को भी पार्टी ने गंवा दिया है। बीएसपी के उम्मीदवार कही भी फाइट में नहीं आ पाए। पार्टी के ज्यादातर कैंडिडेट्स की जमानत जब्त हो गई।

2019 में एसपी के साथ चुनाव लड़कर बीएसपी ने यूपी में दस और वेस्ट यूपी में चार लोकसभा सीटें जीती थीं। 2024 लोकसभा चुनाव के मंगलवार को आए नतीजे से साफ हो गया है कि बीएसपी की सियासी ताकत कम हो रही है। दलितों के वोट बैंक पर पकड़ रखने का दावा करने वाली बीएसपी इस बार रिजर्व्ड सीट तक हार गई। 2019 में बीएसपी को वेस्ट यूपी से सहारनपुर, बिजनौर, नगीना और अमरोहा लोकसभा सीट पर जीत हासिल हुई थी। रिजर्व्ड सीट नगीना बीएसपी बुरी तरह हारी। वहां आजाद समाज पार्टी के दलित चेहरे चंद्रशेखर ने चुनाव जीता। बुलंदशहर रिजर्व्ड सीट पर बीजेपी जीती। दूसरी रिजर्व्ड सीटों पर भी बीएसपी कुछ नहीं कर सकी। सियासी जानकारों का कहना है कि दलित वोट बीएसपी से छिटक गया।

# चुनाव में बड़ा मुद्दा रही अग्निपथ योजना पर नई सरकार के रुख में आएगा बदलाव?

Poonam.Pandey@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली:** सेना में भर्ती की नई स्कीम अग्निपथ लोकसभा चुनाव में एक बड़ा मुद्दा रही। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में वादा किया कि सरकार में आने पर वह इस स्कीम को हटा देगी और नई योजना लागू करेगी। भले ही एनडीए को बहुमत मिला है लेकिन माना जा रहा है कि अब मिली-जुली सरकार में इस बात का जोर रहेगा कि अग्निपथ योजना को लेकर जो आशंकाएं हैं उन्हें गंभीरता से लिया जाए। रक्षा मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स (डीएमए) ने पहले ही आर्मी, नेवी और एयरफोर्स से अग्निवीरों पर फीडबैक लेना शुरू कर दिया है।

अग्निपथ स्कीम को लेकर युवा शुरू से ही नाराजगी जाहिर करते रहे हैं। सोशल मीडिया से लेकर ग्राउंड तक में यह नाराजगी दिखी है। बीजेपी का राष्ट्रवाद का नारा इन युवाओं को प्रभावित करता था, लेकिन अग्निपथ ने इन्हें झटका दिया। नतीजों में इनकी नाराजगी का असर भी दिखा। भले ही बीजेपी की तरफ से अग्निपथ स्कीम के फायदे गिनाए जाते रहे लेकिन कई रिटायर्ड फौजियों के साथ ही विपक्ष भी इस पर सवाल उठाता रहा। जिन राज्यों से बड़ी संख्या में युवा फौज में जाते हैं उन राज्यों के नतीजें देखें तो अग्निवीर का असर दिखता है।

### जिन राज्यों से ज्यादा भर्तियां, वहां BJP का हाल

**हरियाणा:** 10 सीटें से घटकर 5 हो गईं। वोट शेयर **58.20%** से घटकर **46.11%** हो गया।

**हिमाचल:** भले ही बीजेपी ने चारों सीटें जीती लेकिन वोट शेयर **69.70%** से घटकर **56.44%** हो गया।

**उत्तराखंड:** पांचों सीटें जीती लेकिन वोट शेयर 2019 में **61.66%** था वह इस बार **56.81%** रह गया।

**पंजाब:** सीटें जीरो हो गईं।

**राजस्थान:** सीटें **24** से घटकर **14** रह गईं।

**UP:** **62** से घटकर **33** हो गईं।

AI Image

### अब बदलाव की उम्मीद

अग्निपथ स्कीम में युवाओं को 4 साल के लिए भर्ती किया जा रहा है और इनमें से 25 पर्सेंट को परमानेंट होने का मौका मिलेगा। हालांकि सूत्रों के मुताबिक सेना की तरफ से यह कहा गया था कि इसे 25% से बढ़ाया जाना चाहिए। रेगुलर सैनिकों को जहां सालाना 90 दिन की छुट्टी मिलती है वहीं अग्निवीर को सालाना 30 दिन की छुट्टी है। अब केंद्र सरकार में समीकरण बदलने से इन पर काम होने के उम्मीद की जा रही है।

# जेल से चुनाव जीतने पर शपथ के लिए लेनी होगी कोर्ट की इजाज़त

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

**स्वतंत्र उम्मीदवार** के तौर पर चुनाव जीतने वाले दो आरोपियों को शपथ के लिए कोर्ट से इजाजत लेनी होगी। कानूनी जानकार बताते हैं कि सांसद के तौर पर चुने गए आरोपी इंजिनियर शेख अब्दुल रशीद और अमृतपाल सिंह को सांसद के तौर पर शपथ लेने के लिए संसद जाने के लिए कोर्ट की इजाजत लेनी होगी। इंजिनियर रशीद के खिलाफ यूएपीए के तहत केस दर्ज है और वह तिहाड़ जेल में बंद हैं। अमृतपाल सिंह के खिलाफ एनएसए लगाया गया है और वह असम के डिब्रूगढ़ में जेल में है। रशीद ने लोकसभा चुनाव में जम्मू कश्मीर की बारामूला सीट से स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर चुनाव जीता है जबकि अमृतपाल सिंह पंजाब की खडूर साहिब सीट से चुनाव जीता है।

> तिहाड़ में बंद इंजिनियर रशीद ने बारामूला से चुनाव जीता है

तिहाड़ जेल के पूर्व लॉ ऑफिसर और एडवोकेट सुनील गुप्ता बताते हैं कि जब भी कोई आरोपी जेल में रहते हुए चुनाव जीतता है तो उसे सांसद के तौर पर शपथ लेने के लिए स्पीकर आमंत्रित करते हैं और यह आमंत्रण जेल सुपरिंटेंडेंट के जरिए जीते हुए कैंडिडेट को मिलता है। तब जेल सुपरिंटेंडेंट संबंधित कोर्ट को इस बारे में अवगत कराते हैं और वहां से इजाजत मिलने के बाद कड़ी सुरक्षा में आरोपी को संसद ले जाया जाता है। संसद के सुरक्षा कर्मी गेट पर उन्हें अपनी सुरक्षा के घेरे में लेते हैं और फिर उनकी शपथ होती है या फिर संसद की कार्यवाही में वे बैठते हैं। हालांकि कई बार शपथ के लिए मिलने वाले आमंत्रण के बाद आरोपी खुद ही वकील के जरिए कोर्ट को अप्रोच करते हैं ताकि उन्हें संसद जाने की इजाजत मिले। गुप्ता बताते हैं कि संसद के सत्र में भाग लेने के लिए या वोटिंग आदि के लिए भी उन्हें इजाजत की जरूरत होती है।

File

अमृतपाल सिंह अभी असम की जेल में बंद है। उसने पंजाब की खडूर साहिब सीट से चुनाव जीता है।

## फटाफट खबरें

### मई में सर्विस सेक्टर की ग्रोथ में गिरावट

■ भाषा, नई दिल्ली : कड़ी प्रतिस्पर्धा, मूल्य दबाव और भीषण गर्मी के कारण मई में भारत के सर्विस सेक्टर की ग्रोथ रेट घटकर पांच महीने के निचले स्तर पर आ गई। हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों से नए ऑर्डर में एक दशक में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। एक मंथली सर्वे में यह जानकारी दी गई है। HSBC India सर्विस पीएमआई कारोबारी एक्टिविटी इंडेक्स मई में गिरकर 60.2 पर आ गया जो पिछले साल दिसंबर के बाद से सबसे निचला स्तर है। अप्रैल में यह 60.8 पर था।

### NSE ने ऑर्डर और ट्रेड का रेकॉर्ड बनाया

■ विस, मुंबई: बुधवार को स्टॉक एक्सचेंज-नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) ने सबसे ज्यादा ट्रांजैक्शन्स का वर्ल्ड रेकॉर्ड बना दिया। एक्सचेंज ने इतिहास दर्ज करते हुए 1,971 करोड़ ऑर्डर और 28.55 करोड़ ट्रेड संभाले। दुनिया के सबसे बड़े डेरिवेटिव एक्सचेंज NSE इंडिया के MD और CEO आशिष कुमार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए लिखा, nseindia ने 5 जून, 2024 को एक ही दिन में अब तक का सबसे ज्यादा ट्रांजैक्शन्स संभालकर विश्व रेकॉर्ड बना दिया। ये ट्रांजैक्शन्स 6 घंटे और 15 मिनट के बीच हुए।

### सोना 80, चांदी 1200 रुपये लुढ़की

■ पीटीआई, नई दिल्ली: वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख के अनुरूप राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 80 रुपये की गिरावट के साथ 72,820 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी है। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 1,200 रुपये घटकर 91,900 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। पिछले कारोबारी सत्र में यह 93,100 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

## सेंसेक्स 2,303 अंक चढ़ा, निफ्टी में भी 735 अंक की बढ़त

# चुनावी नतीजों के झटके से उबरा शेयर बाज़ार

AI Image

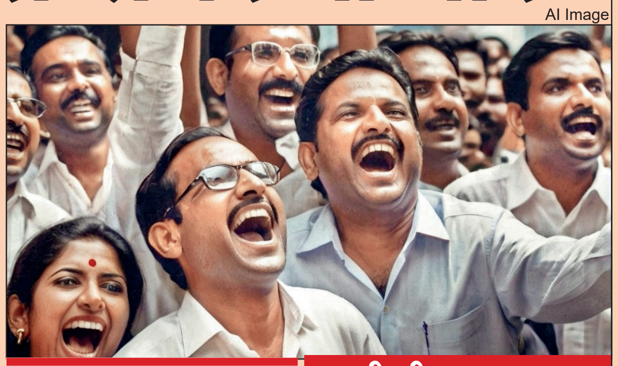

शेयर बाजार में तेजी लौटने से निवेशकों की पूंजी 13.22 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

■ विस, मुंबई: मंगलवार को लोकसभा चुनाव के नतीजों के दौरान हुए भारी गिरावट के बाद शेयर बाजार ने बुधवार को फिर से बढ़त बनाई। Sensex 2,300 अंक से अधिक की छलांग लगा गया। Nifty भी 735 अंक के लाभ में रहा। हालांकि बाजार कमजोर खुले, लेकिन जैसे ही राजनीतिक स्तर पर स्थिरता सुनिश्चित होने की बात साफ हुई, बाजार में चौतरफा बाइंग आई और निवेशकों को 13.22 लाख करोड़ का फायदा हो गया।

TDP लीडर चंद्राबाबू नायडू के NDA की मजबूती को लेकर दिए गए बयान के बाद मार्केट में तेजी आई। Sensex 2,303.19 अंक (3.20%) की बढ़त के साथ 74,382.24 अंक पर बंद हुआ। Nifty भी 735.85 अंक (3.36%) उछलकर 22,620.35 अंक पर बंद हुआ। ऑटो, बैंक, एफएमसीजी, मेटल, टेलीकॉम और मीडिया में 4-6 पर्सेंट की तेजी के साथ सभी सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए हैं। बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 4 पसरेंट की तेजी आई। स्मॉलकैप इंडेक्स में 3 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली। HDFC बैंक, ICICI बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज में भारी खरीदारी से बाजार में मजबूती आई। इंडसइंड बैंक 7% से अधिक लाभ में रहा। टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनैंस, कोटक महिंद्रा बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक और जेएसडब्ल्यू स्टील भी प्रमुख रूप से बढ़त में रहे। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म CLASA ने अपने पोर्टफोलियो में बदलाव किया है। मोदी सरकार द्वारा हैवीवेटेज वाले सेक्टर को लिमिट कर दिया है। मार्केट एक्सपर्टस का कहना है कि आने वाले समय में घरेलू इंस्टिट्यूशनल निवेशक भी ऐसा कर सकते हैं।

### सभी की नज़र सरकार के गठन पर : एक्सपर्ट

जियोजीत फाइनैंशल सर्विसेज के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, सभी की नजर सरकार के गठन पर रहेगी। मोतीलाल ओसवाल रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, 'बीजेपी को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने के बावजूद, हमारा अनुमान है कि मोदी के तीसरे कार्यकाल का नीति अजेंडा जारी रहेगा। सभंव है, इसमें कुछ बदलाव हो। चुनाव नतीजे को देखते हुए उम्मीद करते हैं कि गांवों की समस्याओं को दूर करने के लिए कुछ लोकलुभावन योजनाओं की घोषणा की जा सकती है।'

# रिफॉर्म पर सुस्त होंगे नई सरकार के कदम!

## आर्थिक सुधारों के कई मोर्चों पर कदम बढ़ाने में मुश्किल होगी: एक्सपर्ट

Akhilesh.Singh1@timesgroup.com

■ नई दिल्ली : बीजेपी ने देश को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब और 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने की बातें की थीं, लेकिन उसकी अगुआई में बनने वाली नई एनडीए सरकार को कई मोर्चों पर दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि लैंड, लेबर, एग्रीकल्चर और प्राइवेटाइजेशन के अलावा बीमा और डिजिटल इंडिया से जुड़े सुधारों के मामले में बीजेपी को सहयोगी दलों की राय को ज्यादा तवज्जो देनी होगी।

> लैंड, लेबर, एग्रीकल्चर के अलावा बीमा और डिजिटल इंडिया से जुड़े सुधारों पर बीजेपी को सहयोगी दलों की राय को ज्यादा तवज्जो देनी होगी

पिछले दो कार्यकालों में मोदी सरकार ने सरकारी कंपनियों में हिस्सेदारी बेचने और सार्वजनिक उद्यमों के निजीकरण के लिए काफी जोर लगाया था। IDBI बैंक के निजीकरण की दिशा में कदम उठे जरूर, लेकिन मामला अंजाम तक नहीं पहुंच सका। 2022 में एयर इंडिया को टाटा ग्रुप के हाथ बेचने के सिवा मोदी सरकार कोई बड़ा निजीकरण नहीं कर पाई। FY24 में विनिवेश से 51 हजार करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य था, लेकिन अंतरिम बजट में रिवाइज्ड एस्टिमेट 30 हजार करोड़ रुपये करना पड़ा।

### NBT Lens — समझिए खबरों के अंदर की बात

### आम सहमति बनानी होगी

गठबंधन सरकारों में आर्थिक सुधार रुकने की चिंता में बहुत दम नहीं है। देश में बड़े आर्थिक सुधारों की शुरुआत ही पीवी नरसिंह राव की गठबंधन सरकार ने की। वाजपेयी से लेकर मनमोहन सिंह सरकारों तक ने कई रिफॉर्म किए। मसला आम सहमति बनाने का है। NDA 3.0 सरकार के अनुभवी नेता भी ऐसा कर लेंगे। इसमें शक की क्या बात है?

AI Image

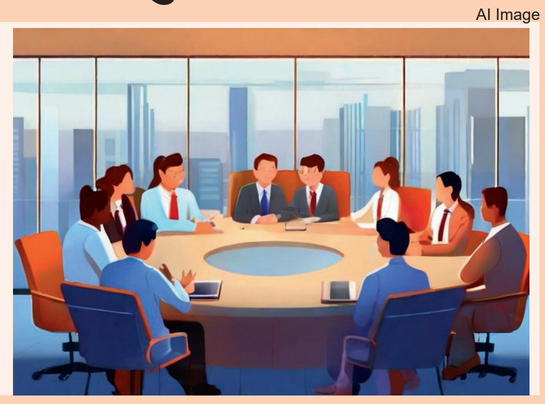

### 'बहुमत था तब भी पीछे हटना पड़ा था'

मोदी सरकार ने 29 श्रम और औद्योगिक कानूनों को मिलाकर 4 लेबर कोड बनाए थे, लेकिन वह इन्हें नोटिफाई नहीं कर पाई। कई राज्यों ने भी लेबर कोड्स को मंजूरी नहीं दी है। इसी तरह, कंपनियों के लिए भूमि अधिग्रहण आसान बनाने वाले कानून को किसानों के तीखे विरोध के चलते 2015 में वापस लेना पड़ा था। 3 कृषि कानूनों को भी 2021 में वापस लेना पड़ा। यह सब तब हुआ, जब एनडीए की पिछली दोनों सरकारों में बीजेपी का बहुमत था। अब बीजेपी को जेडीयू और टीडीपी सहित दूसरे सहयोगी दलों पर निर्भर रहना है। ऐसे में नई सरकार को पिछले रुख से अलग रणनीति अपनानी होगी। रेटिंग एजेंसियों और अर्थशास्त्रियों का कहना है कि ऐसे में ये बड़े सुधार कुछ समय के लिए टालने भी पड़ सकते हैं।

> "ये सारे कदम कॉरपोरेट्स के हितों को ध्यान में रखकर उठाए जा रहे थे। इन्हें अब कुछ समय तक टालना पड़ेगा। मोदी को गठबंधन स्टेबल होने का इंतजार करना पड़ेगा।
> -अरुण कुमार, प्रफेसर, जेएनयू

### 'अब लैंड-लेबर रिफॉर्म्स पर आगे बढ़ना मुश्किल'

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि मोदी सरकार फिर बनी तो लैंड, लेबर, कैपिटल और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर सहित हर तरह के नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म किए जाएंगे। हालांकि फिच रेटिंग्स का कहना है, 'अब रिफॉर्म अजेंडा को कुछ अहम बातों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। विवादित सुधारों पर आगे बढ़ना मुश्किल होगा, खासतौर से लैंड और लेबर रिफॉर्म्स के मामले में।' बीमा कानूनों में संशोधन, इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड अमेंडमेंट बिल, डिजिटल इंडिया ऐक्ट 2023, ड्रग्स मेडिकल डिवाइसेज एंड कॉस्मेटिक्स बिल 2023 और पेस्टिसाइड्स बिल जैसे कई विधेयक हैं, जिन्हें पास कराने में मुश्किल हो सकती है। मूडीज ने कहा, 'इंफ्रास्ट्रक्चर और मैन्युफैक्चरिंग पर बजट का फोकस बना रहेगा, लेकिन अब प्रमुख आर्थिक और राजकोषीय सुधारों में देर हो सकती है।'

# MPC: रीपो रेट में बदलाव की उम्मीद नहीं!

> आरबीआई MPC की मीटिंग शुरू, शुक्रवार को आएगा फैसला

■ विस, मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की मॉनेटिरी पॉलिसी कमिटी (MPC) की तीन दिन की बैठक बुधवार से शुरू हो चुकी है। इस पर फैसला शुक्रवार को आएगा। मीटिंग के बाद कमिटी के अध्यक्ष गवर्नर शक्तिकांत दास शुक्रवार 7 जून को रीपो रेट पर फैसले की जानकारी देंगे। बता दें कि मौजूदा रीपो रेट 6.50% है। नए फाइनैंशल ईयर (FY25) की ये दूसरी MPC मीटिंग है।

मजबूत आर्थिक विकास और अनिश्चित इन्फलेशन आउटलुक के बीच शुक्रवार को होने वाले पॉलिसी रिव्यू में आरबीआई द्वारा अपना सख्त मॉनेटिरी रुख बरकरार रखने की उम्मीद है। इस समय देश में चुनावी रिजल्ट आ चुके हैं। देश में बीजेपी के नेतृत्व में गठबंधन वाली सरकार बनती नजर आ रही है। ऐसे में बडा सवाल है कि क्या गठबंधन सरकार बनने से पहले घर के होम लोन की EMI कम होगी या नही।

इकॉनमिस्ट प्रणब सेन ने कहा, 'चुनाव परिणामों को देखते हुए, भले ही सरकार में वही लोग हों, क्या वे उसी रुख पर कायम रहेंगे, यह अगले कुछ दिनों में तय हो जाएगा। इसलिए अनिश्चितता का स्तर बहुत बढ़ गया है। आरबीआई को इसे ध्यान में रखना होगा।' वहीं एसबीआई के सौम्य कांति घोष के अनुसार, 'सरकार 5% से थोड़ा कम, संभवतः 4.9% से 5% के डेफिसिट के साथ काम कर सकती है। इंफ्लेशन अपने ग्लाइड पथ पर है और जल्दी 4% तक नहीं जाएगी। लेकिन यह वर्ष के अधिकांश समय में 4.5% के आसपास रहेगी। मौजूदा स्थिति, मौजूदा इंफ्लेशन की गति और मौजूदा ग्रोथ पाथ को देखते हुए आरबीआई ने 4.5% औसत इंफ्लेशन का पूर्वानुमान लगाया है, बाजार भी उस पूर्वानुमान के अनुरूप है।

हालांकि मई महीने में हुए एक सर्वे में 72 में से 71 अर्थशास्त्रियों ने उम्मीद जताई थी कि MPC 5 से 7 जून तक अपनी बैठक के दौरान रीपो रेट में कोई बदलाव नहीं करेगी, इसे 6.50% पर बनाए रखेगी। इसके अतिरिक्त, इनमें से अधिकांश अर्थशास्त्रियों का मानना है कि 6.50% की रेट वर्तमान अवधि में रीपो रेट का उच्चतम बिंदु है।

# बेसिक डीमैट अकाउंट में 10 लाख रुपये तक की सिक्योरीटीज रखने की इजाज़त!

AI Image

■ विस, मुंबई: सेबी ने बुधवार को रिटेल निवेशकों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए बेसिक सर्विस डीमैट अकाउंट (BSDA) की सीमा को मौजूदा 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने का प्रस्ताव रखा। छोटे पोर्टफोलियो वाले निवेशकों पर डीमैट शुल्क का बोझ कम करने के लिए सेबी ने 2012 में यह सुविधा शुरू की थी।

सेबी ने BSDA में सिक्योरिटीज की वैल्यू लिमिट बढ़ाने को लेकर पांच जून को कंसल्टेशन पेपर 5 जारी किया। इसमें SEBI बेसिक सर्विस डीमैट अकाउंट की लिमिट बढ़ाकर 10 लाख करने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। वर्तमान में, BSDA के लिए पात्र होने के लिए कोई व्यक्ति एक ही डीमैट खाते में 2 लाख रुपये तक की डेट सिक्योरिटी के अलावा अन्य सिक्योरिटी रख सकता है। सेबी ने कहा कि किसी व्यक्ति के पास केवल एक डीमैट खाता होना चाहिए, जिसमें वह एकमात्र या प्रथम धारक हो। व्यक्ति के पास सभी डिपॉजिटरी में उसके नाम से केवल एक BSDA होना चाहिए।

सेबी ने प्रस्ताव दिया है कि BSDA के लिए सालाना रखरखाव शुल्क शून्य होना चाहिए और 4 लाख रुपये से 10 लाख रुपये तक के पोर्टफोलियो मूल्यों के लिए शुल्क 100 रुपये होना चाहिए। यदि पोर्टफोलियो मूल्य 10 लाख रुपये से अधिक है तो BSDA को ऑटोमैटिक रूप से नियमित डीमैट खाते में परिवर्तित कर दिया जाना चाहिए। नियामक ने कहा कि खाताधारकों को इलेक्ट्रॉनिक विवरण मुफ्त प्रदान किए जाने चाहिए

### क्या है बेसिक डीमैट अकाउंट

इसका मतलब ऐसे अकाउंट से है, जिसमें बेसिक सुविधाएं मिलती हैं। इस अकाउंट की मेंटिनेंस कॉस्ट कम होती है। यह अकाउंट ऐसे रिटेल निवेशक के लिए होता है जो स्टॉक्स, बॉन्ड्स, ETF, म्यूचुअल फंड्स आदि में नियमति रूप से निवेश नहीं करते।

### 'कस्टमर्स के अकाउंट में शेयर बिक्री का पैसा'

मार्केट रेगुलेटर सेबी ने शेयर बिक्री के पैसे को सीधे ग्राहकों के अकाउंट में जमा करना अनिवार्य बना दिया है। ग्राहकों के पैसों का जोखिम कम करने के उद्देश्य से सेबी ने यह कदम उठाया है। मार्केट रेगुलेटर की ओर से बुधवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, यह नए नियम 14 अक्टूबर 2024 से प्रभावी होंगे। सेबी ने सुझाव दिया है कि यदि ग्राहक और ब्रोकर के खातों में कोई असमानता पैदा होती है तो क्लीयरिंग कॉरपोरेशन ट्रेडिंग सदस्य या क्लियरिंग सदस्य नीलामी के जरिये इसकी भरपाई कर सकते हैं। ऐसे मामलों में ब्रोकर कोई शुल्क नहीं ले सकेंगे। मई 2023 में सेबी ने ग्राहकों के शेयरों के पैसों के भुगतान के संबंध में कई प्रक्रियाएं पेश की थीं। मौजूदा नियमों के तहत क्लीयरिंग कॉरपोरेशन शेयर बिक्री के बाद ब्रोकर के पूल अकाउंट में पैसा जमा करते हैं। इसके बाद ब्रोकर संबंधित ग्राहकों के डीमैट खाते में यह राशि भेजता है।

# यूथ को भा रही सिल्वर जूलरी, 1000 शोरूम खोलने की तैयारी!

Sudha.Shrimali@timesgroup.com

AI Image

■ मुंबई: सिल्वर की लगातार बढ़ रही डिमांड और कीमतों ने निवेशकों से लेकर रिटेल खरीदारों में इसकी पूछ को बढ़ा दिया है। इंडस्ट्री के अनुसार कभी गरीबों की गोल्ड कही जाने वाली सिल्वर, अब भविष्य का गोल्ड होने जा रही है। तेजी से मिलेनियल्स की पसंदीदा बनी सिल्वर जूलरी और आर्टिकल्स से इसकी रिटेल खपत ने नई ऊंचाइयों को छू लिया है।

IBJA के नैशनल सेक्रेटरी सुरेंद्र मेहता के अनुसार पिछले एक साल में सिल्वर का 3600 टन इंपोर्ट हुआ। इंडस्ट्रियल(सोलर, ईवी आदि में) और रिटेल(जूलरी, सिक्के आदि) डिमांड के चलते पिछले चार महीनों में ही सिल्वर का 4172 टन इंपोर्ट हो चुका है। इसमें 22-30 पर्सेंट रिटेल जूलरी, सिक्के और आर्टिकल्स आदि के लिए हुआ है। यह आने वाले समय में 40 पर्सेंट तक होने का अनुमान है। इसकी एक वजह ये है कि गोल्ड तेजी से महंगा होता जा रहा है। AI इनोवेशन से गोल्ड में सिल्वर के मिक्स से जूलरी को अफोर्डेबल बनाने की तैयारियां भी की जा रही हैं।

लक्ष्मी डायमंड्स के प्रमुख और वर्ल्ड सिल्वर काउंसिल के चेतन कुमार मेहता का कहना है कि आज सिल्वर 90,000 रुपये प्रति किलो पर है। जिस तरह की डिमांड है, यह आगे ही बढ़ने वाली है। सिल्वर जूलरी की डिमांड इतनी तेजी से बढ़ी है कि आने वाले एक साल में बड़े ऑर्गेनाइज्ड प्लेयर्स के साथ भारत में लगभग 1000 एक्सक्लूसिव सिल्वर जूलरी शो-रुम देखने को मिलेंगे। अभी जिन्होंने अपने शो-रुम में एक काउंटर रख रखा है, वे डिमांड को देख इसकी तैयारी में लगे हैं। सात जून से मुंबई के जियो कंवेंशन सेंटर में देश भर से सिल्वर शो ऑफ इंडिया में 150,000 डिजाइन 800 प्लेयर्स द्वारा एग्जिबिट की जा रही है। विश्व के सबसे बड़े इस शो में 350 टन सिल्वर डिस्प्ले होगी।

**'मिलेनियल्स को पसंद रियल मेटल'** : RV अग्रवाल इंपेक्स के प्रमुख संजय अग्रवाल ने बताया कि मिलेनियल्स में सिल्वर की लाइट वेट जूलरी की डिमांड तेजी से बढ़ रही है। वे रियल मेटल पहनना पसंद कर रहे। सिल्वर जूलरी पहनने का वेस्टर्न कॉसेप्ट अब इंडिया में चल रहा है।


TIMES interact — Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad | Logon to: ads.timesgroup.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

**भर्ती**

**भर्ती-रिक्त पदों की स्थिति**

**विपणन, विज्ञापन और बिक्री**

**विपणन (मार्केटिंग)**

A large packaging units having locations near Chandigarh in Himachal Pradesh and Punjab require technocrat Engineer having experience 5 to 10 years in marketing/-sales/purchase in white goods industries and management, but flair in design must and can travel extensively. Salary commensurate with experience. Send resume: mktgsales24@gmail.com in confidentiality.

**अन्य रिक्तियां**

**सामान्य**

MISS Delhi Teen 2024 BY CWN FEMME Fashion Magazine 15.08.2024AT Delhi entry free. interested Girls send details at Mob. 9999294054 cwnfemme.corp@gmail.com

**एकाधिक रिक्तियां**

INDIA'S MOST Reputed Bank Reqs Retd./VRS Banker/ CA, Retd.Govt./Pvt.Empl/Housewives/ B'man For full /part time Sal+PF+Inc.Chetna- 8587944858

**बिजनेस**

**बिजनेस प्रस्ताव**

EARN in thousands, Invest 1 Lakh. Auto Parts Plant, Labour Marketing, Facility with 100% Buyback Agreement # # 011-45720199, 9910492487.

**परामर्शदाता**

CONSULTANCY for Cyber Security and ISO 27001:2022. Please connect : AAA Trainers 9811283339

**बिक्री के लिए**

IMMEDIATE Sale of Very Exclusive Household Goods, Sofa, Dining Table, Beds, A/c, L.C.D., Creta Car 2018 & Many more. Contact: 7838088778.

**वैवाहिक**

**वर चाहिए**

**धर्म आधारित**

**मुस्लिम**

LUCKNOW Based Ansari Soft Spoken Religious Girl (Divorce) 35/5'2" MBA B.ed Seeks Settled Groom Contact. 7376126786

**टेंडर और नोटिस**

**सार्वजनिक सूचना (नोटिस)**

**PUBLIC NOTICE**
General Public is cautioned to beware of fake Website/ Calls/ App/ WhatsApp initiated by some unknown persons using the name of Pindi Securities LLP, for advising/opening account/ tips/receiving money. We hereby will like to inform that we at Pindi Securities LLP don't indulge in any client's activities. We do proprietary trade only.

**निविदाएं (टेंडर्स)**

**Health Insurance TPA of India Ltd.**
Majestic Omnia Building, 2nd Floor, A-110, Sector-4, Noida, UP-201301
Website : www.hitpa.co.in
**Tender Notice**
HITPA Invites Proposal for - Selection of Bidder for Integrated Claims Management Solution Including Portal and Mobile Application for HI-TPA for 5 years.
Interested Bidders may visit the tender section of our website www.hitpa.co.in for detailed notice, further information as well as for downloading of the tender document/s.
The Last date of Submitting the Duly completed tender is 01st July 2024 (05:00PM)

**National Co-operative Union of India**
**SHORT NOTICE INVITING TENDER**
Sealed Tender(s) are invited on prescribed proforma from reputed Contractors preferably registered with PSU/CP-WD/PWD/MES/DDA for Repair & Replacement of Old C.I. Pipes and Other Work in Shaft at NCUI Administrative Building, NCUI Complex, New Delhi-16. The Estimated Cost of the Work is Rs. Rs.9,27,500/- & the Period of Completion is (45) Days. **EMD:** Rs.20,000/- **Cost of Tender Document:** Rs. 1,000/- Detail may be seen on NCUI official website **www.ncui.coop.** Tender document is available from 06.06.2024 to 18.06.2024 from Estate Division and **last date & time for submission of tender** is 19.06.2024 by 03.00 p.m.
The Chief Executive (NCUI) 3 Siri Institutional Area, August Kranti Marg, New Delhi -110016 Tel.:+91-11-40793299,

**न्यायालय सूचना**

IN THE HIGH COURT OF DELHI AT NEW DELHI
(Testament Intestate, Jurisdiction)
Citation U/S 283, Indian Succession Act, 1925
In the matter of TEST. CAS. No. 17/2024
SHAMBHU ....Petitioner
versus
THE STATE & ORS. ...Respondents
To,All Concerned,In the matter of estate of Late Shri Surender Mohan Tarun, S/o Shri Basant Ram, R/o 31-Feroz Shah Road, New Delhi. Whereas Shri Shambhu, S/o Jagpal, R/o C-113-B, Rajpur Khurd, Chattarpur, New Delhi- 110068, has filed a petition u/s 276/278 read of the Indian Succession Act, 1925 for grant of Letters of Administration in respect of Will dated 03.07.1998 executed by Shri Surender Mohan Tarun, deceased. And whereas the aforesaid case is fixed for hearing before Joint Registrar (Judicial) of this Court on 15.07.2024 at 11:00 A.M. This citation is issued in terms of Section 283 of the said Act to all persons claiming to have any interest in the property/properties of the said deceased to come to this Court, file objections, if any, and take part in the proceedings on the date specified above for the grant of Letters of Administration.Given under my hand and the seal of this Court, in terms of the order dated 08.05.2024.
ASSISTANT REGISTRAR (O), FOR REGISTRAR GENERAL GM

**व्यक्तिगत**

**नाम परिवर्तन**

I Zulfiquar Ahmed Khan S/o Lahik Ahmed Khan R/o RZ60A/284, Gali no 1, Geetanjali Park, West Sagarpur, South West Delhi 110046 have changed my name from Zulfiquar ahmed khan to Zulfakar Ahmed Khan for all future purposes.

I Seema Rani alias Seema Dabas d/o Lal Singh Dabas r/o B-58 Jal Vayu Vihar Sector-30 Gurugram has changed my name from Seema Rani/Seema Dabas to Seema Singh for all future purposes vide affidavit dtd 03.06.2024 before Executive Magistrate Gurugram

I, Rajeev Khanna S/o Rama Shankar Khanna R/o H.No. 3, Link Road, DLF Chattarpur Farms, Delhi-74 have changed my name to Rajiv Khanna

I, Disha Kaur W/o Sh. Gurdeep Singh R/o D-24,Mansarovar Park, Shahdara Delhi-110032, inform that my Correct Name is Disha Kaur In Aadhar card and sonu in school both are same person.

**लापता**

**गुमशुदा की तलाश**
यह लड़का बोल नही सकता

किसी व्यक्ति को ये लड़का दिखायी दे तो नीचे दिये गये पते या मोबाइल नंबर पर संपर्क करे! उसको उचित इनाम दिया जायेगा
नाम – विवेश कुमार (बिब्बे)
पिता का नाम–अनंत राम
पता– H No . B-793, गली नं. 14 मदनपुर खादर एक्सटेंशन,सरिता विहार दक्षिण दिल्ली–110076
9871501799
7042933141
8800501446

TIMES interact — To advertise in Classifieds, please Call
Amit : 98117 90649 for Recruitment Ads
Sunil : 9999499496 for Property ads
Aman : 9312633518 for Business Ads
Scan QR Code

Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

HEALTH & WELLNESS

शादी से पहले/शादी के बाद विवाहित जीवन में पायें नई खुशियाँ नया जोश नई उमंग
SEX समस्या गुप्त रोगों की आयुर्वेदिक सलाह लें
आकाश दवाखाना समय 10–7 तक
एक्सप्रेस टावर आकाश सिनेमा के पीछे आजादपुर दिल्ली
Call: 9953396533

सेहत बनायें वजन बढ़ायें
अगर आप खाते पीते बहुत हैं, फिर भी सेहत नहीं बनती, तो हमारी सलाह द्वारा औषधि का सेवन करें और 15 ही दिन में फर्क देखें
सिर्फ ₹699 महीना
घर बैठे दवा मंगवायें
सन्यासी आयुर्वेदा
2284,कोड़िया पुल चौक,पुरानी दिल्ली • मंगोलपुरी • कालकाजी
फ्री सलाह: 8527001155

SEX रोगों के लिए DR. VIKRAM SABLOK
सबलोक फार्मेसी चाँदनी चौक
फतेहपुरी,(बीकानेर वाला के ऊपर) ब्रांच– निकट लक्ष्मीनगर मैट्रो स्टेशन
9811195025
मिलते जुलते नाम से सावधान

SEX Problems? स्थायी इलाज के लिए
चेतन आयुर्वेदा
बदरपुर • दरियागंज • भजनपुरा • छतरपुर
3583, Main Road, Daryaganj N.D.-2
9817469817

TIMES interact SPECIAL

For Lease/Rent
Large Warehouse space suitable for heavy industries ranging from 50,000 Sqft to 1,50,000 Sqft with EOT Cranes, Weighbridge etc in the heart of Mysore, Karnataka with Built-to-suit/ Ready-built options.
Contact : 9113911001
Email : warehouseinmysore@gmail.com

To place an ad in TIMES interact
For Change of name, Lost & Found ads
Call Pankaj : 8130604727

7HILLS GLOBAL SOLUTIONS INC (Laxmi Fincorp)
BUSINESS LOANS
2 CRORES & ABOVE
RATE OF INTEREST STARTED 5.5% Per Annum
Secured Loan
Unsecured Loan
Business Loan
SME/Corporate
Project Loan
NPA Release
CIBIL NOT REQUIRED
7448972296
7448972209
7hillsglobal01@gmail.com | www.laxmifincorp.in

TIMES interact — Connecting People, Connecting Needs.
TO ADVERTISE IN CLASSIFIEDS PLEASE CALL:
TENDER / PUBLIC NOTICE: 9312633518
CHANGE OF NAME / LOST & FOUND: 8130604727
PROPERTY: 9999499496
RECRUITMENT & EDUCATION: 9811790649
MATRIMONIAL: 9310298131
SHOPPING: 9312633518
BUSINESS: 9312633518
SERVICES / VEHICLES & TRAVEL: 9999499496

# ऑफिस में न बने खराब छवि, इस तरह के कामों से रहें दूर

**वर्कप्लेस पर** जरूरी होता है कि आप अपनी इमेज अच्छी बनाकर रखें। लेकिन, कई बार कुछ गलत आदतों के कारण ऑफिस में आपकी इमेज खराब हो जाती है। इसकी वजह से आपको भारी नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। जानें ऐसी ही कुछ आदतों के बारे में जिन्हें ऑफिस में बिलकुल भी नहीं अपनाना चाहिए:

**फ्री की आदत:** किसी भी काम में फ्री की आदत वर्कप्लेस पर गलत इमेज बनाने वाला का प्रमुख कारण हो सकती है। अगर कोई टीम की उम्मीद के मुताबिक परफॉर्मेंस नहीं करता और हमेशा इस उम्मीद में रहता है कि उसके हिस्से का काम कोई और कर दे। इससे उसके सहकर्मी उससे नफरत करने लगते हैं। अगर किसी काम में दिलचस्पी नहीं है या उसे पसंद न करते हों तो दूसरे अवसर की तलाश करें। अगर वहीं रहना है तो फिर जितना काम टीम के दूसरे साथी करते हैं, खुद को भी उतना ही काम करना होगा।

**घमंड:** काम में आगे बढ़ने के लिए कुछ हद तक प्रतियोगिता जरूरी है। लेकिन अपनी योग्यताओं और सफलताओं को लेकर घमंड नहीं करना चाहिए। जो साथी अपना टारगेट हासिल करने में नाकाम रहते हैं, उनकी मदद करें। ज्यादा प्रतिस्पर्धा से नुकसान हो सकता है।

**नैतिकता:** ऑफिस में गलत तरीके से कपड़े पहनना, निजी मामलों पर बात करना, ई-मेल के शिष्टाचार का पालन न करना, वर्कप्लेस पर लोगों पर चिल्लाना, गलत जोक करना, यह वर्कप्लेस की नैतिकता के खिलाफ है। ऐसे में शख्स को व्यवहार बदलना पड़ेगा या फिर घर से काम करना होगा।

**दखलअंदाजी:** दूसरे काम में दखलअंदाजी न करें। हर किसी अपना काम अपने ढंग से करने का हक है। जब तक आपकी ड्यूटी उनको सही बताने की न हो तब तक आपको दखलअंदाजी से बचना चाहिए।

**क्रेडिट:** अगर आप किसी प्रफेशनल्स के काम का क्रेडिट खुद के नाम ले लेते हैं तो आपको इसके लिए कोई माफ नहीं करेगा। स्मार्ट तरीका तो यह है कि आप अपनी उपलब्धि का क्रेडिट भी टीम को दें। बॉस खुद पता लगा लेगा कि वास्तव में किस का कितना योगदान है।

**मीटिंग:** मीटिंग में ज्यादा बोलते हैं और दूसरे लोग जल्द वापस जाकर काम करना चाहते हैं या फिर जरूरी सूचना देने लायक भी अगर आप नहीं बोलते हैं। दोनों ही स्थिति गलत है। आपको इसमें संतुलन लाना चाहिए। आपको उतना ही बोलना चाहिए जितने में अपनी बात अच्छी तरह से समझा सकें।

**चापलूसी:** भले ही आपकी चापलूसी को आपके बॉस पसंद करें लेकिन सहकर्मी इसको बर्दाश्त नहीं करेंगे। दूसरी तरफ बॉस की ज्यादा आलोचना करना भी नुकसान का सौदा होगा। इसलिए बीच का रास्ता अपनाएं। बॉस की न ज्यादा तारीफ और न ही जरूरत से ज्यादा आलोचना करें, जो सही बात हो वह बोलें।

## इन चीजों पर बिलकुल न करें बहस

**धर्म:** एक वर्कप्लेस पर अलग-अलग धर्मों के लोग काम करते हैं। किसी दूसरे धर्म की बुराई करने से उस धर्म के मानने वाले लोगों की भावना आहत हो सकती है।

**राजनीति:** राजनीति को लेकर लोगों की अलग-अलग सोच होती है। हो सकता है मौजूदा सरकार के कामकाज के तरीके से आप खुश न हों लेकिन दूसरों को कोई शिकायत नहीं हो।

**निजी समस्या:** किसी भी इंसान के निजी जीवन में समस्या हो सकती है। यह समस्या पति या पत्नी और बच्चों के कारण हो सकती है। लेकिन वर्कप्लेस पर इस पर चर्चा करने से आपको लेकर नेगेटिव धारणा बनेगी।

**करियर से जुड़ी आकांक्षाएं:** अपने सहकर्मी से अगर इस बारे में बात करेंगे तो आपका नुकसान हो सकता है। इससे कंपनी के प्रति आपकी वफादारी पर सवाल उठेगा। इसलिए भविष्य की अपनी आकांक्षाओं और योजनाओं के बारे में सहकर्मियों से बातचीत न करें तो बेहतर है।

# सही करियर चुनने के 5 टिप्स

सही करियर का चुनाव करते समय इन बातों का ध्यान रखें:

**जिसमें खुशी उसे चुनें:** जीवन में किसी भी चीज का चुनाव करते समय सबसे पहले इस बात का ध्यान रखें कि क्या यह फैसला आपको खुशी देगा?

**वर्क स्टाइल को देखें:** अगर आप डेडलाइन को पूरा करने में एक्सपर्ट हैं तो आप कॉर्पोरेट में अपना करियर चुन सकते हैं।

**प्रायोरिटी का ध्यान रखें:** जब बात करियर की आती है तो सबसे पहले अपनी प्रायोरिटी का ध्यान रखें। ध्यान दें कि आप पूरा जीवन किसी एक कार्य में बिताना चाहते हैं या कई क्षेत्रों को एक्सप्लोर करना चाहते हैं।

**मौके भी तलाशते रहें:** कई बार ऐसा भी होता है नया करियर चुनने में गलत फैसला हो जाता है। अपनी पसंद की जॉब के मौके तलाशते रहें। इसके लिए LinkedIn जैसी प्रोफेशनल वेबसाइट का इस्तेमाल करें और अपनी पसंद की जॉब तलाशें।

**एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें:** अगर आप करियर के चुनाव में बेहद कंफ्यूज हैं तो आप इसके लिए किसी एक्सपर्ट की सलाह ले सकते हैं।


**नई दिल्ली नगरपालिका परिषद**
( विद्युत स्थापना – I ) कार्मिक विभाग
पालिका केंद्र, संसद मार्ग, नई दिल्ली–110001

**रिक्ति परिपत्र**
(समय विस्तार)

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने रिक्ति परिपत्र संख्या A-35021/5/2022-E(Estt.)-I दिनांक 31.01.2024 और A-12011/2/2024-E(Estt.)-I दिनांक 16.04.2024, के तहत संशोधित 7वीं सीपीसी वेतन मैट्रिक्स में वेतन 14 में मुख्य अभियंता (इलेक्ट्रिक) के 01 पद को प्रतिनियुक्ति के आधार पर भरने का प्रस्ताव किया है, जिसमें आवेदन भरने की अंतिम तिथि 20.05.2024 थी।

रिक्ति परिपत्र दिनांक 20.05.2024 की निरंतरता में, आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि को सभी प्रकार से 10.06.2024 (सोमवार) तक की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया है।

**निदेशक (कार्मिक)**

राजधानी शहर के लिए वैश्विक मानदण्ड के लिए तत्पर



**JAIPUR NATIONAL UNIVERSITY | NAAC ACCREDITED A+**

**REQUIREMENT**

**Applications are invited for the following positions**

**DIRECTORS - ENGINEERING / COMPUTER SCIENCE / MEDIA**

Aspirants with proven record of academic excellence. Ph.D in Computer Science / Mass Media & Journalism from a reputed University/Institution, preferably with 10 Yrs. teaching/ research/industry experience with publications in relevant areas in reputed indexed journals and experience of guiding Ph.D students.

**Professors, Associate Professors, Assistant Professors**

- **Life and Basic Sciences :** Bioinformatics, Botany & Biotechnology.
- **Allied Health Sciences :** Medical Laboratory Technology, Nutrition and Dietetics, Radio Imaging Technology, Operation Theater Technology, Cardiac Care Technology & Forensic Science.
- **Education** : Chemistry in B.Sc. B.Ed programme.
- **Business and Management** : Finance, Marketing, HR & General Management, Logistics & Supply Chain Management, Business Analytics, Operations & Productions Management, Banking & Finance, Retail Management, Agri Business Management, Pharmaceutical, Digital Marketing & IT.
- **Agriculture :** Genetics and Plant Breeding, Geo Informatics, Nanotechnology & Precision Farming.
- **Engineering :** Programming Languages, Data Structure & Algorithms, Networking, Machine Learning, Computer Architecture & Cyber Security, Food technology & Engineering Physics.
- **Hotel Management :** Food Production, Tourism & House Keeping.
- **Pharmacy :** Pharmaceutical Chemistry, Pharmacology, Pharmaceutics, Pharmaceutical Analysis/QA & Pharmacognosy.
- **Law :** Criminal Law & Corporate Law, Intellectual & Property Rights (IPR), Constitutional Law & International Law.
- **Languages, Literature & Society :** Literature, Linguistics, Communication & Public Speaking.
- **Psychology :** B.A. / B.Sc. Psychology.
- **Physiotherapy :** Paediatrics, Obstetrics & Gynaecology.
- **Fashion Design :** Fashion Illustration & Design, Textile Processing, Portfolio Building, Fashion Forcasting, Fashion Marketing & Management, Luxury Management, Advanced Draping, Illustration & Creative Textile.
- **Media :** Digital Media & Mobile Journalism, Event Management, Radio Production.

(Qualification, Experience & Salary as per UGC/AICTE Norms, NET qualified/Ph.D will be preferred)

**Non-Teaching Posts**

- **Coordinator Accreditations :** Professional with track academic record with Ph.D. and five years experience of excellently seeing through the assessment and accreditation processes like NAAC etc. of reputed Universities as per latest norms.
- **Registrar/Dy. Registrar/Asstt. Registrar :** Graduate with 5-7 years of experience in a reputed University with good communication and computing skills, legal matter experience holder/ERP Handling having experience of managing Online and Distance Education programmes.
- **Controller of Examination :** Min. 10 years experience preferably in Examination Section of reputed University. Should have good communication & computing skills along with knowledge of examination and ERP system.
- **Training & Placement Officer :** Master's Degree in any discipline, good communication & computing skills, having experience of 5-7 years training. development & placement work in a reputed University / Institution.
- **Admission Counsellor/Office Assistant :** Graduate with 2-3 years of experience in a University /Higher Academic Institution having good communication & computing skills, knowledge of English & Hindi Typing for office assistant in a reputed organization.
- **CA/Accountant :** Master's degree in accounting with 5 years of experience in reputed university/hospital with knowledge of accounting softwares/ ERP.
- **HR**: Master's degree with 4-5 years of experience in a reputed University/Hospital with good communication & computing skills.
- **IT Manager/IT Executive :** B.Tech./Diploma with 3-5 Year of Experience in IT Infrastructure Management/Hardware/Software knowledge in University/ Hospital. CCNA/CCNP/MCSE Certificate will be an added advantage.
- **Librarian :** M.Lib./B.Lib. with 2-3 years of experience in a University/Higher Academic Institution having good communication skills and knowledge of computer,LMS/softwares, E-resources, E-Journals.
- **Sports Officer :** Relevant experience with good communication skills and computer knowledge.

Interested candidates should apply within 7 days along with detailed CV, a recent passport size photograph and self attested copies of marksheets and certificates/testimonials at the following address:

**The Registrar, Jaipur National University, Jaipur,** Near New RTO Office (Jaipur-Agra Byepass), Jagatpura, Jaipur-302017 (Raj.)
Ph.: 0141-3127000 | Email: info@jnujaipur.ac.in | Web: www.jnujaipur.ac.in



हिन्दुस्तान पेट्रोलियम | G20 भारत 2023 INDIA | LiFE Lifestyle for Environment

**खुशियाँ बाँटने में हमारे साथ भागीदार बनें**

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड एक महारत्न केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम (सीपीएसई) है, जिसकी बेंगलुरू में स्थित 'एचपी हरित अनुसंधान एवं विकास केंद्र' नाम से अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास केंद्र है और इसके योगदान से पेट्रोलियम उत्पादों की रिफाइनिंग तथा विपणन में मजबूत पकड़ हैं।

हम पर्यावरण को सुरक्षित रखने और संसाधणीय विकास के साथ व्यवसाय संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम सार्थक कार्य रूपरेखा, अपार विकास के अवसर, समावेशी संस्कृति और बेहतर कर्मचारी निष्पादन की मान्यता प्रदान करना, राष्ट्र के विकास में योगदान देते हुए देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करके खुशियाँ प्रदान करते हैं।

हमारी प्रतिभाशाली टीम में शामिल हों और अपने करियर को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं तथा खुशियां बांटें। विस्तृत विज्ञापन के लिए हमारे करियर पेज *http://hindustanpetroleum.com* पर जाएँ।

**उपलब्ध पद**

अनुसंधान एवं विकास प्रोफेशनल्स | इंजीनियर्स | चार्टर्ड एकाउंटेंट | पेट्रोकेमिकल प्रोफेशनल्स | गैर-ईंधन व्यवसाय प्रोफेशनल्स | सिटी गैस वितरण परिचालन एवं अनुरक्षण/परियोजनाएं प्रोफेशनल्स | सूचना प्रणाली | गुणवत्ता नियंत्रण प्रोफेशनल्स

**महत्त्वपूर्ण तिथियाँ :**
- ऑनलाइन आवेदन आरंभ होने की तिथि: 5 जून, 2024
- गैर-अनुसंधान एवं विकास पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि : 30 जून, 2024
- अनुसंधान एवं विकास पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि : 20 जुलाई, 2024

सार्थक कार्य | विकास के अवसर | अग्रणी तकनीक | समावेशी संस्कृति | पुरस्कार एवं मान्यता | संसारणीयता एवं उत्तरदायित्व | टीम भावना

पंजीकृत कार्यालय : 17, जमशेदजी टाटा रोड, मुंबई - 400020
सीआईएन नं.: एल23201एमएच1952जीओआई008858

Delivering Happiness

/hpcl | /hpcl | /hpcl
www.hindustanpetroleum.com


## JOBS अलर्ट

**● इंजिनियर**
**पोस्ट:** Junior Engineer
**संस्थान:** UPSSSC
**पदों की संख्या:** 4016
**आखिरी तारीख:** 7 जून
**वेबसाइट:** www.upsssc.gov.in

**● नॉन टीचिंग जॉब**
**पोस्ट:** Non Teaching Recruitment
**संस्थान:** IIT Jodhpur
**पदों की संख्या:** 122
**आखिरी तारीख:** 15 जून
**वेबसाइट:** www.erponline.iitj.ac.in

**● आईटी असिस्टेंट**
**पोस्ट:** Accountant Cum IT Assistant
**संस्थान:** Bihar Gram Swaraj Yojna Society
**पदों की संख्या:** 6570
**आखिरी तारीख:** 9 जून
**वेबसाइट:** www.bgsys.onlineregistrationforms.com

**● आर्मी**
**पोस्ट:** Technical Entry Scheme
**संस्थान:** Indian Army
**पदों की संख्या:** 90
**आखिरी तारीख:** 13 जून
**वेबसाइट:** joinindianarmy.nic.in

**● रेलवे**
**पोस्ट:** Trade Apprentices
**संस्थान:** ICF, Chennai
**पदों की संख्या:** 1010
**आखिरी तारीख:** 21 जून
**वेबसाइट:** www.pb.icf.gov.in/act/index.php

**● पुलिस**
**पोस्ट:** Constable, HC, ASI, SI
**संस्थान:** BSF (Group-B&C)
**पदों की संख्या:** 144
**आखिरी तारीख:** 17 जून
**वेबसाइट:** www.rectt.bsf.gov.in

**● नवोदय विद्यालय**
**पोस्ट:** काउंसलर
**संस्थान:** नवोदय विद्यालय समिति
**आखिरी तारीख:** 15 जून
**वेबसाइट:** www.navodaya.gov.in/nvs/nvs-school/PATNA/en/home/index.html

**● एयर फोर्स**
**पोस्ट:** AFCAT
**संस्थान:** Indian Air Force
**पदों की संख्या:** 277
**आखिरी तारीख:** 28 जून
**वेबसाइट:** afcat.cdac.in

**● एम्स**
**पोस्ट:** Junior Resident
**संस्थान:** AIIMS, Delhi
**पदों की संख्या:** 220
**आखिरी तारीख:** 15 जून
**वेबसाइट:** aiimsexams.ac.in

**● यूपीएससी**
**पोस्ट:** डिप्टी सुपरिंटेंडेंट व अन्य
**संस्थान:** UPSC
**पदों की संख्या:** 322
**आखिरी तारीख:** 13 जून
**वेबसाइट:** upsconline.nic.in

**● हेल्थ इंस्पेक्टर**
**पोस्ट:** जूनियर हेल्थ इंस्पेक्टर
**संस्थान:** KPSC
**पदों की संख्या:** 9
**आखिरी तारीख:** 19 जून
**वेबसाइट:** www.keralapsc.gov.in

**● बैंक**
**पोस्ट:** बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट सुपरवाइजर
**संस्थान:** सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
**आखिरी तारीख:** 10 जून
**वेबसाइट:** centralbankofindia.co.in


**बामर लॉरी एण्ड कं. लिमिटेड** (भारत सरकार का एक उद्यम)
**Balmer Lawrie & Co. Ltd.** (A Government of India Enterprise) SINCE 1867

157 वर्षों के विश्वास, विश्वसनीयता तथा पारदर्शिता की विरासत वाला बहु-व्यवसाय समूह

**हमारे विकास की यात्रा का हिस्सा बनें! कुछ अलग करें...**

बामर लॉरी (मिनीरत्न-I) आवेदन आमंत्रित करती है

**ग्रीसेस & लुब्रिकेंट्स**
कनिष्ठ अधिकारी [उत्पादन] - चेन्नई - 1 पद
कनिष्ठ अधिकारी [गुणवत्ता आश्वासन] - चेन्नई / कोलकाता - प्रत्येक में 1 पद

**इंडस्ट्रियल पैकेजिंग**
कनिष्ठ अधिकारी [उत्पादन]
बड़ौदा / असौटी - प्रत्येक में 2 पद | सिलवासा / तलोजा - प्रत्येक में 1 पद
कनिष्ठ अधिकारी [एससीएम] - सिलवासा / बड़ौदा / मुंबई - प्रत्येक में 1 पद
कनिष्ठ अधिकारी [वैद्युतिक] - असौटी - 1 पद

**लॉजिस्टिक्स सर्विसेस**
कनिष्ठ अधिकारी [प्रचालन] - हैदराबाद - 1 पद

चयन केवल ऊपरोक्त पदों के लिए एक ही समय में एक ही तारीख को आयोजित लिखित परीक्षा पर आधारित होगा।

**अंतिम तारीख : 5 जुलाई , 2024**

अन्य कार्यपालक / कनिष्ठ अधिकारी पदों (नियमित / निश्चित अवधि) के लिए दिनांक 05/06/2024 को जारी वेबसाइट विज्ञापन देखें

विवरण एवं आवेदन के लिए कृपया
Careers at https://www.balmerlawrie.com/pages/currentopening पर लॉग ऑन करें।

पंजीकृत कार्यालय : 21, एन एस रोड, कोलकाता-700 001 • सीआईएन : L15492WB1924GOI004835

Balmerol Lubricants | Balmer Lawrie Industrial Packaging | BALMOL | Balmer Lawrie Refinery & Oil Field Services | Balmer Lawrie Logistics | Balmer Lawrie Logicold | Balmer Lawrie Travel & Vacations | Balmer Lawrie Vacations Exotica The Holiday Brand

उपस्थिति : इंडस्ट्रियल पैकेजिंग | ग्रीसेस & लुब्रिकेंट्स | केमिकल्स | आरओएफएस | लॉजिस्टिक्स (सर्विसेस, इंफ्रास्ट्रक्चर, कोल्ड चेन) | ट्रैवेल & वेकेशंस



**बामर लॉरी एण्ड कं. लिमिटेड** (भारत सरकार का एक उद्यम)
**Balmer Lawrie & Co. Ltd.** (A Government of India Enterprise) SINCE 1867

157 वर्षों के विश्वास, विश्वसनीयता तथा पारदर्शिता की विरासत वाला बहु–व्यवसाय समूह

**हमारे विकास की यात्रा का हिस्सा बनें! कुछ अलग करें...**

बामर लॉरी (मिनीरत्न–I) आवेदन आमंत्रित करती है

**नियमित रोल पर**

**सहयोगी सेवाएँ**
उपाध्यक्ष [परियोजनाएं] – चेन्नई – 1 पद

**लेखा एवं वित्त**
उप प्रबंधक [लेखा एवं वित्त] – चेन्नई – 1 पद
सहायक प्रबंधक [लेखा एवं वित्त] चेन्नई/मुंबई – प्रत्येक 1 पद

**कोल्ड चेन**
उप प्रबंधक [बिक्री और विपणन] – पातालगंगा/राई – प्रत्येक 1 पद
युनिट प्रमुख [कोल्ड चेन] – राई – 1 पद

**कॉर्पोरेट आईटी**
सहायक प्रबंधक [एसएपी एबीएपी] – कोलकाता – 1 पद
सहायक प्रबंधक [फिको प्रकार्यात्मक] – कोलकाता – 1 पद

**इंजीनियरिंग एवं परियोजनाएँ**
प्रबंधक [प्रचालन] – कोलकाता – 1 पद

**ग्रीसेस & लुब्रिकेंट्स**
वरिष्ठ प्रबंधक [ब्रांड] – कोलकाता – 1 पद
उप प्रबंधक [ब्रांड] – कोलकाता – 1 पद
उप प्रबंधक [खुदरा बिक्री] – लखनऊ – 1 पद
सहायक प्रबंधक [गुणवत्ता आश्वासन] – चेन्नई – 1 पद

**लॉजिस्टिक्स सर्विसेस**
सहायक प्रबंधक [प्रचालन] – मुंबई – 1 पद

अन्य खुले नियमित कनिष्ठ अधिकारी पदों के लिए (14) 05.06.2024 को जारी वेबसाइट विज्ञापन पर जाएँ

**निश्चित अवधि के अनुबंध पर**

**केमिकल्स**
सहायक प्रबंधक [विपणन] – चेन्नई – 1 पद
कनिष्ठ अधिकारी [पीडीसी एवं पायलट प्लांट] – चेन्नई – 1 पद

**इंडस्ट्रियल पैकेजिंग**
कनिष्ठ अधिकारी [मानव संसाधन/प्रशासन] – मुंबई–1 पद

**लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर**
कनिष्ठ अधिकारी [प्रचालन] – विशाखापट्टनम – 1 पद

**अंतिम तिथि: 05 जुलाई 2024**

विवरण और आवेदन के लिए, करियर्स पर लॉग–ऑन करें
https://www.balmerlawrie.com/pages/currentopening

पंजीकृत कार्यालय: 21 एन.एस.रोड, कोलकाता–700 001 CIN: L15492WB1924GOI004835

Balmerol Lubricants | Balmer Lawrie Industrial Packaging | BALMOL | Balmer Lawrie Refinery & Oil Field Services | Balmer Lawrie Logistics | Balmer Lawrie Logicold | Balmer Lawrie Travel & Vacations | Balmer Lawrie Vacations Exotica The Holiday Brand

उपस्थिति: इंडस्ट्रियल पैकेजिंग। ग्रीसेस & लुब्रिकेंट्स। केमिकल्स। आरओएफएस। लॉजिस्टिक्स (सर्विसेस, इन्फ्रास्ट्रक्चर, कोल्ड चेन)। ट्रैवल & वेकेशंस



**Damodar Medical Centre & Research Institute (DMCRI)**

An upcoming Medical College and Research centre with Residential facility Requires

■ **MS (Medical Superintendent) and DMS for Hospital**

➢ **Doctors** : MBBS MD/MS in General Surgery, Medicine, Paediatrics, Gynaecology and Orthopedic specialties
➢ **NS** (Nursing Superintendent), Hospital Manager, PRO and Nurses
➢ **Technicians** : Medical Lab, Operation Theatre, X-Ray, Medical Record Technician

Salary No Bar for deserving candidates
Send your profile to :
**resumes@advancedinstitutions.com**
Delhi Mathura Road, Palwal - 121105 Hry.
Contact : **9254039143, 9354492705**



**SEEDLING GROUP OF SCHOOLS**
(Affiliated to C.B.S.E. New Delhi, 10+2)

MORE THAN 30 YEARS IN EDUCATION
THE NUMBER ONE BRAND FROM PRE-PRIMARY TO UNIVERSITY
**FACULTY REQUIREMENT FOR SESSION 2024-25**

**PRINCIPAL** — Masters degree and B.Ed. with a minimum 10 years teaching experience out of which 5 years experience should be in administrative capacity in an English medium senior secondary school.

**VICE PRINCIPAL** — Masters degree and B.Ed. with a minimum 8 years teaching experience out of which 4 years experience should be in administrative capacity in an English medium senior secondary school.

(CBSE, Cambridge, IB Wing)

Sector-4, Park Lane, Jawahar Nagar, Jaipur | Mob.: 9351288083
E-mail: pa.ceo.director@seedlingschools.com | Website: www.seedlingschools.com



**आरईसी पावर डवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड**
(पूर्ववर्ती आरईसी पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड आरईसी लिमिटेड, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक 'महारत्न सीपीएसई' की पूर्ण स्वामित्व अनुषंगी)
REC Power Development

**भर्ती सूचना**

**संदर्भ संख्या :** RECPDCL/HR/FTA/2024/1

आरईसी पावर डवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसी पीडीसीएल) {पूर्ववर्ती आरईसी पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लिमिटेड} आरईसी लिमिटेड, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक ''महारत्न सीपीएसई'' की पूर्ण स्वामित्व अनुषंगी है। आरईसीपीडीसीएल भारतीय विद्युत क्षेत्र की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को विशेषज्ञ परामर्शी सेवाएँ प्रदान करती है। **हमें निर्धारित अवधि आधार पर इंजीनियरिंग, मानव संसाधन एवं विधि विषयों से अनुभवी प्रोफेशनलों की आवश्यकता है** जो ऊर्जावान, सक्षम, आत्मप्रेरित हों और जिनमें उत्कृष्ट संचार कौशल हों। अधिक जानकारी हेतु, इच्छुक अभ्यर्थी आरईसी पीडीसीएल वेबसाइट - **"www.recpdcl.in"** पर 'करियर्स' टैब देखें। **आवेदन करने की अंतिम तिथि 26.06.2024 है।**

कार्पोरेट कार्यालय : डी ब्लॉक, आरईसी विश्व मुख्यालय, प्लॉट सं. I-4, सैक्टर 29, गुरुग्राम, हरियाणा-122001, ई-मेल : co@recpdcl.in
वेबसाईट : www.recpdcl.in | सीआईएन सं. आरईसीपीडीसीएल - U40101DL2007GOI165779



**एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड**
(एआई एसेट्स होल्डिंग लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)

सामग्री प्रबंधन में रोजगार के अवसर
**वरिष्ठ कार्यकारी (सामग्री प्रबंधन), कार्यकारी एमएम–I और अधिकारी एमएम के पद हेतु निश्चित अवधि के आधार पर**

एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड (एआईईएसएल) योग्य उम्मीदवारों से निश्चित अवधि के आधार पर भारत भर में पीपीएमएम विभाग में वरिष्ठ कार्यकारी (सामग्री प्रबंधन), कार्यकारी एमएम–I और अधिकारी एमएम के पदो के लिए के लिए आवेदन आमंत्रित करता है:

| क्र. सं. | पदनाम | रिक्ति | आवेदन की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|
| 1) | वरिष्ठ कार्यकारी एम.एम. | 04 | 29 जून, 2024 |
| 2) | कार्यकारी एमएम–स्तर I | 11 | |
| 3) | अधिकारी –एमएम | 25 | |

पूर्ण विज्ञापन और आवेदन प्रपत्र के लिए, कृपया एआईईएसएल **(https://aiesl.in)** एवं एआईएएचएल **(http://www.aiahl.in/)** के करियर पेज पर लॉग ऑन करें। अभ्यर्थी इसे डाउनलोड कर आवेदन कर सकते है।



**भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू**
**Indian Institute of Management Jammu**

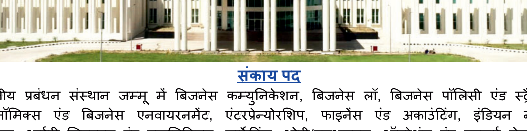

**संकाय पद**

भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू में बिजनेस कम्युनिकेशन, बिजनेस लॉ, बिजनेस पॉलिसी एंड स्ट्रैटेजी, इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस एनवायरनमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप, फाइनेंस एंड अकाउंटिंग, इंडियन नॉलेज सिस्टम, आईटी सिस्टम्स एंड एनालिटिक्स, मार्केटिंग, ओबी/एचआरएम, ऑपरेशंस एंड सप्लाई चेन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं ।

- **प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर एवं असिस्टेंट प्रोफेसर**
- **प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस एवं एसोसिएट प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस**

**प्रशासनिक पद**

निम्नलिखित आवेदन नियमित (आर)/अनुबंध (सी) पदों के लिए आमंत्रित किए जा रहे हैं:

| क्र/सं | पद | स्तर | वर्ग | कुल |
|---|---|---|---|---|
| 1 | सिस्टम मैनेजर (आर) | 11 | अनारक्षित | 1 |
| 2 | वित्त एवं लेखा अधिकारी (आर) | 10 | अनारक्षित | 1 |
| 3 | सुरक्षा अधिकारी (सी) | 10 | अनारक्षित | 1 |
| 4 | सहायक प्रशासनिक अधिकारी (शैक्षणिक) (आर) | 8 | अनुसूचित जाति, ओबीसी | 2 |
| 5 | सहायक लेखाधिकारी (आर) | 8 | अनारक्षित | 1 |
| 6 | सहायक प्रशासनिक अधिकारी (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) (आर) | 8 | ओबीसी | 1 |
| 7 | सहायक प्रशासनिक अधिकारी (हिंदी भाषा एवं प्रशासन) (आर) | 8 | अनारक्षित | 1 |
| 8 | सहायक प्रशासनिक अधिकारी (स्टूडेंट अफेयर्स) (आर) | 8 | ओबीसी | 1 |
| 9 | निदेशक के सचिव (आर) | 8 | अनारक्षित | 1 |
| 10 | मुख्य नवाचार अधिकारी (सीआईओ)-श्रीनगर (सी) | - | - | 1 |
| 11 | अकाउंटेंट (आर) | 6 | ओबीसी | 1 |
| 12 | कार्यालय सहायक (आर) | 6 | अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी | 3 |

विस्तृत विज्ञापन के लिए एवं आवेदन करने के लिए कृपया www.iimj.ac.in/career पर विजिट करें।
आवेदन केवल ऑनलाइन मोड के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा।
ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 26 जून 2024 है।

BJP का फोकस संगठन मज़बूत करने की दिशा में रहेगा, कांग्रेस राज्यों में जीत पर करेगी काम

# चुनाव नतीजों से बीजेपी के अंदर क्या बदल जाएगा?

Poonam.Pandey@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली :** लोकसभा चुनाव के नतीजों से सिर्फ सरकार ही नहीं बल्कि बीजेपी के भीतर भी काफी कुछ बदल जाएगा। संगठन में इसे लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जनवरी में ही पूरा हो गया था और अभी वह एक्सटेंशन पर हैं। सरकार गठन के बाद बीजेपी में बदलाव की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, संगठन मजबूत करने की दिशा में फोकस होगा। बीजेपी के एक सीनियर नेता जो पूर्व मुख्यमंत्री भी हैं, उन्होंने अनौपचारिक बातचीत में कहा कि 'अब पार्टी के भीतर डेमोक्रेसी आएगी। खुलकर बात रखने का सिस्टम बंद हो गया था, लेकिन अब लगता है कि सबकी सुनी जाएगी जो पार्टी के लिए अच्छा है।' सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के कुछ पुराने सीनियर नेताओं ने संघ के लोगों को यह संदेश भी भेजा कि पार्टी के भीतर लोकतंत्र सुनिश्चित करने के लिए उन्हें कदम उठाना चाहिए। एक नेता ने कहा कि 'मैं' से निकलटकर पार्टी अब 'हम' की तरफ बढ़ेगी तो पार्टी मजबूत होगी। संघ से जुड़े लोगों ने भी अनौपचारिक बातचीत में इसका जिक्र किया कि 'सरकार कभी भी संगठन नहीं चला सकती है। सरकार अलग होती है और संगठन अलग। जब सरकार खुद को संगठन मानने लगे तो यह स्थिति सही नहीं है।' एक नेता ने कहा कि संगठन का सरकार से इतर रहकर काम करना जरूरी है और उनका मानना है कि अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यह सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश करेगा। संघ के एक प्रचारक ने कहा, 'क्या यह याद दिलाने की जरूरत है कि बीजेपी संघ का आनुषांगिक संगठन है।'

## UP और MP एकदम उलट क्यों?

**UP में जहां लोकसभा चुनाव में बीजेपी को तगड़ा झटका लगा वहीं मध्य प्रदेश में बीजेपी ने पिछले लोकसभा चुनाव से भी बेहतर प्रदर्शन किया। दोनों राज्यों में बीजेपी की ही सरकार है तो दोनों एक-दूसरे से उलट क्यों। इस सवाल को लेकर जब बीजेपी के अलग-अलग नेताओं और इन राज्यों में चुनाव के दौरान भ्रमण करने वाले सीनियर कार्यकर्ताओं से एनबीटी ने बात की। उन्होंने बताया कि यूपी में संगठन बेहद कमजोर हुआ है। एक नेता ने अपना अनुभव बताते हुए कहा, 'यूपी में जब चुनाव के दौरान कार्यकर्ताओं की मीटिंग बुलाई जा रही थी तभी समझ आ गया था कि संगठन कमजोर हो गया है। कार्यकर्ताओं में कोई उत्साह नहीं है।' जबकि मध्य प्रदेश में इससे उलट स्थिति है। मध्य प्रदेश में काम कर चुके एक पदाधिकारी ने कहा कि मध्य प्रदेश में बीजेपी कार्यकर्ता एकदम मजबूत हैं। विचारधारा के साथ पूरी तरह जुड़े हुए हैं। वहां के कार्यकर्ता विचारधारा और पार्टी के लिए समर्पण के मामले में खुद को राष्ट्रीय स्तर वालों से भी ज्यादा आगे मानते हैं।**

# कांग्रेस का ध्यान मज़बूती पर, साथियों को भी साधेगी

Manjari.Chaturvedi@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली:** इंडिया गठबंधन के भीतर बड़े दल की भूमिका निभाते हुए कांग्रेस ने न सिर्फ अपना प्रदर्शन सुधारा है, बल्कि घटक दलों के बेहतर प्रदर्शन में भी मदद की है। कांग्रेस की गारंटियों से लेकर लोकतंत्र और संविधान पर मंडराते कथित खतरे का जो नैरेटिव भारत जोड़ो यात्रा के दौरान उभरना शुरू हुआ, उसे कांग्रेस चुनाव के दौरान अपने घटक दलों के साथ जमीन पर और गंभीरता से उतारने में सफल दिखी। गठबंधन जिस आपसी एकजुटता और समन्वय से काम कर रहा है, उससे साफ है कि आने वाले वक्त में भी यह जुटान बना रहेगा। अब कांग्रेस यूपी और बिहार जैसे राज्यों में अपना जनाधार और संगठन मजबूत करने पर काम करेगी। इस साल के आखिर में जिन 4 राज्यों में चुनाव होना है, उनमें हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड, जम्मू-कश्मीर शामिल हैं। इनमें से हरियाणा को छोड़ बाकी तीनों राज्यों में कांग्रेस स्वाभाविक तौर पर काफी समय से गठबंधन में है। महाराष्ट्र में महाविकास आघाडी में उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की एनसीपी के साथ खड़ी है। झारखंड में जेएमएम और आरजेडी के साथ, तो वहीं जम्मू कश्मीर में नैशनल कॉन्फ्रेंस के साथ है। उम्मीद है कि असेंबली चुनावों में यह साथ बना रहेगा। हालांकि हालिया लोकसभा चुनावों में हरियाणा में कांग्रेस ने एक सीट के लिए आप के साथ तालमेल किया था, लेकिन यह आगे चलेगा या नहीं- कहना मुश्किल है। ऐसे में कांग्रेस आने वाले चुनावों के मद्देनजर जहां एक बार फिर अपने संगठन और काडर को मजबूत करने पर जोर देगी, वहीं उसकी कोशिश रहेगी कि यह सारी कवायद ऐसे हो, जिसमें व्यवहारिकता और विस्तार के बीच संतुलन बना रहे। वह अपने संगठन को आक्रामक तरीके से नहीं बढ़ाना चाहेगी, जिससे सहयोगी दलों को उसका विस्तार नागवार गुजरे या गठबंधन में नाराजगी हो।

### गुटबाज़ी पर लगी रोक!

2019 के बाद से कांग्रेस में जो भीतरी संघर्ष चल रहा था, उस पर भी लगाम लगी है। इसके पीछे कहीं न कहीं लीडरशिप के मुद्दे पर आई स्पष्टता भी है। कमान मल्लिकार्जुन खरगे के हाथ में जाने के बाद चीजें कुछ पटरी पर आती दिखी हैं। खरगे, राहुल गांधी के बीच बेहतर ट्यूनिंग दिख रही है, जिसमें सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी मिलकर एक टीम की तरह काम कर रहे हैं। पार्टी विभिन्न राज्यों में चल रही आपसी गुटबाजी पर काफी हद तक लगाम लगाने में कामयाब रही है। पंजाब से कैप्टन अमरिंदर सिंह, सुनील जाखड़, हरियाणा से अशोक तंवर और कुलदीप बिश्नोई, मध्य प्रदेश से ज्योतिरादित्य सिंधिया, महाराष्ट्र से अशोक चव्हाण, संजय निरुपम, मिलिंद देवड़ा जैसे नेताओं के अलावा गुलाम नबी आजाद जैसे नेताओं के जाने से भी गुटबाजी में कमी आई है।

## राज्यों में भी बेहतर करने की चुनौती

**कांग्रेस के** लिए यह चुनाव जरूरी संजीवनी बना है लेकिन अभी उसे कुछ राज्यों में अभी काफी काम करने की जरूरत है। उत्तर भारत, खासकर हिंदी पट्टी के कुछ राज्यों में उसे अधिक मेहनत करनी होगी। माना जा रहा है कि ओडिशा और मध्य प्रदेश में पार्टी नए सिरे से काडर और संगठन तैयार करेगी। दरअसल, ओडिशा में कांग्रेस अपने सबसे कमजोर दौर से गुजर रही है। लेकिन इस बार जैसा वहां बीजेडी का हश्र हुआ है, उसे देखते हुए कांग्रेस के लिए काफी संभावनाएं बनी हैं। माना जा रहा है कि ओडिशा और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में बड़ा बदलाव दिख सकता है। कांग्रेस का फोकस अब आगामी चुनावी राज्यों में रहेगा। कांग्रेस की एक बड़ी समस्या है कि कई राज्यों में वह बीजेपी के साथ सीधे मुकाबले में जमीनी तौर कमजोर दिखाई देती है। इस वजह से पिछले दस सालों से गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में लोकसभा चुनावों में वह लगातार सूखे का सामना कर रही है। कांग्रेस की प्राथमिकता अब इन राज्यों में फिर से अपने संगठन की मजबूती पर रहेगा।

## इस बार 74 महिला चुनी गईं, 2019 से कम

बिहार से जीतीं शांभवी चौधरी सबसे कम उम्र वाले सांसदों में से हैं।

■ **भाषा, नई दिल्ली :** लोकसभा चुनाव के मंगलवार को आए नतीजों में कुल 74 महिलाएं चुनी गईं जबकि 2019 के आम चुनाव में यह संख्या 78 थी। देश भर से निचले सदन के लिए चुनी गईं कुल महिला सांसदों में से पश्चिम बंगाल 11 महिलाओं के साथ सबसे आगे है। कुल 797 महिला उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था, जिसमें बीजेपी ने सबसे ज्यादा 69 को और कांग्रेस ने 41 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया था। निर्वाचन आयोग के डेटा के मुताबिक, इस बार बीजेपी की 30 महिला उम्मीदवारों ने लोकसभा चुनाव जीता, कांग्रेस की 14, तृणमूल कांग्रेस की 11, समाजवादी पार्टी की चार, डीएमके की 3 और जनता दल (यूनाइटेड) और एलजेपी (आर) की दो-दो महिला उम्मीदवार जीतीं। 17वीं लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या सबसे ज्यादा 78 थी, जो कुल संख्या का 14% थी। 16वीं लोकसभा में 64 महिलाएं सदस्य थीं जबकि 15वीं लोकसभा में यह संख्या 52 थी। बीजेपी की हेमा मालिनी, टीएमसी की महुआ मोइत्रा, शरद पवार की एनसीपी की की सुप्रिया सुले और एसपी की डिंपल यादव ने अपनी सीटें बरकरार रखीं। कंगना रनौत और मीसा भारती जैसी उम्मीदवारों ने सबका ध्यान खींचा।

# बनासकांठा से गुजरात में बीजेपी के किले में कांग्रेस की सेंध, एक सीट से एंट्री दर्ज कराई

## गेनीबेन ने किया उलटफेर, 62 साल बाद यहां से कोई महिला सांसद बनी

■ एनबीटी न्यूजडेस्क

**बनासकांठा की** कांग्रेस उम्मीदवार गेनीबेन ठाकोर ने BJP को गुजरात में लोकसभा जीत की हैटट्रिक लगाने से रोक दिया। उन्होंने कांग्रेस को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य में 30,406 वोटों से BJP की रेखा चौधरी को हराकर जीत का तोहफा दिया। कांग्रेस की इकलौती महिला विधायक गेनीबेन इस सीट पर उलटफेर करने में सफल रही हैं। ठाकोर ने 'बनास नी बेन' (बनास की बहन) के नारे के साथ अभियान शुरू किया था। 62 वर्षों में पहली बार है कि जब किसी महिला उम्मीदवार ने बनासकांठा सीट जीती है। 1962 में कांग्रेस की जोहरा चावड़ा यहां जीतने वाली आखिरी महिला थीं। गेनीबेन की 30,000 की जीत का अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन भाग्य को पूरी तरह से कांग्रेस के पक्ष में मोड़ना एक बड़ा कारनामा है। 2019 में बीजेपी 2019 यह सीट 3.69 लाख वोटों से जीती थी। 2014 में बीजेपी के हरि चौधरी यहां 2 लाख के अंतर से जीते थे।

**30,406 वोट से बीजेपी प्रत्याशी को दी मात।**

प्रियंका गांधी के साथ गेनीबेन

बीजेपी ने यहां से मौजूदा सांसद परबत पटेल का टिकट काटकर रेखा को मैदान में उतारा था जिन्होंने एक भी चुनाव नहीं लड़ा था। बीजेपी ने ठाकोर के 'बनास नी बेन' अभियान का मुकाबला करने के लिए 44 साल की रेखा को 'बनास नी डिकरी' (बनास की बेटी) के रूप में पेश किया। रेखा को गुजरात विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी का करीबी सहयोगी माना जाता है। ठाकोर उम्मीदवार को मैदान में उतारने का कांग्रेस का फैसला इसलिए सफल रहा क्योंकि किसी भी राजनीतिक संगठन ने इस प्रभावशाली समुदाय के किसी व्यक्ति को कभी मैदान में नहीं उतारा था। ठाकोर 3.5 लाख वोटों के साथ यहां अपना प्रभुत्व रखते हैं। ठाकोर के बाद चौधरी (2.5 लाख वोट) हैं, जो दशकों से शक्तिशाली दुग्ध सहकारी क्षेत्र और बनास बैंक पर हावी हैं। बनासकांठा लोकसभा क्षेत्र में सिर्फ इसी जिले के विधानसभा क्षेत्र आते हैं।

बनासकांठा लोकसभा क्षेत्र में ज्यादा आबादी पशुपालन से जुड़ी हुई है। इस क्षेत्र में बनास दूध डेयरी है। इस पर वर्तमान में बीजेपी का कब्जा है।

## क्राउडफंडिंग से 50 लाख जुटाए थे

**बनासकांठा से** पहला संकेत तब मिल गया था जब गेनीबेन के लिए लोगों ने क्राउडफंडिंग के जरिए 50 लाख रुपये इकट्ठा किए। फिर PM मोदी ने गुजरात में अपना चुनाव अभियान शुरू करने के लिए बनासकांठा को चुना और उनके बाद कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी भी वहां पहुंचीं। एशिया की सबसे बड़ी बनास डेयरी में 5 लाख से ज्यादा दूध उत्पादक हैं। ये सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में फैले हैं। दिलचस्प बात यह है कि रेखा के दादा गल्बा पटेल, जिन्हें 'गल्बा काका' के नाम से जाना जाता है, बनास डेयरी के संस्थापक थे। भीषण गर्मी के बावजूद, गेनी ने लोगों तक पहुंचने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पाटन में रहने वाली रेखा 'बाहरी' के तौर पर बनासकांठा आई थीं। इससे उनकी चुनावी अनुभवहीनता और बढ़ गई। उन्हें स्थानीय जुड़ाव वाली मजबूत प्रतिद्वंद्वी का सामना करना पड़ा।

# वाराणसी: भूमिहार-पटेल वोट से अंतर घटा

■ विकास पाठक, वाराणसी

**वाराणसी लोकसभा** सीट के नतीजों से साफ है कि बीजेपी ने जिन बिरादरी पर भरोसा कर गले लगाया था, उन्होंने बाजी पलटने में भूमिका निभाई। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीत का अंतर तीन लाख से ज्यादा मतों का रहा। यहां की 5 विधानसभा क्षेत्रों में सिर्फ शहर दक्षिणी ही ऐसा रहा जहां मोदी 1 लाख वोट का आंकड़ा पार नहीं कर पाए। जिस रोहनिया और सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र को बीजेपी का मजबूत गढ़ माना जाता रहा, वही पाला बदलकर I.N.D.I.A. के साथ खड़े नजर आए। कांग्रेस के अजय राय को मिले कुल वोटों का 40.74% 72 साल के इतिहास में कांग्रेस का सबसे ज्यादा वोट प्रतिशत है। पिछले 10 साल से वाराणसी के सांसद पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट काशी विश्वनाथ धाम को लें या नया नमो घाट बनवाने या फिर पक्का महाल (पुराना शहर) के मोहल्लों को स्मार्ट बनाने सहित अन्य काम, सबकुछ शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के खाते में हैं। बावजूद इसके यहां मोदी को 1 लाख से कम यानी 97,878 वोट मिले। अजय राय को यहां 81 हजार से ज्यादा मत मिले।

वाराणसी की सेवापुरी और रोहनिया विधानसभा में भूमिहार और पटेल वोटर्स की संख्या सबसे ज्यादा है। यहां पिछले चुनाव में मिले भारी मतों ने पीएम मोदी की जीत का मार्जिन बढ़ाया था। बीजेपी ने भूमिहार वोटर्स को साधने के लिए चुनाव से ठीक पहले धर्मेंद्र राय को MLC बनाया तो पूर्व विधायक सुरेंद्र नारायण सिंह को वाराणसी लोकसभा सीट के चुनाव संचालक की महती जिम्मेदारी दी। यही नहीं प्रचार में भूमिहार नेताओं को ज्यादा तरजीह दी गई। अपना दल (एस) के नेता पटेल मतदाताओं को साधते रहे। इससे लगा था कि ये दोनों इलाके पीएम मोदी का बेस बनेंगे, लेकिन परिणाम हैरान करने वाला रहा। मतों के आंकड़ों से साफ है कि स्वजातीय बंधुओं के साथ ही पटेल बिरादरी भी अजय राय का साथ देने में पीछे नहीं रही।

## मोदी की जीत में कैंट का बड़ा योगदान रहा

**पीएम मोदी** के तीसरी बार डेढ़ लाख मतों के अंतर से जीतने में सबसे बड़ा योगदान कैंट विधानसभा के मतदाताओं का है। 5 विधानसभा क्षेत्रों में पीएम मोदी को सर्वाधिक करीब डेढ़ लाख के आसपास मत कैंट में ही मिले। दूसरे नंबर पर शहर उत्तरी विधानसभा क्षेत्र है। यहां भी पीएम मोदी को वोट बरसे। पीएम मोदी के जीत के मतों का अंतर कम करने में शहर दक्षिणी के मुस्लिम वोटर्स की प्रमुख भूमिका रही है, जो एकतरफा अजय राय के साथ रहे। BSP के मुस्लिम प्रत्याशी अतहर जमाल लारी की ओर मुस्लिम मतदाताओं का झुकाव नहीं दिखा।

## राममय अवध में 20 में 8 सीटें ले सकी BJP

Deep.Singh@timesgroup.com

■ **लखनऊ :** अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बावजूद अवध क्षेत्र में बीजेपी को करारी हार मिली। नेताओं में आपसी तालमेल का अभाव और नेताओं की जनता से दूरी का नतीजा यह रहा कि वे जमीन नहीं भांप सके। यही वजह है कि अयोध्या और लखनऊ के आसपास अवध क्षेत्र की कुल 20 सीटों में से बीजेपी आठ सीटों पर ही वापसी कर सकी। पिछले चुनाव में 17 पर उसका कब्जा था। अवध इसलिए अहम है क्योंकि राम मंदिर इस क्षेत्र में मुद्दा रहा है। इस पर बीजेपी की पूरी राजनीति केंद्रित रही है। इस क्षेत्र में राजनाथ सिंह, स्मृति इरानी, कौशल किशोर, अजय मिश्र टेनी जैसे चार केंद्रीय मंत्री चुनाव मैदान में थे। इसके बावजूद इतना खराब प्रदर्शन कि बीजेपी 20 में से महज आठ सीटों पर ही जीत दर्ज कर सकी। अवध क्षेत्र में हार की अहम वजह ये रही कि नेताओं और संगठन में तालमेल का अभाव रहा। प्रत्याशियों का अपना व्यवहार और जमीन से दूरी भी प्रमुख वजह है। खीरी सीट पर अजय मिश्र टेनी प्रत्याशी थे। किसानों पर गाड़ी चढ़ाने के आरोप उनके बेटे पर लगे थे। माना जा रहा है कि किसान उनसे नाराज थे। बीजेपी के सहयोगी अपना दल की प्रमुख अनुप्रिया पटेल और राजा भइया के बीच बयानबाजी का भी असर रहा। इससे प्रतापगढ़ सीट गंवानी पड़ी। अमेठी में स्मृति इरानी, फैजाबाद में लल्लू सिंह, मोहनलालगंज में कौशल किशोर से जनता की नाखुशी की चर्चा थी।

# बेटियों के सामने पिता को मारी गोली

■ एनबीटी न्यूज, मेरठ

**मेरठ में** मंगलवार रात स्विमिंग पूल में बच्चों के सामने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अरशद अपने बच्चों के साथ स्विमिंग पूल में गए थे। इसी दौरान उनकी कुछ लोगों से कहासुनी हो गई, तभी एक युवक ने पिस्टल निकाली और अरशद की कनपटी पर सटाकर गोली मार दी। अरशद जमीन पर गिरे और उनकी मौत हो गई। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

विडियो भी वायरल हो गया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने बाप-बेटों सहित पांच के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। परिजनों ने रंगदारी के लिए हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। मिली जानकारी के अनुसार जैदी फार्म निवासी अरशद कपड़े के व्यापारी थे। मंगलवार की रात वह अपनी दो बेटियों आयत और कुलसुम के साथ जुर्रानपुर फाटक के पास स्विमिंग पूल में गए थे। जहां कुछ लोगों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात से स्विमिंग पूल में नहाने गए लोगों में भगदड़ मच गई। खून से लथपथ अरशद ने अपनी दोनों बेटियों के सामने तड़पते हुए दम तोड़ दिया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को अपने कब्जे में ले लिया। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों ने इमरान, उनके बेटे बिलाल, दाऊद, असलम और जाकिर कॉलोनी के निवासी दद्दू पर रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है। पांचों आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया। आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम लगाई गई हैं। जांच के दौरान पता चला है कि अरशद और इमरान पक्ष के बीच मुकदमेबाजी चल रही थी।

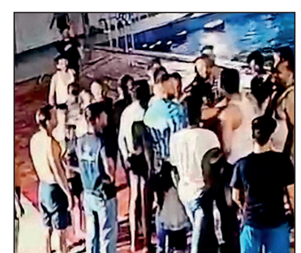

अरशद की मंगलवार रात हुई थी हत्या

# पोर्शे: ब्लड सैंपल मां से बदला था, रिपोर्ट से साबित

■ **पीटीआई, पुणे :** फरेंसिक लैब की एक रिपोर्ट में पुष्टि हुई है कि पोर्शे कार दुर्घटना मामले के आरोपी 17 वर्षीय किशोर के खून के नमूनों को बदलने के लिए उसकी मां के खून का इस्तेमाल किया गया था। पुणे पुलिस ने बुधवार को एक अदालत में यह जानकारी दी। किशोर न्याय बोर्ड ने आरोपी नाबालिग की सुधार गृह हिरासत 12 जून तक बढ़ा दी। पैरेंट्स की पुलिस हिरासत 10 जून तक बढ़ा दी। कोर्ट में पुलिस ने बताया कि फरेंसिक लैब की रिपोर्ट से पुष्टि हुई है कि मां के रक्त के नमूनों का इस्तेमाल उनके किशोर बेटे के रक्त के नमूनों के स्थान पर किया गया था। सैंपल इसलिए बदला गया था ताकि यह प्रदर्शित किया जा सकते कि दुर्घटना के वक्त उसने शराब का सेवन नहीं किया था। पुणे में 19 मई को एक किशोर ने कथित तौर पर अपनी पोर्शे कार से मोटरसाइकिल से जा रहे दो सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को कुचल दिया था, जिससे दोनों की मौत हो गई थी। पुलिस ने दावा किया कि वह नशे की हालत में कार चला रहा था।


## उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या-24/38 दिनांक-04.06.2024

**ई-प्रापण निविदा सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001: 2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

| क्र. सं. | निविदा संख्या | संक्षिप्त विवरण | मात्रा | निविदा खुलने की तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 80231017C | शैल गैडस एस 5 वी 42 पी 2.5 ग्रीस | 1342 किलो | 24.06.2024 |
| 2 | 80244000 | सर्वोप्लेक्स एस एच सी-120(आई ओ सी एल)ग्रीस | 1700 किलो | 27.06.2024 |
| 3 | 80244101 | हाइड्रोलिक तेल एच एल पी-68 | 77180 लीटर | 05.07.2024 |
| 4 | 64235159 | हाइड्रॉलिक पिन पुलर | 23 सेट | 01.07.2024 |
| 5 | 64235108C | सिल किट | 962 सेट | 08.07.2024 |
| 6 | 64245022A | फैन ड्राइव मोटर | 03 नग | 01.07.2024 |
| 7 | 64245100A | हाइड्रॉलिक पम्प | 07 नग | 01.07.2024 |
| 8 | 64245082A | शाफ्ट एण्ड सिल | 08 नग | 03.07.2024 |
| 9 | 64245083A | शाफ्ट फॉर कटिंग चैन एण्ड सिल | 09 नग | 03.07.2024 |
| 10 | 64235079E | एडॉप्टर | 5360 नग | 03.07.2024 |
| 11 | 63245357 | पॉलीइथिलिन डॉवेल फॉर कॉन्क्रीट स्लीपर्स टू आरडीएसओ ड्राइंग नं0. टी-3002 | 100000 नग | 26.06.2024 |
| 12 | 63235125C | मैन्युफैक्चरिंग एण्ड सप्लाई ऑफ प्रेस्ट्रेस्ड मोनोब्लॉक कॉन्क्रीट स्लीपर्स सेटस् (प्रीटेन्सन्ड टाइप) फॉर बीजी फैन सेप्ड टर्न आउट 1 इन 12 एज पर आरडीएसओ ड्राइंग नं0. टी-4218/टी-4732 | 835 सेट | 24.06.2024 |
| 13 | 20242798 | ऑयल इंजेक्टर पंप कम्पलीट | 11 नग | 01.07.2024 |
| 14 | 20231990B | एब्युटमेन्ट पीस फॉर ट्रैक्शन मोटर | 74 नग | 28.06.2024 |

**नोट:** उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट **https://www.ireps.gov.in.** पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/ शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। **966/24(DG)**

North central railways @CPRONCR @northcentralrailway www.ncr.indianrailways.gov.in



## आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड

(आरईसी लिमिटेड के पूर्ण स्वामित्व की सहायक कंपनी)

**वैश्विक आमंत्रण (इलेक्ट्रॉनिक बोली के माध्यम से)**

**टैरिफ के जरिये प्रतियोगिता बोली प्रक्रिया (टी. बी. सी. बी.) के अंतर्गत "दो (2) अंतर राज्जीय पारेषण परियोजनाओं" के निर्माण, स्वामित्व, प्रचालन और स्थानांतरण (बूट) आधारित पारेषण सेवा प्रदाता के चयन हेतु**

आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड, नई दिल्ली, भारत (आरई सीलिमिटेड के पूर्ण स्वामित्व की सहायक कंपनी - एक महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम) नीचे उल्लिखित पारेषण परियोजनाओं की स्थापना हेतु टी. बी. सी. बी. के अंतर्गत निर्माण, स्वामित्व, प्रचालन और स्थानांतरण (बूट) के आधार पर प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरएफपी) एक चरण दो लिफाफे वाली प्रक्रिया के तहत प्रस्ताव आमंत्रित करता है। इच्छुक बोलीदाता कृपया हमारी वेबसाइट्स www.recindia.nic.in तथा www.recpdcl.in पर 06.06.2024 से उपलब्ध "प्रस्ताव हेतु अनुरोध" (आरएफपी) अधिसूचना तथा आरएफपी दस्तावेज़ का अवलोकन करें।

बोलीदाता, आरएफपी दस्तावेज सभी कार्य दिवसों में 10.30 बजे (भा.मा.स) से 16.00 बजे (भा.मा.स) के बीच (06.06.2024 से प्रस्ताव जमा करने की तिथि से एक दिन पहले तक) हमारी वेबसाइट www.recindia.nic.in और www.recpdcl.in पर उपलब्ध संबंधित परियोजनाओं के आरएफपी दस्तावेज में दिए गए विवरण के अनुसार प्रत्येक पारेषण परियोजनाओं के लिए अप्रतिदेय गैर-वापसी योग्य शुल्क (₹5,00,000/- (पांच लाख रुपए केवल) या $7000 (यूएस डालर सात हजार केवल) + 18% जीएसटी) के भुगतान पर प्राप्त कर सकते है।

आरएफपी दस्तावेज हमारी वेबसाइट्स www.recindia.nic.in तथा www.recpdcl.in से भी डाउनलोड किया जा सकता है। तथापि, ऐसे मामले में इच्छुक पार्टी संबंधित आरएफपी दस्तावेज में दिए गए विवरण के अनुसार प्रत्येक पारेषण परियोजनाओं के लिए अप्रतिदेय गैर-वापसी योग्य शुल्क (₹5,00,000/- (पांच लाख रुपए केवल) या $7000 (यूएस डालर सात हजार केवल) + 18% जीएसटी) का अलग से भुगतान करने पर ही आरएफपी के उत्तर में प्रस्ताव जमा कर सकते हैं। सर्वे रिपोर्ट एवं आरएफपी दस्तावेजों के स्पष्टीकरण उन्हीं बोलीदाताओं को जारी किया जाएगा, जिन्होंने अपेक्षित शुल्क का भुगतान करके आरएफपी दस्तावेज प्राप्त किया या खरीदा है। इस सन्दर्भ में महत्वपूर्ण समय-सीमा इस प्रकार है:

| क्रम. सं. | परियोजना का नाम | स्पष्टीकरण मंगवाने की अंतिम तिथि | आरएफपी के उत्तर में प्रस्ताव जमा की अंतिम तिथि | आरएफपी प्रस्ताव खोलने का विवरण |
|---|---|---|---|---|
| 1. | राजस्थान आरईजेड चरण IV (भाग-3: 6 गीगावाट) [बीकानेर कॉम्प्लेक्स] से विद्युत की निकासी के लिए पारेषण प्रणाली: भाग क | 26.06.2024 | 09.08.2024, 1100 बजे तक (भा.मा.स) | 09.08.2024 को 1130 बजे (भा.मा.स) |
| 2. | राजस्थान आरईजेड पीएच-IV (भाग-3: 6 गीगावॉट) [बीकानेर कॉम्प्लेक्स] से विद्युत की निकासी के लिए पारेषण प्रणाली: भाग ख | 26.06.2024 | 09.08.2024, 1200 बजे तक (भा.मा.स) | 09.08.2024 को 1230 बजे (भा.मा.स) |

बोली में सभी शुद्धिपत्र, अनुशेष, संशोधन, समय बढ़ाना आदि हमारी वेबसाइट्स www.recindia.nic.in तथा www.recpdcl.in पर होस्ट किए जाएंगे। नवीनतम जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट का नियमित रूप से अवलोकन करते रहें।

नोट: आरईसीपीडीसीएल के पास बिना कोई कारण बताए तथा बिना किसी बाध्यता केबोली प्रक्रिया को रद्द या संशोधित करने का अधिकार सुरक्षित है। यह कोई पेशकश नहीं है।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी
**आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड**
कोर - 4, स्कोप कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली - 110003, भारत

बोली प्रक्रिया समन्वयक: REC Power Development — आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड
पहलकर्ता: विद्युत मंत्रालय भारत सरकार
पहलकर्ता भागीदार: केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

ऊर्जा ही जीवन है, इसे बचाएं। Give a missed call on toll free number 18002003004 to get our Apps



## पीएफसी कन्सल्टिंग लिमिटेड

(पीएफसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)
पंजीकृत कार्यालयः प्रथम तल, 'ऊर्जानिधि', 1, बाराखम्बा लेन, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली– 110001, (भारत) फैक्स नं.: 011.23443990

**वैश्विक आमंत्रण (केवल ई–निविदा के माध्यम से)**

अन्तर्राज्यीय पारेषण परियोजना के लिए निर्माण, स्वामित्व, प्रचालन और स्थानांतरण (BOOT) आधार पर पारेषण सेवा प्रदाता के चयन हेतु

पीएफसी कन्सल्टिंग लिमिटेड, पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम) की पूर्ण स्वामित्वाधीन सहायक कम्पनी एकल चरण दो लिफाफा प्रक्रिया वाले "प्रस्ताव हेतु अनुरोध" (आरएफपी) का पालन करते हुए निर्माण, स्वामित्व, प्रचालन और स्थानांतरण (BOOT) आधार पर पारेषण परियोजना की स्थापना के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करता है।

इच्छुक बोलीदाता वेबसाइट **https://www.mstcecommerce.com** एवं **https://www.pfcclindia.com** पर उपलब्ध आरएफपी अधिसूचना और आरएफपी दस्तावेज देख सकते हैं।

निविदादाता अ–प्रतिदेय शुल्क रु. 5,00,000/– या यूएसडी (यूएस डॉलर) 7,000 प्लस 18 प्रतिशत की दर से लागू जीएसटी का भुगतान करके आरएफपी दस्तावेज 06.06.2024 से निम्नलिखित परियोजना के लिए निविदा जमा करने से एक कार्य दिवस पूर्व तक सभी कार्य दिवसों में 10.30 बजे (आईएसटी) से 16.00 बजे (आईएसटी) के बीच 9वां तल, विंग–ए, स्टेटमैन हाउस, बाराखम्बा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली–110001, फोन नं. 91–11–23443996 फैक्सः 91–11–23443990, ई–मेलः **pfccl.itp@pfcindia.com** से प्राप्त कर सकते हैं। आरएफपी दस्तावेज **https://www.mstcecommerce.com** तथा **https://www.pfcclindia.com** से भी डाउनलोड किए जा सकते हैं, यद्यपि, ऐसे मामले में इच्छुक पार्टियों को आरएफपी के उत्तर के साथ अलग से अ–प्रतिदेय शुल्क रु. 5,00,000/– या यूएसडी (यूएस डॉलर) 7,000 प्लस 18 प्रतिशत की दर से लागू जीएसटी को जमा करके आरएफपी के उत्तर जमा कर सकती है। आरएफपी दस्तावेज के लिए सर्वेक्षण रिपोर्ट एवं स्पष्टीकरण उन बोलीदाताओं को जारी किए जाएंगे। जिन्होंने उपरोक्त परियोजना हेतु आरएफपी को निविदा जमा करने की तिथि से कम से कम एक कार्य दिवस पूर्व आवश्यक शुल्क का भुगतान कर आरएफपी दस्तावेज प्राप्त/खरीदा था। स्पष्टीकरण/संशोधन/समय विस्तार यदि होगा, आदि के संबंध में स्वयं को अद्यतन रखने के लिए निविदाता नियमित रूप से वेबसाइट देखते रहें। इस संबंध में महत्वपूर्ण तिथियां निम्नानुसार हैं:

| क्र. सं. | पारेषण योजना का नाम | स्पष्टीकरण प्राप्त करने की अंतिम तिथि (दि.दि./मा.मा./व.व.) | आरएफपी का उत्तर जमा करने की अंतिम (दि.दि./मा.मा./व.व.) | आरएफपी के उत्तर खोलने की तिथि (दि.दि./मा.मा./व.व.) |
|---|---|---|---|---|
| 1. | कुडनकुलम यूनिट – 3 और 4 (2 x1000 मेगावाट) से विद्युत की निकासी के लिए आईएसटीएस के अंतर्गत पारेषण प्रणाली | 26/06/2024 | 09/08/2024 को 15:00 बजे (आईएसटी) तक | 09/08/2024 को 15:30 बजे (आईएसटी) तक |

**नोटः** पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड बिना कोई कारण बताए और बिना किसी दायित्व के निविदा प्रक्रिया को निरस्त या संशोधित करने का अधिकार रखता है। यह कोई प्रस्ताव नहीं है।

बोली प्रक्रिया समन्वयक: PFC CONSULTING LTD. (पीएफसी लिमिटेड की पूर्णतः स्वामित्वाधीन सहायक कंपनी) (भारत सरकार का एक उपक्रम)
पहलकर्ता: विद्युत मंत्रालय भारत सरकार
अग्रणी भागीदार: केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण



## अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

**धारा 82 Cr. P.C. देखिए**

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त आरोपी **कोमल सुभाष मेहता, पुत्रः** श्री सुभाष सोहन लाल मेहता, **पताः** बिल्डिंग न. 12, कमरा नं. 6, प्रथम तल, सिंधी सोसाइटी, चेंबूर, मुंबई ने **FIR No. 102/ 2011, U/s 467/471/411 IPC, पुलिस थाना गोविंदपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **कोमल सुभाष मेहता,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **कोमल सुभाष मेहता,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **कोमल सुभाष मेहता,** केस **FIR No. 102/ 2011, U/s 467/471/411 IPC, पुलिस थाना गोविंदपुरी, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **01.07.2024** को या उससे पहले हाज़िर हो।

**आदेशानुसार**
**देवांशी जनमेजा**
**महानगर दण्डाधिकारी–04, दक्षिण–पूर्व, जिला कोर्ट नं.–10, साकेत कोर्ट कॉम्पलैक्स, नई दिल्ली**

**DP/6579/SE/2024 (Court Matter)**



## गुमशुदा की तलाश

**जागृति**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक लड़की जिसका नाम **जागृति, पुत्रीः घन श्याम, पताः म. नं. 105–106, पॉकेट–17, सेक्टर–22, रोहिणी, दिल्ली जोकि दिनांक 08.10.2018 को दोपहर 02:30 बजे अपने घर से गुमशुदा है।** इस सन्दर्भ में **FIR No. 409/2021, U/s 363 IPC, dated 26.08.2021,** पुलिस थाना, बेगमपुर, दिल्ली में रिपोर्ट दर्ज है। नीचे गुमशुदा लड़की की पहचान दी गई है:

**नामः जागृति, उम्रः 17 वर्ष 11 महीने, कदः 5'5", रंगः गोरा, शरीरः सामान्य, चेहराः गोल, पहनावाः काले रंग का सूट, काले रंग की सलवार और पैरों में नीले रंग की हवाई चप्पल।**

अगर किसी को इस गुमशुदा लड़की के बारे में कोई जानकारी मिले कृपया थाना प्रभारी, बेगमपुर, दिल्ली को संपर्क करें।

**वेबसाइटः http://cbi.nic.in, ई–मेलः cic@cbi.gov.in**
**फोनः 011–24368638 / 24368641, फैक्सः 011–24368639**

**थाना प्रभारी**
**पुलिस थाना बेगमपुर, दिल्ली**
**फोनः 011-27579033, 8750870323**

**DP/5249/RD/2024**



## पूर्वोत्तर रेलवे

**खुली ई-निविदा सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/गति शक्ति यूनिट/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन **"खुली"** ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण नीचे निम्नवत हैः- **ई-निविदा संख्याः** NER-LJN-GS-2024-03 (Two Packet System), **कार्य का नामः** पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल बस्तीः- उत्तर प्रदेश के बस्ती स्टेशन पर विश्व-स्तरीय गुड्स शेड का विकास, **अनुमानित लागत (₹):** ₹ 36,52,28,979.14, **अग्रिम धन (₹):** ₹ 19,76,200.00, **समापन अवधिः** 18 माह। **नोटः (1)** उपरोक्त ई-निविदा संख्या NER-LJN-GS-2024-03 के लिये ई-निविदा दिनांक **26.06.2024** को **15:00** बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय **15:00** बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेंगी। **(2)** उपरोक्त ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करे।

**मण्डल रेल प्रबन्धक/गति शक्ति यूनिट**
**मुजाधि/डब्लू-98 लखनऊ**

**"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"**

# सरकार कैसी हो, शाह-नड्डा-राजनाथ इस पर सहयोगियों से बात करेंगे

## 2014 के बाद से पहली बार BJP को सरकार के लिए साथी दलों की ज़रूरत

Poonam.Pandey@timesgroup.com

■**नई दिल्ली:** 2014 में जबसे बीजेपी सत्ता में आई, तबसे पहली बार है जब उसके पास अपने दम पर बहुमत नहीं है और मैजिक नंबर तक पहुंचने के लिए सहयोगियों की जरूरत है। एनडीए के सभी सहयोगियों ने कहा है कि वे साथ हैं। अब सरकार कैसी होगी और इसकी रूपरेखा कैसी होगी, इसे लेकर बातचीत का दौर शुरू हो गया है। सूत्रों के मुताबिक बीजेपी की तरफ से अमित शाह, जेपी नड्डा और राजनाथ सिंह को सहयोगी दलों से बातचीत करने की जिम्मेदारी दी गई है।

टीडीपी और जेडीयू का साथ बीजेपी के लिए बहुत अहम है। माना जा रहा है कि मंत्रिमंडल में क्या पोर्टफोलियो मिलेगा, इसे लेकर सहयोगी दल अपनी-अपनी विशलिस्ट बताने लगे हैं। टीडीपी के पास 16, जेडीयू के पास 12, एकनाथ शिंदे के पास सात और चिराग पासवान के पास पांच सांसद हैं। ये सरकार गठन में अहम भूमिका निभाएंगे। इनकी अहमियत की झलक एनडीए मीटिंग में सिटिंग अरेंजमेंट में भी दिखी, जहां नरेंद्र मोदी के दायीं तरफ जेपी नड्डा, फिर अमित शाह और फिर राजनाथ सिंह बैठे थे वहीं मोदी के बायीं तरफ चंद्रबाबू नायडू, फिर नीतीश कुमार, फिर एकनाथ शिंदे बैठे थे।

एनडीए मीटिंग के बाद चंद्रबाबू नायडू ने मीडिया के इस सवाल का जवाब दिया कि क्या वह एनडीए के साथ हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम एनडीए का हिस्सा नहीं होते तो हम चुनाव कैसे लड़ते, हमने यह चुनाव मिलकर लड़ा। आपको क्यों शक है, पता नहीं। उन्होंने कहा कि एनडीए की मीटिंग अच्छी रही। एनडीए ग्रुप मीटिंग में 21 नेता शामिल रहे। बीजेपी से मोदी, नड्डा, राजनाथ, शाह, टीडीपी के चंद्रबाबू नायडू, जेडीयू के नीतीश कुमार, राजीव रंजन सिंह, संजय झा, शिवसेना के एकनाथ शिंदे, जेडीएस के एचडी कुमारस्वामी, एलजेपी (रामविलास) के चिराग पासवान, हम के जीतन राम मांझी, जनसेना के पवन कल्याण, एनसीपी के सुनील ततकरे, प्रफुल्ल पटेल, अपना दल की अनुप्रिया पटेल, आरएलडी के जयंत चौधरी, यूपीपीएल के प्रमोद बोरो, एजीपी के अतुल बोरो, एसकेएम के आईएस सुबा और एजेएसयू के सुदेश महतो मीटिंग में शामिल थे।

चंद्रबाबू नायडू की पार्टी TDP और नीतीश की पार्टी JDU का साथ BJP के लिए इस बार बेहद अहम है।

### मीटिंग में दिखी अहमियत

- मीटिंग में सिटिंग अरेंजमेंट से सहयोगी दलों की अहमियत साफ नजर आ रही थी
- नरेंद्र मोदी के दाईं तरफ जेपी नड्डा, फिर अमित शाह और फिर राजनाथ सिंह बैठे थे
- मोदी के बाईं तरफ चंद्रबाबू नायडू, फिर नीतीश कुमार और एकनाथ शिंदे बैठे थे
- एनडीए ग्रुप मीटिंग में 21 नेता शामिल रहे। चंद्रबाबू ने कहा कि मीटिंग अच्छी रही
- उन्होंने कहा कि अगर हम एनडीए का हिस्सा नहीं होते तो मिलकर चुनाव कैसे लड़ते

### लोकसभा स्पीकर पद पर भी नज़र

सहयोगी दल कितने मंत्री पद की डिमांड कर रहे हैं, इसे लेकर भी चर्चाएं गरम हैं। कहा जा रहा है कि टीडीपी लोकसभा स्पीकर पद के साथ ही 5-6 कैबिनेट मंत्री और एक राज्य मंत्री पद की मांग कर रही है। इसमें फाइनेंस राज्य मंत्री पद भी शामिल है।

### मोदी ने कहा, पहले की ही तरह चलेगी नई सरकार

■ एनडीए की मीटिंग में टीडीपी नेता चंद्र बाबू नायडू, जेडीयू नेता और बिहार के सीएम नीतीश कुमार, महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे, एलजेपी (पासवान) प्रमुख चिराग पासवान सहित बीजेपी और सहयोगी दलों के 21 नेता शामिल हुए। इससे पहले मोदी की अध्यक्षता में पीएम आवास में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई और मौजूदा लोकसभा को भंग करने की सिफारिश को मंजूरी दी गई। सूत्रों के मुताबिक कैबिनेट मीटिंग में मोदी ने कहा कि जनादेश मिलने के बाद तीसरे कार्यकाल में भी सरकार पहले की तरह चलेगी। साथ ही भरोसा दिलाया कि गवर्नेंस पहले की तरह ही संचालित होगी। ऐसी चर्चा है कि सरकार गठन के सिलसिले में टीडीपी और जेडीयू जैसे दलों की ओर से कुछ महत्वपूर्ण विभागों की मांग की जा सकती है, क्योंकि उनका समर्थन सरकार के लिए महत्वपूर्ण होगा।

# लोकसभा का यह फाइनल नतीजा

■**पीटीआई, नई दिल्ली :** निर्वाचन आयोग ने देशभर के सभी 543 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिणाम बुधवार को घोषित कर दिए हैं। भारतीय जनता पार्टी (BJP) को 240 और कांग्रेस को 99 सीट पर जीत मिली है। महाराष्ट्र के बीड निर्वाचन क्षेत्र का परिणाम सबसे अंत में घोषित किया गया। इस निर्वाचन क्षेत्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) उम्मीदवार बजरंग मनोहर सोनवणे ने बीजेपी की पंकजा मुंडे को 6,553 मतों से हराया। देशभर में लोकसभा के कुल 543 निर्वाचन क्षेत्र हैं। गुजरात के सूरत से बीजेपी उम्मीदवार मुकेश दलाल के निर्विरोध चुने जाने के बाद 542 सीट के लिए ही मतों की गिनती की गई थी। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के अनुसार, लोकसभा चुनाव में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक दलों को मिली सीटों की संख्या इस प्रकार है:

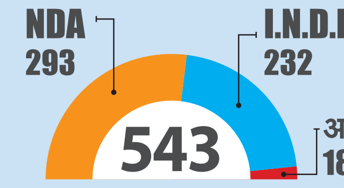


| NDA | | I.N.D.I.A. | |
|---|---|---|---|
| BJP | 240 | कांग्रेस | 99 |
| TDP | 16 | समाजवादी पार्टी | 37 |
| JDU | 12 | तृणमूल कांग्रेस | 29 |
| शिवसेना-शिंदे | 7 | DMK | 22 |
| LJP (रामविलास) | 5 | शिवसेना-उद्धव | 9 |
| जनसेना पार्टी | 2 | NCP-शरद | 8 |
| NCP-अजित | 1 | RJD | 4 |
| अपना दल-सोनेलाल | 1 | CPM | 4 |
| हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा | 1 | AAP | 3 |
| AJSU | 1 | JMM | 3 |
| असम गण परिषद | 1 | IUML | 3 |
| अन्य सहयोगी | 6 | CPI | 2 |
| | | नैशनल कॉन्फ्रेंस | 2 |
| | | अन्य सहयोगी | 7 |

स्रोत : चुनाव आयोग

# ओडिशा : CM के लिए प्रधान और पांडा रेस में

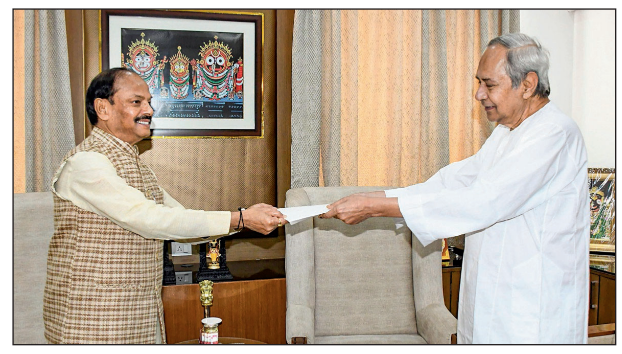
नवीन पटनायक (दाएं) ने बुधवार को इस्तीफा राज्यपाल को सौंप दिया।

■**विशेष संवाददाता, नई दिल्ली**

**ओडिशा में** पहली बार बीजेपी की सरकार बन रही है और सीएम कौन होगा इसे लेकर कयासबाजी तेज हो गई है। हालांकि बीजेपी के अब तक के सीएम चुनने के रेकॉर्ड को देखते हुए साफ तौर पर यह नहीं कहा जा सकता कि BJP किसी पॉपुलर चेहरों को सीएम बनाएगी या फिर किसी जमीनी कार्यकर्ता को। वैसे धर्मेंद्र प्रधान से लेकर बैजयंत पांडा तक कई नाम चल रहे हैं। लेकिन क्या सांसद चुने गए नेताओं को बीजेपी सीएम बनाएगी या फिर विधायकों में से ही सीएम चुनेगी।

धर्मेंद्र प्रधान संबलपुर सीट से लोकसभा चुनाव जीते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव अभियान के दौरान ओडिशा की जनता के सामने निवेदन रखा था कि ओडिशा में अब हमें सेवा करने का अवसर दिया जाए। दशकों तक यहां कांग्रेस का शासन रहा है। पिछले 25 साल से बीजेडी का शासन था। ओडिशा का विकास हो नहीं पाया है। उन्होंने कहा कि विकास के लिए ओडिशा की जनता ने बीजेपी को मौका दिया है।

> प्रदेश BJP अध्यक्ष ने कहा– एक–दो दिनों में हो जाएगा फैसला

BJP की राज्य इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल ने बुधवार को कहा कि पार्टी का संसदीय बोर्ड एक या दो दिन में इस बारे में फैसला ले लेगा। सामल ने कहा कि बेरहामपुर में आयोजित चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि BJP का अगला मुख्यमंत्री 10 जून को शपथ ले लेगा। सामल ने कहा, 'मुख्यमंत्री का चुनाव पीएम योग्यता के आधार पर करेंगे। एक उड़िया जो राज्य की संस्कृति और परंपरा को आगे बढ़ाएगा वह ओडिशा का मुख्यमंत्री होगा।' उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान BJP द्वारा किए गए वादों को पूरा किया जाएगा। BJP प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा चुनाव उड़िया गौरव, संस्कृति और परंपरा की रक्षा करने के लिए लड़ा गया।

# कैबिनेट की विदाई का डिनर!

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार शाम राष्ट्रपति भवन में केंद्रीय कैबिनेट के लिए डिनर का आयोजन किया। इससे पहले, राष्ट्रपति ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल की सलाह पर 17वीं लोकसभा को भंग कर दिया। राष्ट्रपति भवन के अनुसार बुधवार को हुई बैठक में मंत्रिमंडल ने राष्ट्रपति को वर्तमान लोकसभा को तत्काल प्रभाव से भंग करने की सलाह दी थी।

# राहुल गांधी की बहन होने पर गर्व : प्रियंका

■**भाषा, नई दिल्ली :** कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी के नाम एक संदेश दिया। इसमें प्रियंका ने कहा कि उन्हें राहुल की बहन होने पर गर्व है। प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर राहुल गांधी के नाम पोस्ट में कहा, 'आप खड़े रहे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उन्होंने आपके के लिए क्या कहा और क्या किया...आप कभी भी विपरीत परिस्थितियों से पीछे नहीं हटे। आपने विश्वास करना कभी नहीं छोड़ा, भले ही उन्होंने आपके दृढ़ विश्वास पर कितना भी संदेह किया हो। आपने उनके द्वारा फैलाए गए झूठ के प्रचार के बावजूद सच्चाई के लिए लड़ना कभी नहीं छोड़ा।' मेसेज में प्रियंका ने कहा, 'आपने क्रोध और घृणा को कभी भी अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया, भले ही वे इसे हर दिन आपको उपहार में देते हों। आप अपने दिल में प्यार, सच्चाई और दया के साथ लड़े। हममें से कुछ लोगों ने हमेशा आपको सबसे बहादुर के रूप में देखा और जाना है।'

प्रियंका गांधी

# I.N.D.I.A. के दल मिले, खरगे बोले- जनादेश मोदी के खिलाफ

Alpyu.singh@timesgroup.com

■**नई दिल्ली:** लोकसभा चुनाव का रिजल्ट आने के एक दिन बाद ही दिल्ली में सरकार बनाने को लेकर सियासी एक्शन दिखा। एनडीए ने घटक दलों की बैठक की तो I.N.D.I.A. के साथी दलों की बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के घर हुई। दो घंटे चली इस बैठक में फैसला लिया गया कि गठबंधन फिलहाल सरकार गठन की कोशिश नहीं करेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जनादेश पीएम मोदी के खिलाफ है। मैं गठबंधन के सभी साथियों का स्वागत करता हूं। हम एक साथ लड़े, तालमेल से लड़े और पूरी ताक़त से लड़े। आप सबको बधाई। उन्होंने कहा कि जनमत सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ख़िलाफ़ है। चुनाव उनके नाम और चेहरे पर लड़ा गया था और जनता ने बीजेपी को बहुमत न देकर उनके नेतृत्व के प्रति साफ़ संदेश दिया है। मंगलवार को लोकसभा चुनाव के परिणाम सामने के बाद से ही लोकसभा की सीटों को लेकर जैसी तस्वीर सामने उभरी, उसके बाद इस बात की अटकलें थीं कि गठबंधन भी सरकार बनाने की कोशिश करेगा। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि गठबंधन को सरकार बनाने के लिए अपना दावा सामने रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि गठबंधन की बैठक में पीएम के चेहरे पर भी चर्चा होगी। दरअसल सियासी हल्कों में इस तरह की खबरें भी तैर रही थीं कि एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार बिहार के सीएम नीतीश कुमार और टीडीपी चीफ चंद्रबाबू नायडू के संपर्क में बने हुए हैं। हालांकि शरद पवार ने बुधवार को कहा कि नीतीश और चंद्रबाबू नायडू से कोई बात नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि इस मसले पर वह सभी सहयोगी दलों के साथ बातचीत और मीटिंग के बाद ही कुछ कह सकते हैं। बता दें कि गठबंधन के सभी घटक दल इस बैठक में शामिल हुए हैं। एसपी प्रमुख अखिलेश यादव, डीएमके प्रमुख एमके. स्टालिन, शरद पवार, तेजस्वी यादव समेत गठबंधन के कई बड़े नेता मौजूद थे। हालांकि ममता बनर्जी ने तृणमूल नेता अभिषेक बनर्जी को भेजा। संजय राउत शिवसेना (यूटीबी) के प्रतिनिधि के तौर पर बैठक में शामिल हुए।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के घर विपक्षी गठबंधन की दो घंटे बैठक हुई।

बुधवार को दिल्ली पहुंचे तेजस्वी यादव ने कहा कि वोटरों ने तानाशाही के खिलाफ वोटिंग की है। यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए था। मतदाताओं ने इसे ध्यान में रखते हुए वोट किया है। अभिषेक बनर्जी ने भी बुधवार को दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले कहा कि तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी को बैठक में शामिल होने के लिए गठबंधन के नेताओं की ओर से निमंत्रण मिला है।

# BJP और BSP से क्यों खिसके दलित वोटर्स?

उत्तर प्रदेश में मायावती की पार्टी का वोट शेयर 10 प्रतिशत गिरा है।

Alpyu.singh@timesgroup.com

■**नई दिल्ली:** समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने बीते 13 अप्रैल को बिजनौर के नहटौर में पार्टी के उम्मीदवार दीपक सैनी के समर्थन में प्रचार करते हुए कहा था कि यह संविधान और लोकतंत्र बचाने का चुनाव है। एक समय समुद्र मंथन हुआ करता था और यह संविधान मंथन का समय है। राहुल गांधी और अखिलेश की ओर से चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार संविधान बचाने का मामला उठाया गया। इस चुनाव में संविधान बचाने के मुद्दे का और यूपी की ग्रामीण जनता, खासकर दलितों के बीजेपी और बीएसपी से मोहभंग होने के बीच खास रिश्ता है।

> संविधान बदलने की बात विपक्ष लोगों तक पहुंचाने में सफल रहा

बीजेपी ने मोटे तौर 11 राज्यों में SC रिजर्व्ड 82 सीटों में से 30 सीटें जीती हैं, जबकि पिछली बार पार्टी ने ऐसी 46 सीटों पर कब्जा किया था, जिनमें से ज्यादातर यूपी से थीं। 2019 में राज्य की 17 SC रिजर्व्ड सीटों में से 15 बीजेपी के खाते में गई थी, हालांकि इस बार 7 सीटें ही बीजेपी की झोली में आ पाईं। माना जा रहा है कि विपक्ष देश के दलित समुदाय तक अपनी यह बात पहुंचाने में कामयाब रहा है कि बीजेपी बाबा साहेब के बनाए संविधान को बदल सकती है। परिणाम बताते हैं कि देश की 131 SC-ST रिजर्व्ड सीटों में से बीजेपी के हाथ इस बार 55 सीटें आई हैं, जबकि पिछली बार ऐसी 77 सीटें बीजेपी ने जीती थी, वहीं SC-ST रिजर्व्ड ऐसी करीब 61 सीटें विपक्ष की झोली में गईं। इस बार यूपी में मायावती की पार्टी का वोट शेयर पिछली बार की तुलना में 10% गिरा है। पिछली बार यह 19% था और इस बार 9% ही रह गया है। राजनीतिक विश्लेषक बद्रीनारायण कहते हैं कि इन सीटों पर जीत का गणित गैर दलित वोट से तय होता है। अगर गैर दलित में ओबीसी विपक्ष में बड़ी संख्या में किसी और को वोट देते हैं, तो चुनाव में हार होगी ही, और नॉन जाटव वोट भी समाजवादी पार्टी की ओर गया है।

हालांकि, यशवंत देशमुख कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में दलित वोट बैंक थोड़ा बीएसपी से एसपी की ओर शिफ्ट हुआ है, खासकर वहां जहां समाजवादी पार्टी ने नॉन जाटव दलित चेहरों को टिकट दिया है। बीएसपी के वोट फीसद में तीन फीसदी की गिरावट है। गठबंधन की ओर जो दलित वोट गया है, वह कांग्रेस की वजह से गया है, ना कि एसपी के कारण। यूपी का देश भर का अपना वोट शेयर जस का तस है। यूपी की कहानी पूरे देश से अलग है और साथ ही राजस्थान की भी, क्योंकि इसके पीछे वजह बीजेपी की आपसी कलह, टिकटों का गलत बंटवारा, काम न करने वाले सांसदों के टिकट नहीं काटा जाना भी शामिल है।

हरियाणा में भी जाटों के साथ-साथ दलितों ने भी कांग्रेस पर भरोसा जताया है। अंबाला और सिरसा, दोनों ही SC आरक्षित सीटों पर कांग्रेस ने जीत हासिल की। जानकार कहते हैं कि हरियाणा जैसे राज्य में जाट और दलित समीकरण पहले भी कांग्रेस के साथ रह चुके हैं और इस बार भी यही हुआ है।

# आज हट जाएगी आचार संहिता, सौंपे जाएंगे सर्टिफिकेट

Maneesh.Aggarwal
@timesgroup.com

■**नई दिल्ली :** देशभर में 16 मार्च से लागू लोकसभा चुनाव-2024 के लिए आदर्श आचार संहिता गुरुवार को समाप्त हो जाएगी। जीते हुए सभी 543 सांसदों के सर्टिफिकेट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को सौंपने साथ ही आचार संहिता समाप्त हो जाएगी। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति को सर्टिफिकेट देने के लिए चीफ इलेक्शन कमिश्नर राजीव कुमार के साथ दोनों इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू भी जाएंगे। इसके बाद सरकार बनने समेत आगे की दूसरी तमाम कार्यवाही शुरू हो सकेगी।

आम चुनाव कराने में कुल कितना पैसा खर्च हुआ अभी इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। आयोग ने बताया कि इन आम चुनावों में कई नई चीजें हुईं। उसमें सबसे पहले सात चरणों में हुए मतदान में देश के 96.88 करोड़ मतदाताओं में से 64.20 करोड़ वोटरों ने वोट देकर विश्व रेकॉर्ड बनाया। जम्मू-कश्मीर में 40 साल बाद इतना अधिक मतदान हुआ। यहां की पांच लोकसभा सीटों पर ओवरऑल 58.58 फीसदी और घाटी में रेकॉर्ड 51.05 फीसदी मतदान हुआ। आयोग का दावा है कि घाटी के लोगों ने 40 साल बाद बिना किसी डर और भय के खुलकर वोट डाले। यहां के वोटरों के इस सकारात्मक रुख ने इस साल 30 सितंबर से पहले कराए जाने वाले जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव की राह और आसान कर दी है।

इलेक्शन कमिश्नर प्रेजिडेंट को जीते हुए सांसदों के सर्टिफिकेट सौंपेंगे।

कमिशन ने यह भी बताया कि देश के सभी 36 राज्यों में शांतिपूर्वक चुनाव कराने के लिए 1.50 करोड़ से अधिक पोलिंग और सिक्योरिटी स्टाफ को तैनात किया गया था। उन्हें लाने-ले जाने के लिए 135 स्पेशल ट्रेनों का इंतजाम किया गया। दूर-दराज और पहाड़ी इलाकों में स्टाफ को पहुंचाने के लिए हेलिकॉप्टरों ने 1692 उड़ानें भरीं। चार लाख से अधिक गाड़ियों का चुनाव कराने में इस्तेमाल किया गया।

### NBT Lens — समझिए खबरों के अंदर की बात: कैसे थे चुनाव के इंतज़ाम?

चुनाव आयोग का कहना है कि सारी चुनावी प्रक्रिया ईमानदारी, निष्पक्षता और मेहनत के साथ पूरी की गई। सात चरणों में हुई वोटिंग के बाद री–पोल कराने की नौबत बेहद कम आई। 2019 में वोटिंग कराने के बाद 540 जगहों पर दोबारा मतदान कराना पड़ा था। इस बार मात्र 39 जगह री–पोल कराना पड़ा। उनमें से अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में 25 जगहों पर री–पोल कराना शामिल है। 27 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में री–पोल की नौबत नहीं आई।

# नए सदस्यों के स्वागत की तैयारी में लोकसभा सचिवालय

■**विशेष संवाददाता, नई दिल्ली**

**लोकसभा सचिवालय** 18वीं लोकसभा के सदस्यों का स्वागत करने के लिए तैयार है। लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने तैयारियों का निरीक्षण किया। लोकसभा सचिवालय ने बताया कि कागजी कार्यवाही को कम करने और सदस्यों के रजिस्ट्रेशन की औपचारिकताओं को सुगम बनाने के लिए नए सदस्यों का पंजीकरण ऑनलाइन किया जाएगा। सदस्यों को विभिन्न शाखाओं में निर्धारित कागजात पर साइन करने की जरूरत नहीं होगी। रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 14 जून तक चलेगी। शनिवार और रविवार को भी यह होगा। सदस्यों का स्वागत करते हुए सचिवालय सभी सदस्यों को भारत के संविधान, नियम, निर्देश और कुछ अन्य उपयोगी प्रकाशनों की प्रतियां उपलब्ध कराएगा। इसके अलावा कुछ अन्य प्रकाशन सदस्यों को सॉफ्ट वर्जन में उपलब्ध कराए जाएंगे। रजिस्ट्रेशन काउंटर पर तैनाती के लिए कुल 70 अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है जो शिफ्ट में काम करेंगे।

> सदस्यों का रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन होगा, जो 14 तक चलेगी

# जब-जब राजनीति में नीतीश को माना गया कमज़ोर, वह मज़बूत होकर उभरे

## बिहार में JDU को 12 सीटें मिलने पर NDA में नीतीश की अहमियत बढ़ी

Narendra.Mishra@timesgroup.com

■**नई दिल्ली :** बिहार में JDU के 12 सांसदों की जीत के बाद नीतीश कुमार की अहमियत बढ़ गई है। उनके बिना केंद्र में नई सरकार बनना मुश्किल है। चंद दिन पहले पटना में उनकी सियासी ताकत पर सवाल उठ रहे थे। अब वह पटना से लेकर दिल्ली तक सबसे मजबूत दिखने लगे। यही नीतीश कुमार की राजनीति है। जब-जब उनके राजनीतिक रूप से खत्म होने की अटकलें लगीं वह मजबूत बन कर उभरे।

**ऐसे अलग हुए थे NDA से नीतीश :** 2013 में नीतीश कुमार NDA से अलग हो गए थे। इसकी वजह थी नरेंद्र मोदी पीएम पद की दावेदारी मिलना। 2014 का लोकसभा चुनाव नीतीश अकेले लड़े। राज्य में एकतरफ उनके प्रबल विरोधी रहे लालू प्रसाद थे तो दूसरी ओर BJP। 2014 में लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी को बड़ी जीत मिली थी। बिहार में नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव दोनों के दलों की बुरी तरह हार हुई थी। नीतीश कुमार की राजनीति का अंत होने की अटकलें लगाई जाने लगी थीं। आगे उनके वापसी की राह कठिन है। तब चुनाव परिणाम के दिन ही उन्हें जानकारी मिली थी कि BJP ने उनके दो दर्जन MLA से संपर्क साधा है और वे पाला बदलने को तैयार थे। चंद घंटे में ही इतनी तेजी से घटनाक्रम बदले कि उनके पास सोचने का वक्त नहीं बचा। उस वक्त नीतीश कुमार के एक बेहद करीबी ने बताया था कि उन्हें हार से अधिक हताशा चंद मिनटों में उनके ही दलों के कुछ नेताओं के बदले अंदाज से हुई। उन्हें माजरा समझने में देर नहीं लगी। लगभग एक घंटे वह अपने कमरे में बंद रहे। इसके बाद उन्होंने एक फोन लगाकर हालचाल पूछा और इसके बाद सीधे बोले, मैं अकेला महसूस कर रहा हूं। साथ आ जाइए। फोन के दूसरी ओर उनके धुर विरोधी लालू प्रसाद थे। नीतीश के उन करीबी नेता के अनुसार भले डेढ़ दशक तक दोनों एक-दूसरे के खिलाफ लड़ते रहे हों लेकिन उससे पहले दो दशक तक साथ काम करने के कारण दोनों एक-दूसरे को नजदीक से पहचानते थे। लालू ने नीतीश के फोन का राजनीतिक संदेश भी समझा और उसके बाद दोनों साथ आ गए।

2013 में मोदी के नाम पर अलग हुए थे नीतीश।

**ऐसे बनी थी बात :** 2017 तक बिहार में RJD के साथ सरकार चली। उसमें नीतीश का इकबाल कम होने लगा। ठीक उसी समय उन्होंने BJP अपने सबसे पुराने सहयोगी रहे सुशील कुमार मोदी को फोन किया, बोले दम घुट रहा। सुशील मोदी ने उनसे कहा- आ जाएं वापस। वह मान गए। अगले कुछ दिन में BJP के साथ नीतीश कुमार ने सरकार बना ली। 2019 में आम चुनाव में राज्य की 40 सीटों में NDA ने 39 सीटें जीतीं। उनमें 16 सांसद JDU के थे। BJP को अकेले 303 सीटें मिली तो नीतीश को केंद्र में उम्मीद के मुताबिक जगह नहीं मिली। 2022 विधानसभा चुनाव में BJP के साथ लड़े। NDA की जीत हुई, लेकिन JDU बेहद कमजोर हो गई। BJP का दबाव साफ दिखने लगा। इसके बाद उन्होंने तेजस्वी यादव से बात की। दोनों साथ आ गए। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद नीतीश कुमार और भी कमजोर लगने लगे। उसी वक्त अचानक सीधा नरेंद्र मोदी से उनका संपर्क हुआ। वह रातों रात फिर बदल गए। फिर BJP का साथ सरकार बना ली। लोकसभा चुनाव भी साथ लड़े।

# अमेठी गांधी परिवार की अमानत : के. एल. शर्मा

अमेठी से जीतने के बाद के. एल. शर्मा ने सोनिया गांधी से मुलाकात की।

■**भाषा, नई दिल्ली**

**उत्तर प्रदेश** के अमेठी से नवनिर्वाचित लोकसभा सदस्य किशोरी लाल शर्मा ने बुधवार को कहा कि इस क्षेत्र में उनकी जीत लोगों और गांधी परिवार की जीत है। उनकी कोशिश होगी कि 'अमानत में खयानत' न हो। वह जीत के बाद पहली बार दिल्ली पहुंचे। उन्होंने कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी से मुलाकात की। शर्मा ने रायबरेली से राहुल गांधी की जीत का सर्टिफिकेट भी उन्हें सौंपा।

शर्मा ने इस धारणा को खारिज कर दिया कि उन्होंने स्मृति इरानी को हराकर 2019 में राहुल गांधी की हार का बदला लिया है। उन्होंने कहा, 'राजनीति में बदला नहीं होता है, क्योंकि एक हारता है और दूसरा जीतता है।' शर्मा ने कहा कि यह उनकी निजी राय है कि राहुल गांधी को रायबरेली सीट से इस्तीफा नहीं देना चाहिए। राहुल गांधी इस बार रायबरेली और वायनाड दोनों क्षेत्रों से चुनाव में जीत दर्ज की है। अमेठी से जीत के बारे में पूछे जाने पर शर्मा ने कहा, 'यह अमेठी की जनता और गांधी परिवार की जीत है। अमेठी गांधी परिवार की अमानत है।

नवभारत टाइम्स

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली। गुरुवार, 6 जून 2024

# सरकार बनाने की जल्दी

**लोकसभा चुनावों** के नतीजे आने के बाद स्वाभाविक ही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सरकार गठन को लेकर गहमागहमी शुरू हो गई है। बहुमत बेशक NDA के पास है, लेकिन विपक्षी गठबंधन I.N.D.I.A. भी अपेक्षा से ज्यादा सीटें लाने की वजह से उत्साह में है।

**दूसरे दलों पर निर्भरता |** प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी के अब तक के दोनों कार्यकाल ऐसे रहे हैं, जिनमें उनकी अपनी पार्टी BJP को बहुमत हासिल रहा है। BJP के बहुमत की वजह से सहयोगी दलों के पास ज्यादा सौदेबाजी करने की गुंजाइश तब नहीं थी। अब पहली बार मोदी की अगुआई में ऐसी सरकार बनने के आसार दिख रहे हैं, जो अस्तित्व के लिए सहयोगी दलों के समर्थन पर निर्भर होगी।

सहयोग और समन्वय की दरकार

**मांगों का सिलसिला |** ऐसी स्थिति में अक्सर सरकार को समर्थन देने वाले दल अलग-अलग रूपों में इसकी कीमत वसूलना चाहते हैं। इस बार सहयोगी दलों की ओर से आधिकारिक तौर पर ऐसी कोई मांग सामने आने की सूचना अभी तक नहीं है, लेकिन सूत्रों के हवाले से मीडिया में ऐसी खबरें चलने लगी हैं कि लोकसभा अध्यक्ष पद और विशेष राज्य का दर्जा जैसी मांगें आगे की जा चुकी हैं।

**अनुभवी नेतृत्व |** इसमें दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास राजनीति का इतना लंबा अनुभव है कि उनके लिए इस तरह के दबावों को झेलना और तालमेल बनाए रखना ज्यादा मुश्किल नहीं होना चाहिए। लेकिन एन चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार दोनों अटल बिहारी वाजपेयी के दौर में भी NDA का हिस्सा रह चुके हैं। उस दौर में वाजपेयी सरकार को NDA के सहयोगी दलों के दबाव में तीन अहम मुद्दों – राम मंदिर, अनुच्छेद 370 और समान आचार संहिता – से दूरी बनाए रखनी पड़ी थी।

**घटक दलों का अंकुश |** सवाल उठना लाजिमी है कि क्या इस बार भी मोदी की अगुआई वाली सरकार को सहयोगी दलों की ओर से इस तरह की बंदिशों के बीच काम करना पड़ेगा। अगर हां तो यह सरकार के कामकाज की गति और दिशा पर किस तरह का प्रभाव डालेगा? मगर इन सवालों से पहले यह देखना होगा कि सरकार गठन की प्रक्रिया बिना किसी बाधा के पूरी हो जाती है या नहीं।

**मजबूत विपक्ष |** दिलचस्प है कि I.N.D.I.A. के भी कुछ घटक दलों की ओर से सरकार बनाने की इच्छा जताई गई है, लेकिन बहुमत से दूर होने की वजह से उनकी इच्छा पूरी होती नहीं दिख रही। यह जरूर है कि I.N.D.I.A. के बेहतर प्रदर्शन की बदौलत देश को लंबे असें बाद मजबूत विपक्ष मिला है। उम्मीद है कि सहयोगी दलों के तालमेल वाली सरकार और मजबूत विपक्ष का समन्वय देश में न केवल लोकतंत्र को मजबूती देगा बल्कि खुशहाली का नया दौर लाएगा।

## ऑफबीट

# गौतई और पूरनदा

सौरभ श्रीवास्तव

**गौतई के** बच्चे उड़ने लायक हो गए हैं। कुछ दिनों के प्रशिक्षण के बाद वे अपने माता-पिता के साथ लौट जाएंगे। इस्टोनिया की राष्ट्रीय पक्षी साइबेरियन बार्न स्वॉलो हर साल मार्च-अप्रैल के बीच उत्तराखंड में अंडे देने आती है। गौतई पहाड़ के घरों में गीली मिट्टी और तिनकों से घोसला बनाती है। एक बार बने हुए घोसले कई साल काम आते हैं। पहाड़ी लोग गौतई के लौट जाने के बाद उन्हें हटाते नहीं। वे गौतई के घोसला बनाने को शुभ मानते हैं, मान्यता है कि गौतई जिन घरों में घोसला बनाती है वहां संपन्नता आती है। इस वजह से गौतई को धनचिड़ि भी कहा जाता है।

सतखोल में पूरनदा एक छोटा होटल चलाते हैं, जहां चाय-नाश्ता और खाना मिलता है। होटल में गौतई के तीन घोसले हैं। एक घोसले में तीन बच्चे हैं, बाकी दो खाली हैं। मां-बाप उन्हें दिन भर उन्हें चारा खिलाते रहते हैं। बच्चों के पास दो ही काम हैं-खाने की मांग करते हुए चिचियाना और बीट करना। घोसला जहां होता है, उसके नीचे का फर्श बीट से पट जाता है। पूरनदा घोसले के नीचे अखबार बिछा देते हैं या कोई पुराना ढक्कन रख देते हैं ताकि फर्श गंदा न हो। पूरनदा बताते हैं कि एक बार गौतई खाना खाने की मेज के ठीक ऊपर घोसला बना लिया था। घोसले का मतलब था, मेज पर बीट का भंडार, बीट का भंडार यानि उस मेज पर ग्राहक नहीं बैठ सकते। होटल में कुल चार मेजें हैं। इनमें से एक मेज कम होने से आप नुकसान का अंदाजा लगा सकते हैं, लेकिन पूरनदा ने गौतई का घोसला नहीं हटाया। पहाड़ के लोगों का प्रकृति के साथ संबंध अलग है। पूरनदा कई बार दाल-चावल के बोरे खोलकर धूप दिखाते हैं। चिड़िया बोरों से चुगती हैं। पूरनदा उन्हें हटाते नहीं। वजह पूछने पर गुस्से से कहते हैं-वे कहां जाएंगी? यह उनका हक है।

प्रकृति, पशु-पक्षियों या जानवरों से मनुष्य के ऐसे संबंधों को शहर कब के निगल चुके हैं। पेट्स की बात अलग है। आप उन्हें पालते हैं, अपने अनुकूल ढालते हैं, अनुशासन सिखाते हैं। पहाड़ों या जंगली इलाकों में आपके संबंध उन जानवरों, पक्षियों से भी होते हैं जो जंगल की सीमा लांघ कर इंसानों की बस्ती में आते-जाते रहते हैं। आप उन्हें अपने घर में तो नहीं रखते, लेकिन वे मनुष्य के घर, बसावट और उससे जुड़े तमाम क्रिया-कलापों में पूरे अधिकार से शामिल हो जाते हैं। इंसान भी अपने स्पेस में थोड़ा पीछे खिसक कर उन्हें जगह दे देता है। बड़े जानवरों से न सही पर पक्षी, गिलहरी, सड़क पर घूमने वाले आवारा कुत्तों, बिल्लियों से तो ऐसे संबंध विकसित हो किए जा सकते हैं। एक बार हमने उन्हें अपने स्पेस का हिस्सा मान लिया तो हमें गौरैया, गिद्ध वगैरह को बचाने के लिए विशेष अभियान चलाने की जरूरत नहीं होगी।

## एकदा

# जेब में गज़ल

**मीर तकी** मीर काम बेहद कमाल का करते थे, लेकिन नाराज हो तो उनकी नजर में नवाब और नौकर एक बराबर हो जाते। वाकया तब का है, जब वह लखनऊ में रहते थे। एक रोज नवाब आसिफुद्दौला ने उनसे एक गजल की फरमाइश की। मीर ने गजल कहने का वादा भी कर लिया। दो-तीन रोज बाद जब नवाब साहब ने मीर साहब को देखा तो पूछ बैठे, 'मीर साहब, हमारी गजल का क्या हुआ?' मीर साहब के तेवर बदल गए। तुरंत बोल पड़े, 'जनाब-ए-आली, विषय गुलाम की जेब में नहीं पड़े रहते हैं कि कल आपने फरमाइश की और आज हाजिर कर दें।' नवाब साहब मीर के मिजाज से वाकिफ थे। उन्होंने जवाब दिया, 'खैर मीर साहब, जब तबियत हो कह दीजिएगा।' फिर एक दिन नवाब ने बुला भेजा। जब पहुंचे तो देखा कि नवाब हौज के पास खड़े हैं। हाथ में छड़ी है और लाल-हरी मछलियां तैरती फिरती हैं, नवाब साहब तमाशा देख रहे हैं। नवाब मीर को देखकर बहुत खुश हुए और कहा, 'मीर साहब कुछ फरमाइए।' मीर ने गजल सुनानी शुरू की। नवाब साहब सुनते जाते थे और छड़ी से मछलियों के साथ खेल भी रहे थे। मीर चिढ़ जाते और हर शेर पढ़ने के बाद ठहर जाते। आखिरकार चार शेर पढ़ कर मीर ठहर गए और बोले, 'पढ़ूं क्या, आप मछलियों से खेल रहे हैं।' नवाब साहब ने जवाब दिया, 'जो अच्छा शेर होगा, खुद ही ध्यान खींच लेगा।' मीर को यह बात बहुत नागवार गुजरी। गजल जेब में रख वहां से चले आए और फिर पलट कर कभी नहीं गए।

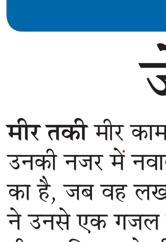

Shital Verma

संकलन : जमील गुलरेज

हिंदुत्व की दुहाई देकर आर्थिक असमानता के प्रश्न को अब और अनदेखा नहीं किया जा सकता

# ज़मीनी सियासत में क्या बदलाव आया

हिलाल अहमद

**2024 लोकसभा** चुनाव के नतीजों को दो तरह से देख सकते हैं। पहला, चुनाव में मिलने वाली सीटों और बनने वाले राजनीतिक समीकरणों का है। इस नजरिए से साफ है BJP की सीटें बेशक कम हो गई हैं, लेकिन NDA का आंकड़ा 293 पर पहुंच गया है। BJP के मत प्रतिशत में थोड़ी गिरावट आई है। यह गिरावट इतनी बड़ी नहीं है कि यह कहा जा सके कि देश की राजनीति में BJP का महत्व कम हो रहा है।

**नई संभावना |** दूसरी ओर I.N.D.I.A. का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। कांग्रेस बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। यूपी में समाजवादी पार्टी का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के उदय और I.N.D.I.A. की मजबूती ने यह संभावना पैदा कर दी है कि राजनीति में केंद्रीकरण का दौर खत्म होगा और गठबंधन सरकारों का युग फिर लौटेगा। इन घटनाओं को देखने का एक और व्यापक नजरिया है, जो उन अर्थों की तरफ ले जाता है, जिन्हें लेकर भविष्य में राजनीति होनी है। इस नजरिए से तीन ऐसे पक्ष उजागर होते हैं, जिन पर बात करना जरूरी है।

**चैरिटेबल स्टेट |** पहला पक्ष है- राज्य की संरचना का। कांग्रेस और BJP के घोषणापत्रों में एक बात तो तय थी कि भारतीय राज्य की आर्थिक क्षेत्र में क्या भूमिका होने वाली है। BJP ने पिछले 10 सालों में स्थापित राज्य के मॉडल की रीपैकेजिंग करके अपने कैंपेन को आगे बढ़ाया। इस मॉडल को मैं चैरिटेबल स्टेट कहता हूं। एक ऐसा राज्य जो कहता है कि बाजार में राज्य का दखल नहीं होना चाहिए। दूसरी ओर, नागरिकों को होने वाली परेशानियों और गैर-बराबरी जैसे सवालों को दूर करने के लिए वह कल्याणकारी योजनाएं पेश करता है। इस मॉडल को BJP ही नहीं, अन्य पार्टियों की सरकारों ने भी अपनाया है।

**क्या कहते हैं चुनाव परिणाम**

- लोगों के मुद्दे राजनीति के केंद्र में
- राजनीति में बदला हिंदुत्व का विमर्श
- आर्थिक क्षेत्र से निकल रही बड़ी बहस

**न्याय की चुनौती |** दिलचस्प है कि पहली बार इस मॉडल को चुनौती कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में दी। कांग्रेस ने नव संकल्प आर्थिक नीति के तीन पक्ष रखे- वर्क, वेलफेयर और वेल्थ। उसने कहा कि केवल कल्याणकारी योजनाएं चलाने से ही बदलाव नहीं होगा, बल्कि जरूरी है कि राज्य ऐसे अवसर मुहैया कराए कि लोगों को सम्मानजनक रोजगार मिल सके। स्टेट और आर्थिक क्षेत्र का यह रिश्ता इस चुनाव में हमें एक बड़ी राष्ट्रीय बहस की ओर ले गया है, जो इन नतीजों का पहला पक्ष या पहला महत्वपूर्ण राजनीतिक अर्थ कहा जा सकता है।

**हिंदुत्व का विमर्श |** दूसरी अहम बात है राजनीतिक विमर्श में बदलाव। पिछले 10 वर्षों में हमने देखा कि हिंदुत्ववादी राष्ट्रवाद राजनीति का प्रमुख विमर्श हो गया। गैर-BJP दलों ने भी चुनावी रणनीतियां उसके आधार पर तय कीं। इस बार के चुनाव में यह चीज थोड़ी बदलती नजर आई, जब कांग्रेस और विपक्ष के लोगों ने सामाजिक न्याय के मुद्दे को नई तरह से प्रस्तुत किया।

**आरक्षण से आगे |** याद रखना होगा कि सामाजिक न्याय की यह राजनीति सिर्फ जातिगत आरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि उसमें आर्थिक गैर-बराबरी के प्रश्नों को भी शामिल किया गया है। शायद यही कारण था कि BJP ने आरक्षण की नीति को हिंदू-मुसलमान के नजरिए से सामने रखकर मतदाताओं को रिझाने की कोशिश की। इसका मतलब यह हुआ कि भारतीय राजनीति का जो बड़ा विमर्श है, चुनावी नतीजे बताते हैं कि जनता भी उस बदलाव की ओर उन्मुख है।

**सामाजिक शून्यता |** तीसरी बड़ी बात जो इस चुनाव से निकलकर आई, वह है सामाजिक क्षेत्र की पुनर्संरचना। याद रखना होगा कि आम तौर पर किसी भी लोकतंत्र में और खास तौर पर भारत में चुनाव केवल उस समय नहीं लड़े जाते, जब चुनाव की तारीख तय कर दी जाती है। समाज के स्तर पर राजनीति चलती रहती है।

**क्या परिवर्तन हुआ |** पिछले कुछ सालों में इस सामाजिक स्तर से BJP के अलावा तमाम राजनीतिक दल गायब हो गए थे। इसका कारण था कि BJP को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और दूसरी उससे जुड़ी हुई संस्थाओं का समर्थन हमेशा प्राप्त रहा है। ये संस्थाएं ऐसे समय में भी BJP की उपस्थिति दर्ज कराती हैं, जब चुनाव नहीं हो रहे होते हैं। किसी और गैर-BJP दल के पास यह सुविधा नहीं है क्योंकि उनकी सांस्कृतिक और सामाजिक संस्थाएं निष्क्रिय हो चुकी हैं।

**मुद्दों की वापसी |** राहुल गांधी की दोनों भारत जोड़ो यात्राएं इस संदर्भ में महत्वपूर्ण कही जा सकती हैं, क्योंकि इन यात्राओं ने भले ही कांग्रेस के अंदर ढांचागत परिवर्तन न किया हो, लेकिन उन्होंने जमीनी स्तर पर राजनीति को दोबारा से गर्मा दिया है।

**जमीनी राजनीति बदली |** पिछले एक दशक का सामाजिक क्षेत्र धर्म या सांप्रदायिकता के इर्द-गिर्द घूमता रहा। सामाजिक न्याय, बेरोजगारी और विकास के मुद्दे उठाने की जगह सामाजिक स्तर पर खत्म हो गई थी। इन चुनावों ने दिखाया है कि सामाजिक स्तर पर दोबारा से जमीनी राजनीति नई करवट ले रही है। ये तीन बड़े अर्थ इन चुनाव से निकलते हैं, जिनसे भारत के भावी लोकतंत्र की तस्वीर तय होगी।

*(लेखक CSDS में असिस्टेंट प्रफेसर हैं)*

# चुनाव के दौरान लोगों ने मुझे ये बताया

रोहित मिश्र

**चुनावी सरगर्मियां** जोरों पर थीं। ईद का त्योहार भी बीत चुका था। यानी, पहले चरण की वोटिंग में अब गिने-चुने दिन ही रह गए थे। ऐसे में चुनावी माहौल जानने के लिए एक सफर शुरू किया गया, बस से। ऐसा सोचने के पीछे की वजह यही थी कि साधारण बसों में आम आदमी ही यात्रा करते हैं। यही चुनाव की दिशा तय करते हैं। सच में यह यात्रा इस मायने में बेहद रोचक थी कि आम आदमी जरा-सा कुरेदने पर अपनी जिंदगी की किताब का वह पन्ना खोल देता, जो वह आपसे साझा करना चाहता था। तमाम यात्राएं, कई जिंदगियों की किताबें और उनके बहुत से पन्ने। अब जबकि चुनाव परिणाम आ गए हैं तो उस पर जिंदगी की जद्दोजहद से जूझते लोगों का असर दिख भी रहा है।

**महंगाई का सवाल |** पूरी बस यात्रा में लखनऊ से रामपुर का ही सफर एसी बस में तय हुआ। सवारियां पैसा खर्चने की हैसियत में थीं, बावजूद इसके उन्हें महंगाई चुभ रही थी। परिवार के साथ रामपुर जा रहीं एक महिला ने चुनाव की चर्चा चलते ही कहा, 'चुनाव शुरू हुआ है, उसके पहले देखा कुछ दाम घटा दिए रसोई गैस के। पेट्रोल-डीजल भी सस्ता हो गया, लेकिन एक बार चुनाव बीतने दो, सरकार ब्याज समेत वसूलने में लग जाएगी।' उनकी बातों से ऐसा लगा कि मानो सरकार महंगाई नियंत्रित करना ही नहीं चाहती। ऐसा कितनी महिलाओं ने सोचा होगा, जिन्हें किचन का बजट तैयार करना पड़ता है और यह भी देखना होता है कि घर आने वाली कमाई में ही सब पूरा हो जाए?

**करियर की चिंता |** जब नरेंद्र मोदी पहली बार पीएम पद के दावेदार के रूप में चुनाव मैदान में थे, तब सबसे ज्यादा उत्साह युवाओं में था। उन्हें लगता था कि उनका भविष्य बदलने जा रहा है। लेकिन, इस यात्रा के दौरान बहुत से युवा करियर की चिंता से दो-चार दिखे। बरेली से पीलीभीत के सफर का वाकया है। बरेली में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे मंजीत सिंह को अब चिंता सताने लगी है कि वह अगले एक-दो साल में सरकारी नौकरी के लिए ओवरएज हो जाएंगे। उन्हें इस बात की नाराजगी है कि नियमित तौर पर सरकारी भर्तियां आती नहीं और जब आती भी हैं तो पेपरलीक हो जा रहे हैं। प्राइवेट जॉब क्यों नहीं करते? इस सवाल के जवाब में मंजीत का सवाल था, 'प्राइवेट नौकरी में किस काम के लिए कितनी तनख्वाह मिलेगी, क्या सरकार तय कर सकती है?'

कॉमन रूम

**योजनाओं में सेंध |** इंसान अपनी जरूरत के मुताबिक चलते रहने के रास्ते तलाश ही लेता है। 10-12 किलोमीटर से ज्यादा लंबा सफर तो ऑटो या ई-रिक्शा में नहीं हो सकता। लिहाजा कम दूरी की सरकारी बसों में कुछ रुपये कंडक्टर को पकड़ा कर लोग अपने ठिकाने तक पहुंच जाते हैं। ये सवारियां बस के गेट पर खड़े-खड़े सफर पूरा कर लेती हैं। तपती धूप में लू के थपेड़े खिड़कियों के टूटे कांच से आम आदमी के चेहरे को लाल कर रहे होते हैं। अब चूंकि सुविधा का खर्च नहीं उठा सकते, तो रुमाल या गमछे से ढंक लेते हैं अपना चेहरा। बदायूं के सफर में जब ऐसे ही लोगों से सरकारी योजनाओं पर राय जानने की कोशिश की, तो वे गदगद दिखाई दिए। हालांकि उन्हें इससे नाराजगी थी कि योजनाएं पटल पर आतीं नहीं, पहले ही उनमें सेंधमारी हो जाती है। आवास योजना का पैसा खाते में आता है, लेकिन योजना में नाम शामिल करवाने के लिए जेब गर्म करनी पड़ती है। सरकार पूरा राशन दे रही है, लेकिन जो उसे बांट रहा है, वह मात्रा में कमी कर देता है।

**अग्निवीर से नाराजगी |** शाहजहांपुर से सीतापुर के सफर में मिले प्रेम प्रकाश। उन्होंने बताया कि हर साल तमाम रिश्तेदारों के यहां न्योता होता है, लेकिन सोचना पड़ता है कि कहां जाएं और कहां जाने से बचा जा सकता है। जेब भरी रहे तो सबको जाना अच्छा लगता है। इसी सफर में मिले आदित्य वर्मा ने बताया कि उनका लड़का दो साल में रिटायर हो जाएगा। आदित्य की उम्र 50 से कुछ ज्यादा थी। मैं चौंक गया। तब आदित्य ने बताया कि उनका बेटा अग्निवीर है।

*(लोकसभा चुनाव के दौरान लेखक ने यूपी के कई संसदीय क्षेत्रों का बस से दौरा किया था)*

# जब हो गया था तख्तापलट का डर

**इमरजेंसी के** बाद हुए आम चुनाव में जनता ने कांग्रेस को खारिज कर दिया। इंदिरा को डर था कि सरकार उनके परिवार और खासतौर पर संजय गांधी के खिलाफ एक्शन ले सकती है। लेकिन, नई सरकार भी कम आशंकित नहीं थी। जनता पार्टी को एकबारगी यहां तक लगने लगा कि सत्ता के गलियारे में मौजूद इंदिरा के वफादार तख्तापलट कर सकते हैं।

**बक्सों का रहस्य |** इंदिरा गांधी की हार के कुछ ही घंटों बाद दिल्ली में इंटेलिजेंस ब्यूरो के जॉइंट डायरेक्टर वीवी नागरकर को सूचना मिली कि 1, सफदरजंग रोड स्थित आवास से दो बक्सों में डॉक्युमेंट्स छतरपुर स्थित फार्म हाउस भेजे गए हैं, जमीन में गाड़ने के लिए। नागरकर की सूचना पर जॉर्ज फर्नांडिस ने अपने राजनीतिक सचिव रवि नायर को टोह लेने भेजा। नायर और आईबी के एक डीसीपी फार्म हाउस पहुंचे। उन लोगों को वहां कुछ नहीं मिला। एक महीने बाद दोबारा जांच की गई। तब एक माली ने रवि को बताया कि संदूकों को खोदकर निकाल लिया गया है।

टाइम मशीन

**राष्ट्रपति का अड़ंगा |** जनता पार्टी की सरकार बनने के कुछ ही बाद की बात है, गृह मंत्री चरण सिंह के कहने पर कैबिनेट ने फैसला किया कि नौ राज्यों में कांग्रेस की सरकारों को बर्खास्त कर दिया जाए। इस बारे में कार्यवाहक राष्ट्रपति बीडी जत्ती के पास प्रस्ताव भेजा गया। लेकिन, जत्ती ने एक नहीं, बल्कि दो बार प्रस्ताव रोक दिया। 29 अप्रैल 1977 को उन्होंने सरकार को बताया कि उन्हें मामले पर सोच-विचार के लिए और समय चाहिए। इसने केंद्र को सकते में डाल दिया।

**मंत्रियों की घबराहट |** राष्ट्रपति के हस्ताक्षर करने से इनकार करने का परिणाम संवैधानिक संकट हो सकता था। चिंतित प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने 30 अप्रैल 1977 को कैबिनेट की बैठक बुलाई। मंत्रियों की घबराहट स्पष्ट थी। वे चिंतित थे कि कार्यवाहक राष्ट्रपति क्या कर सकता है। वे जानते थे कि जत्ती वफादार हैं इंदिरा गांधी के प्रति। हालांकि किसी भी मंत्री ने स्पष्ट रूप से नहीं कहा और यह सवाल वहां अनकहा रह गया कि क्या सशस्त्र सेना के सर्वोच्च कमांडर के रूप में जत्ती सेना को बुलाकर नई सरकार को सत्ता से हटा सकते हैं?

**जगजीवन का आश्वासन |** उस कैबिनेट मीटिंग में रक्षा मंत्री जगजीवन राम ने अपने सहयोगी मंत्रियों का डर दूर करने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि इमरजेंसी के दौरान तत्कालीन रक्षा मंत्री बंसीलाल ने तब के सेना प्रमुख से मुलाकात कर आपातकाल को समर्थन देने के लिए कहा था। लेकिन, सेना प्रमुख ने इनकार कर दिया। जगजीवन राम ने कैबिनेट से कहा कि सेना पर संदेह नहीं करना चाहिए।

**'कुछ होने वाला है' |** उसी रात को जॉर्ज फर्नांडिस के पास फिर से आईबी ऑफिसर नागरकर का फोन आया और उन्होंने चेताया, 'कुछ होने वाला है।' तख्तापलट का संदेह फिर पनपने लगा। संदेह को तब और हवा मिली, जब तुरंत ही जॉर्ज के पास मधु लिमये का फोन आया। उन्हें भी अलर्ट किया गया। जॉर्ज फर्नांडिस ने फौरन अपने राजनीतिक सचिव रवि नायर को नई दिल्ली के हाई सिक्योरिटी एरिया का चक्कर लगाने के लिए भेजा। नायर ने उधार का एक दोपहिया वाहन लिया और लुटियंस का जायजा लेने निकल पड़े। उन्हें सेना मुख्यालय, ऑल इंडिया रेडियो या संसद भवन के पास, कहीं भी कुछ असामान्य नहीं मिला। वापस आकर उन्होंने जॉर्ज फर्नांडिस को रिपोर्ट दी कि सब सही है।

– **नवभारत टाइम्स**

# महिला सांसद घटीं

प्रणव प्रियदर्शी

**देश की** 18वीं लोकसभा निर्वाचित हो चुकी है। इसके 543 सदस्यों में 73 महिलाएं हैं। यह स्थिति इस लिहाज से मायूस करने वाली कही जाएगी कि पिछली लोकसभा के मुकाबले इस बार महिलाओं की नुमाइंदगी बढ़ने के बजाय कम हुई है। 2019 के चुनाव में कुल 78 महिलाएं निर्वाचित हुई थीं। अगर प्रतिशत देखा जाए तो मौजूदा 18वीं लोकसभा में महिलाओं की मौजूदगी महज 13% बैठती है। देश की आधी आबादी के लिए तो यह अनुपात कम है ही, महिला आरक्षण विधेयक के जरिए महिलाओं के लिए प्रस्तावित 33% आरक्षण से भी बहुत कम है। यह स्थिति कानून के जरिए देश में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की जरूरत को रेखांकित करती है। हालांकि चुनाव प्रक्रिया में वोट के जरिए भागीदारी में महिलाएं पीछे नहीं हैं। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि उनमें राजनीति को लेकर जागरूकता की कमी है। इसके बावजूद अगर निर्वाचित महिला सांसदों की संख्या में कमी आई है तो जाहिर है, मामला कहीं और फंस रहा है। राजनीतिक दलों की पहली प्राथमिकता ऐसे लोगों को टिकट देने की होती है जो जीतने के काबिल हों। फिर भी, 2019 के मुकाबले इस बार महिला प्रत्याशियों की संख्या कम नहीं थी। 2019 में 720 महिला प्रत्याशी थीं, जबकि 2024 में विभिन्न दलों ने 797 महिलाओं को टिकट दिया। फिर भी निर्वाचित महिला सांसदों की संख्या में गिरावट हुई जो बताती है कि जीतने की काबिलियत के मामले में महिलाओं को काफी आगे बढ़ना है। वैसे, अब तक की यात्रा की बात करें तो देश की संसद में महिलाओं की मौजूदगी धीरे-धीरे ही सही लेकिन बढ़ती रही है। 1962 के लोकसभा चुनाव में मात्र 74 महिलाएं मैदान में उतरीं, जिनमें 36 विजयी हुई थीं। जाहिर है, महिलाओं की संसद में नुमाइंदगी काफी बढ़ी है, लेकिन इसे अभी बहुत ज्यादा बढ़ाने की जरूरत है, जिसमें आरक्षण की व्यवस्था मददगार हो सकती है।

आधी दुनिया

# रीडर्स मेल

www.edit.nbt.in

**कोई फॉर्म्युला नहीं**

**5 जून** का संपादकीय 'सरप्राइज!' पढ़ा। सचमुच यूपी ने सरप्राइज दिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने राज्य को शानदार कानून व्यवस्था दी, रोजगार का प्रबंध भी उत्तम किया। केंद्र के साथ मिलकर कई काम किए। इसके बावजूद BJP को सिर्फ 32 सीटें मिलना हैरानी की बात है। सबसे ज्यादा चौंकाने वाला परिणाम रहा, पंजाब से कट्टरपंथी उपदेशक अमृतपाल सिंह का जेल में बंद होने के बावजूद एक लाख 97 हजार वोटों से जीतना। इसी तरह टेरर फंडिंग के आरोप में बंद जम्मू कश्मीर में इंजीनियर राशिद ने कद्दावर नेता उमर अब्दुल्ला को दो लाख वोटों से हरा दिया। ऐसे परिणाम निश्चित ही चौंकाने वाले हैं। देश के मतदाताओं के इस जनादेश को समझना आसान नहीं।

**इन्द्र सिंह धिगान,** किंग्जवे कैंप

**चुनाव परिणाम पर चर्चा**

**5 जून** के लेख 'क्या है 2024 के जनादेश का मतलब' में पहले लेखक ने NDA/BJP के 2019 के चुनाव की तुलना में 2024 में मिली कम सीटों पर बिना भेदभाव के, निष्पक्ष और ठोस तर्क रखे हैं। इसमें उन्होंने जो विचार दिए हैं, उनसे पाठक सहमत हैं। लेख के दूसरे पक्ष में आम सहमति की कमी, बिना बहस के बिल, विपक्ष से दुश्मनी, मुस्लिम लीग से तुलना, पीएम के खिलाफ शिकायतें जैसी बातें सटीक नहीं लग रही हैं। इनका चुनाव से संबंध नहीं है। कोरोना काल से निपटने में संसद में बहस न किए जाने पर उठाया गया सवाल तर्कपूर्ण नहीं लगता।

**एस.एस. बिष्ट,** विकासपुरी

**चौंकाने वाला जनादेश**

**लोकसभा चुनाव** में BJP अपने घटक दलों से मिलकर भले ही बहुमत का आंकड़ा पार कर गई हो, पर यूपी के रिजल्ट ने राजनीतिक दलों को सोचने पर मजबूर किया है। सबसे बड़ा उलटफेर उत्तर प्रदेश में देखने को मिला। यहां समाजवादी पार्टी ने तमाम एग्जिट पोल को गलत साबित करते हुए शानदार जीत दर्ज की। यहां से अजय मिश्रा टेनी, स्मृति ईरानी सहित कई दिग्गज नेताओं को अपनी सीट गंवानी पड़ी।

**शिवेन्द्र यादव,** ईमेल से

**nbtedit@timesgroup.com** पर अपनी राय नाम-पते के साथ मेल करें।

## अंतिम पत्र

**दिल्ली में** 162 में से 148 कैंडिडेट जमानत भी नहीं बचा सके - खबर

- जमानत जब्त होने की किसे चिंता जब उम्मीद ही जब्त हो गई!

**प्रशांत रावत**

THE SPEAKING TREE

और पढ़ने के लिए देखें

hindi.speakingtree.in

# राम ने मर्यादा और कृष्ण ने प्रेम का मतलब सिखाया

जयति गोयल

शांति, अहिंसा, मानवाधिकार की बातें खूब होती है, पर आचरण के प्रति सजगता का अभाव अखरता है। लोग डरे-सहमे हुए हैं। एक-दूसरे को शक की नजरों से देख रहे हैं। मिलना-जुलना कम हो गया है। एक साधन है मोबाइल फोन, तो उस पर भी बातें कम ही होती हैं। मेसेज से काम चला लेते हैं लोग।

ध्यान देने वाली बात यह भी है कि देश में आस्तिक हैं, तो नास्तिक भी। राम हैं, तो रहीम भी। यीशु हैं, तो वाहे गुरु भी। यहां अलग-अलग जातियां, धर्म, संप्रदाय, भाषा, परंपराएं और संस्कृतियां हैं। हजारों साल से इन सबको संभालकर यह देश चला आ रहा है। किसी युग में राम के रूप में मर्यादा की महिमा बनी, तो किसी में कृष्ण के रूप में प्रेम की। कभी बुद्ध के रूप में करुणा की गंगा बही, तो कभी भगवान महावीर ने अहिंसा का पाठ पढ़ाया। यह हमारी पहचान है, जिसमें अच्छे आचरण और अहिंसा को सबसे ज्यादा महत्व दिया गया है।

शांति और अहिंसा इंसानियत को परिभाषित करती है। दूसरी ओर हिंसा भी कम नहीं हो रही है। प्रश्न उठता है, क्या हम हिंसा और अहिंसा को ठीक से समझ पा रहे हैं? क्या समय और परिस्थितियों में हिंसा-अहिंसा के अर्थ बदल जाते हैं। हिंसा की जो बात एक व्यक्ति पर लागू होती है, क्या दूसरे पर भी लागू होती है? क्या सभी परिस्थितियों में हिंसा की पहचान एक ही तरह से होती है? नहीं, ऐसा लगता है। संदर्भ बदलने से हिंसा और अहिंसा के अर्थ बदल जाते हैं। श्रीकृष्ण महाभारत में अर्जुन से यह नहीं कह रहे हैं कि वह हिंसा करें। वह तो अधर्म के सशस्त्र आक्रमण को रोकने के लिए, धर्म को बचाने के लिए बल-प्रयोग का उपदेश और आदेश देते हैं। क्या हिंसा और बल-प्रयोग समान हैं? वन के उन पशुओं को हम हिंसक कहते हैं, जो स्वयं से निर्बल जीवों को मारकर खा जाते हैं। लेकिन धर्म, देश, समाज की रक्षा करने वालों को हम कभी हिंसक नहीं कहते। वे बल-प्रयोग करते हुए भी हिंसक नहीं हैं। वे रक्षक कहलाते हैं। तो हिंसा और बल-प्रयोग का अंतर समझें। हिंसा से अधर्म की स्थापना होती है और अधर्म के विनाश के लिए अनासक्त बल-प्रयोग होता है।

श्रीकृष्ण ने कहा है कि, 'मन, वाणी और शरीर - किसी मनुष्य को किसी भी प्रकार से किसी को भी कष्ट नहीं देना चाहिए। सत्य और प्रिय बोलना चाहिए। कर्म में कर्तापन के अभिमान को त्यागना चाहिए, किसी की भी निंदा नहीं करनी चाहिए। शास्त्र विरुद्ध कर्म नहीं करना चाहिए।' यहां पर श्रीकृष्ण ने अहिंसा का उपदेश दिया और कहा कि अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है। बेवजह किसी को सताना बिल्कुल सही नहीं है। महात्मा गांधी ने गीता से अहिंसा का पाठ सीखा और इसी अहिंसा के दम पर भारत को आजादी दिलाई। गांधी ने कहा भी है कि अहिंसा ही धर्म है।

सवाल यह भी उठता है कि क्या हथियार से ही व्यवस्था बनाई जाए? डराकर ही लोगों को नियम पर चलना सिखाया जाए? अगर ऐसा होता है, तो अहिंसा की आवाज कितना असर डाल पाएगी? समझना जरूरी है कि अहिंसा मनुष्यता की प्राण-वायु है। चाहे हम जितने मंगलयान-चंद्रयान बनाएं, साथ-साथ नहीं चल सके तो दुख का ही संसार बनेगा।

आर.एन.आई. नं. 510/57© सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति के बिना संपूर्ण या आंशिक पुनर्प्रकाशन पूर्णत: प्रतिबंधित। स्वत्वाधिकारी बैनेट, कोलमैन एण्ड कम्पनी लिमिटेड के लिए राजीव यादव द्वारा, 7 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित तथा टाइम्स ऑफ इंडिया प्रेस, साइट IV, औद्योगिक क्षेत्र साहिबाबाद और प्लॉट नंबर 7-8, सेक्टर M-11, ट्रांसपोर्ट हब, इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप, मानेसर, हरियाणा से मुद्रित। फोन : 23302000 फैक्स: 23492047, पंजीकृत कार्यालय : दादाभाई नौरोजी रोड, मुंबई-400001। विमान सेवा शुल्क : 1 रु. प्रति कॉपी। नेपाल में कुल मूल्य : सोमवार से शनिवार : नेपाली 5 रु. ; रविवार : नेपाल 6 रु.
संपादक (दिल्ली मार्केट) : आशीष पांडे (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी)

"जब आप सिक्स मारने के बारे में सोचते हैं तो क्रिस गेल, कीरोन पोलार्ड, आंद्रे रसल के बारे में सोचते हैं जो सिक्स उड़ाने के क्षेत्र में बादशाह हैं। आप उन्हें देखते हैं कि वे कैसे खेलते हैं, आप उनका अनुसरण करना चाहते हैं।
–टिम डेविड, ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटर

**806** रन हैं डेविड वॉर्नर के नाम टी20 वर्ल्ड कप के 34 मैचों में। वह ऑस्ट्रेलिया की ओर से टी20 वर्ल्ड कप में सर्वाधिक रन बनाने वाले बैटर हैं

## फटाफट खबरें

### वैशाली जीतीं,प्रग्ना हारे

■ **स्टावेंगर:** भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रग्नानंदा को नॉर्वे चेस टूर्नामेंट के आठवें राउंड में शीर्ष वरीय मैग्नस कार्लसन के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट में अब जब सिर्फ दो राउंड का खेल बाकी है तब कार्लसन 14.5 अंक के साथ टॉप पर हैं। प्रग्नानंदा 12 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। प्रग्ना की बड़ी बहन आर वैशाली ने सातवें राउंड के बाद टॉप पर चल रही यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक को हराया।

### अश्विन को ज़िम्मेदारी

■ **नई दिल्ली:** भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन चेन्नै सुपरकिंग्स हाई परफॉर्मेंस सेंटर की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। इससे संभवतः उस फ्रेंचाइजी में उनकी वापसी का रास्ता साफ हो जाएगा जिसने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। सुपरकिंग्स के सीईओ कासी विश्वनाथन ने बताया कि अश्विन सेंटर के साथ-साथ भारत और विदेश में टीम की अकैडमियों की भी जिम्मेदारी संभालेंगे।

### पुर्तगाल की टीम जीती

■ **मिलान:** इटली ने अगले महीने यूरो फुटबॉल चैंपियनशिप में खिताब की रक्षा का अभियान शुरू करने से पहले प्रैक्टिस मैच में तुर्की के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला। स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना खेल रहे पुर्तगाल ने फिनलैंड को 4-2 से हराया। पहले से तय था कि रोनाल्डो फिनलैंड और क्रोएशिया के खिलाफ देश के दो फ्रेंडली मैच में नहीं खेल पाएंगे।

### एमएलसी से जुड़े कमिंस

■ **मेलबर्न:** फास्ट बोलर पैट कमिंस ने सेन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के साथ चार साल का करार किया है। इससे वह मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) से जुड़ने वाले ऑस्ट्रेलियन प्लेयर्स की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। अमेरिका की इस फ्रेंचाइजी टी20 लीग को आईसीसी से लिस्ट-ए का दर्जा मिला है और इस टूर्नामेंट का दूसरा सीजन छह से 29 जुलाई तक खेला जाएगा।

### टीम का नाम बदला

■ **दांबुला:** श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने बताया कि लॉस एंजिल्स स्थित एक सिविल इंजीनियरिंग परामर्श फर्म लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) की दांबुला फ्रेंचाइजी की नई मालिक होगी। इसे 'दांबुला सिक्सर्स' नाम दिया गया है। पहले फ्रेंचाइजी को दांबुला थंडर्स के नाम से जाना जाता था।

वर्ल्ड कप के अपने पहले मैच में टीम इंडिया ने आयरलैंड को 8 विकेट से हराया, कप्तान रोहित शर्मा का चला बल्ला तो हार्दिक गेंद से चमके

# न्यूयॉर्क की मुश्किल पिच पर भारत की आसान जीत

■ **NBT स्पोर्ट्स, नई दिल्ली:** वर्ल्ड कप खिताब के सूखे को खत्म करने के मिशन के साथ टी20 वर्ल्ड कप में उतरी भारतीय टीम ने बुधवार को अपने पहले मुकाबले में आयरलैंड पर 8 विकेट की जीत के साथ विजयी आगाज किया।

वर्ल्ड कप में अक्सर अपने चौंकाने वाले प्रदर्शनों के लिए मशहूर आयरलैंड के लिए इस बार टी20 वर्ल्ड कप के मैच में भारतीय पेसर्स को संभालना मुश्किल हो गया। मददगार पिच पर भारत की पेस चौकड़ी ने आठ विकेट झटक लिए और आयरिश टीम को 16 ओवर्स में महज 96 रन पर समेट दिया। हार्दिक पंड्या ने सर्वाधिक तीन विकेट लिए जबकि जसप्रीत बुमरा और अर्शदीप सिंह ने दो-दो विकेट झटके। आयरलैंड की ओर से गारेथ डिलेनी ने सर्वाधिक 26 रन (14 गेंद) बनाए जिसमें दो फोर और दो सिक्स शामिल रहे।

इंडिया @ टी20 वर्ल्ड कप

**कप्तान की फिफ्टी:** लक्ष्य का पीछा करने उतरी विराट कोहली और रोहित शर्मा की नई ओपनिंग जोड़ी तीसरे ओवर में टूट गई जब विराट बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में कैच आउट हो गए। लेकिन कप्तान रोहित ने मुश्किल पिच पर शुरुआत में संभलकर वक्त निकाला और फिर आंखें जम जाने के बाद कुछ जानदार शॉट लगाए। पारी के दौरान एक गेंद उनके कंधे पर लगी और इस वजह से अपना अर्धशतक पूरा करने के बाद वह रिटायर हो गए। हालांकि पविलियन लौटने से पहले 37 गेंद पर चार चौके और तीन छक्के की मदद से नाबाद 52 रन बनाकर टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचा दिया। इसके बाद तीसरे क्रम पर उतरे ऋषभ पंत ने 36* की पारी खेल कर टीम की 46 गेंद रहते जीत पक्की की।

**अर्शदीप का डबल स्ट्राइक:** इससे पहले, वर्ल्ड कप के पहले न्यूयॉर्क की पिच पर ही एकमात्र प्रैक्टिस मैच में तीन ओवर में 12 रन देकर दो विकेट झटकने वाले बाएं हाथ के पेसर अर्शदीप सिंह ने फिर कमाल दिखाया। शुरुआती दो ओवर्स में आयरलैंड के खाते में केवल सात रन आए थे। अर्शदीप के दूसरे ओवर की पहली गेंद पर पॉल स्टर्लिंग (2) ने दबाव से बाहर आने के लिए बड़ा शॉट मारने की कोशिश की। मिसटाइम होने की वजह से गेंद हवा में काफी ऊंची उछली और ऋषभ पंत ने कैच लपक लिया। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर अर्शदीप ने आयरलैंड के दूसरे ओपनर एंड्रू बालबर्नी (5) को बोल्ड कर दिया। एक ही ओवर में अर्शदीप के इस 'डबल स्ट्राइक' से आयरिश टीम बैकफुट पर चली गई। असमतल उछाल वाली पिच, स्लो आउटफील्ड और सीम मूवमेंट का सामना करते आयरलैंड ने पावरप्ले के छह ओवर्स में दो विकेट पर 26 रन बनाए। जसप्रीत बुमरा द्वारा डाला गया आयरिश पारी का छठा ओवर मेडन रहा।

**हार्दिक, बुमरा पड़े बहुत भारी:** आयरलैंड के संघर्ष को इससे समझा जा सकता है कि पावरप्ले में बने उसके 26 में से 9 रन वाइड से आए थे। छह ओवर की छटपटाहट के बाद आयरिश बल्लेबाजी की परीक्षा लेने आए हार्दिक। उन्होंने अपने पहले ही ओवर में लॉर्कन टकर (10) को बोल्ड किया। अपना पहला ओवर मेडन डालने वाले बुमरा ने दूसरे में हैरी टेक्टर को पविलियन विदा किया। आयरिश आर्मी नौवें ओवर तक आधी पस्त हो गई जब हार्दिक ने अपने अगले ओवर में कर्टिस कैंफर को आउट किया। आयरलैंड ने 10वें ओवर तक केवल 49 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। यह केवल दूसरी बार है जब भारत ने टी20 वर्ल्ड कप में किसी मैच के शुरुआती 10 ओवर्स में छह विकेट निकाले।

**2 विकेट** लिए अर्शदीप सिंह ने आठ रन देकर पावरप्ले में। यह टी20 वर्ल्ड कप के पावरप्ले में भारत की ओर से संयुक्त बेस्ट बोलिंग है। आर अश्विन ने 2014 में ऐसा किया था

**11 मेडन** ओवर्स डाल चुके हैं जसप्रीत बुमरा टी20I में। टेस्ट स्टेटस हासिल देशों की ओर से इस फॉर्मेट में किसी बोलर के ये सर्वाधिक मेडन ओवर्स हैं

**26 रन** देकर दो विकेट लिए भारत ने पावरप्ले में। टी20 वर्ल्ड कप में यह उसकी तीसरी सबसे किफायती पावरप्ले बोलिंग रही

**3/27** का बोलिंग फिगर रहा हार्दिक पंड्या का जोकि टी20 वर्ल्ड कप में उनका सर्वश्रेष्ठ बोलिंग प्रदर्शन है। पिछला बेस्ट 3/30 था जो पिछले वर्ल्ड कप में आया था

AFP

भारतीय टीम के चार फास्ट बोलर्स ने मैच में लिए कुल आठ विकेट। एक विकेट स्पिनर अक्षर पटेल ने लिया, जबकि एक रन आउट हुआ

### स्कोरकार्ड

**आयरलैंड:** एंड्रू बालबिर्नी बो अर्शदीप 5, पॉल स्टर्लिंग कॉ पंत बो अर्शदीप 2, लॉर्कन टकर बो हार्दिक 10, हैरी टेक्टर कॉ विराट बो बुमरा 4, कर्टिस कैंफर कॉ पंत बो हार्दिक 12, जॉर्ज डॉकरेल कॉ बुमरा बो सिराज 3, गारेथ डिलेनी रन आउट 26, मार्क एडेयर कॉ शिवम बो हार्दिक 3, बैरी मैककार्थी कॉ ऐंड बो अक्षर 0, जोश लिटिल बो बुमरा 14, बेन वाइट नॉट आउट 2 **एक्स्ट्राज:** 15 **टोटल:** 16 ओवर्स में 96 रन **विकेट:** 1-7, 2-9, 3-28, 4-36, 5-44, 6-46, 7-49, 8-50, 9-77, 10-96 **बोलिंग:** अर्शदीप सिंह 4-0-35-2, मोहम्मद सिराज 3-0-13-1, जसप्रीत बुमरा 3-1-6-2, हार्दिक पंड्या 4-1-27-3, अक्षर पटेल 1-0-3-1, रविंद्र जाडेजा 1-0-7-0

**भारत:** रोहित शर्मा रिटायर्ड हर्ट 52, विराट कोहली कॉ वाइट बो एडेयर 1, ऋषभ पंत नॉट आउट 36, सूर्यकुमार यादव कॉ डॉकरेल बो वाइट 2, शिवम दुबे नॉट आउट 0 **एक्स्ट्राज:** 6 **टोटल:** 12.2 ओवर में दो विकेट पर 97 रन **विकेट:** 1-22, 2-76*, 2-91 **बोलिंग:** मार्क एडेयर 4-0-27-1, जोश लिटिल 4-0-42-0, बैरी मैककार्थी 2.2-0-18-0, कर्टिस कैंफर 1-0-4-0, बेन वाइट 1-0-6-1

## भारत-पाक मुकाबला सबसे बड़ा: अफरीदी

FILE

■ **पीटीआई, न्यूयॉर्क:** पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी भारत-पाकिस्तान मुकाबले को अमेरिका में बेहद लोकप्रिय 'सुपर बाउल' के समकक्ष रखते हैं। उनका मानना है कि यह खेल की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता है और जो टीम नौ जून को न्यूयॉर्क में टी20 वर्ल्ड कप मुकाबले में दबाव से बेहतर तरीके से निपटेगी वह जीत दर्ज करेगी। क्रिकेट का यह सबसे बड़ा मुकाबला पहली बार अमेरिका की सरजमीं पर हो रहा है और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान अफरीदी दर्शकों के बीच बैठकर इसके गवाह बनेंगे। अफरीदी ने कहा, 'वे अमेरिकी जो टूर्नामेंट के बारे में जानना चाह रहे हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान का मैच हमारे सुपर बाउल की तरह है। मुझे भारत के खिलाफ खेलना बहुत पसंद था और मेरा मानना है कि यह खेल में सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता है। भारत के खिलाफ यह मौके के दबाव से निपटने के बारे में है। दोनों टीमों में बहुत प्रतिभा है, उन्हें बस उस दिन एकजुट होने की जरूरत है। जो टीम अपना धैर्य बनाए रखेगी, वह जीतेगी।'

वर्ल्ड कप रिऐक्शंस

## नीदरलैंड्स ने की विजयी शुरुआत

■ **एजेंसियां, डलास:** टिम प्रिंगल और लोगन वान बीक की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद मैक्स ओ'डॉड (54*) की संयमित बल्लेबाजी से नीदरलैंड्स ने टी20 वर्ल्ड कप में नेपाल को छह विकेट से हराया। नेपाल की पारी को 19.2 ओवर्स में 106 रन पर समेटने के बाद नीदरलैंड्स ने 18.4 ओवर्स में चार विकेट पर 109 रन बनाकर इस जीत से दो अंक हासिल किए। मैक्स ने 48 गेंद की नाबाद पारी में चार फोर और एक सिक्स लगाने के साथ एक छोर संभाले रखा। मैक्स ने 19वें ओवर में 47 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। प्लेयर ऑफ द मैच प्रिंगल ने 20 रन देकर तीन विकेट चटकाए। नीदरलैंड्स के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स के टॉस जीतकर पहले बोलिंग करने के फैसले को उनके गेंदबाजों ने सही साबित किया। नेपाल के कप्तान रोहित पौडेल ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए।

नीदरलैंड्स Vs नेपाल

मैक्स ओ'डॉड ने लगाई फिफ्टी

## द्रविड़ को मनाने की कोशिश की थी:रोहित

■ **एजेंसियां, न्यूयॉर्क:** भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बताया कि उन्होंने हेड कोच राहुल द्रविड़ को पद पर बने रहने के लिए मनाने की कोशिश की थी। हालांकि, वह नहीं माने। द्रविड़ ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया था कि टी20 वर्ल्ड कप भारतीय टीम के साथ उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। रोहित इसके एक दिन बाद राष्ट्रीय टीम में अपने पहले कप्तान के बारे में बात करते हुए भावुक हो गए। रोहित ने कहा, 'मैंने उन्हें रोकने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन जाहिर तौर पर ऐसी कई चीजें हैं जिनका उन्हें ध्यान रखना होगा। मैंने व्यक्तिगत रूप से उसके साथ अपने कार्यकाल का आनंद लिया।' रोहित ने इस मौके पर अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण को याद करते हुए कहा कि उन्होंने द्रविड़ की कप्तानी में अपना अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू किया था। उन्होंने कहा, 'जब मैंने आयरलैंड में पदार्पण किया था तो वह मेरे पहले अंतरराष्ट्रीय कप्तान थे। जब मैं टेस्ट मैचों के लिए टीम में आया था तब मैंने उन्हें करीब से खेलते हुए देखा था। वह हम सभी के लिए इतने बड़े आदर्श रहे हैं। बड़े होते हुए, हमने उन्हें खेलते हुए देखा है और हम जानते हैं कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से एक खिलाड़ी के रूप में क्या हासिल किया है। हम पिछले कुछ वर्षों में टीम के लिए उनके योगदान की सराहना करते है।'

कोच की खोज

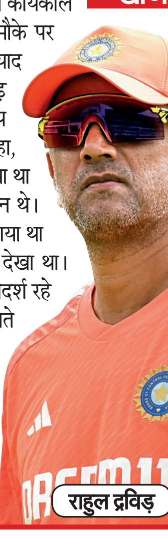


# पाकिस्तान के सामने अमेरिका

**पाकिस्तान Vs अमेरिका**

■ **एजेंसियां, डलास:** पिछले टी20 वर्ल्ड कप टूर्नामेंट का उप-विजेता पाकिस्तान मेजबान अमेरिका के खिलाफ आज अपने अभियान का आगाज करेगा। कागजों पर बाबर आजम की टीम जीत की प्रबल दावेदार है, लेकिन हालिया फॉर्म को देखते हुए टीम की राह आसान नहीं होने वाली। वहीं दूसरी ओर कनाडा के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में सात विकेट की जीत के बाद अमेरिका की टीम आत्मविश्वास से भरी होगी। कई मूलतः बाहरी प्लेयर्स से बनी यह अमेरिकी टीम मजबूत नजर आ रही है और इनसे पार पाने के लिए पाकिस्तान को पूरी ताकत के साथ खेलना होगा। दोनों टीमें टी20 इंटरनैशनल में पहली बार भिड़ेंगी।

**तैयारी नहीं रही अच्छी:** पाकिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ टी20 इंटरनैशनल मुकाबला गंवाया जबकि इंग्लैंड के खिलाफ उसे 0-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा जिससे टी20 वर्ल्ड कप की उसकी तैयारियां काफी अच्छी नहीं रहीं। बाबर और मोहम्मद रिजवान टी20 फॉर्मेट में पाकिस्तान के सबसे अधिक निरंतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन इन दोनों का स्ट्राइक रेट चिंता का विषय है और दोनों तेजी से रन बनाने में नाकाम रहे हैं। पाकिस्तान की टीम हालांकि अपने दिन किसी को भी हराने की क्षमता रखी है।

**संभावित प्लेइंग XI**

**पाकिस्तान:** मोहम्मद रिजवान, सईम अयूब, बाबर आजम (कप्तान), फखर जमान, शादाब खान, आजम खान (विकेटकीपर), इफ्तिखार अहमद, उस्मान खान, शाहिन शाह अफरीदी, मोहम्मद आमिर, हारिस रउफ

**अमेरिका:** स्टीवन टेलर, मोनांक पटेल (कप्तान, विकेटकीपर), आंद्रियस गॉस, आरोन जोन्स, कोरी एंडरसन, नीतीश कुमार, हरमीत सिंह, शाड्ली वान शाल्कविक, जसदीप सिंह, अली खान, सौरव नेत्रवलकर

**47 मैच** खेले हैं पाकिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप में और 28 में जीत हासिल की है

FILE

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम

NBT Lens समझिए खबरों के अंदर की बात

### आमिर की धार पर रहेगी नज़र

पाकिस्तान और अमेरिका के बीच मुकाबले पर भारतीय टीम के 'थिंक टैंक' की भी नजर होगी। वह देखना चाहेंगे कि संन्यास से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटने वाले बाएं हाथ के पेसर मोहम्मद आमिर की गेंदबाजी में कितनी धार है। यदि आमिर ने अपना पुराना रंग दिखाया तो टीम इंडिया के लिए यह अच्छी खबर नहीं होगी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बाएं हाथ के पेसर की अंदर आती गेंद पर कई बार स्टंप के आगे पकड़े गए हैं और पाकिस्तान के खिलाफ 9 जून को होने वाले मैच में शाहीन शाह अफरीदी के साथ आमिर की धार नई मुसीबत हो सकती है।

## आज आखिरी बार उतरेंगे छेत्री

PTI

"यह मेरे और मेरे आखिरी मैच के बारे में नहीं है। मैं इसे इस तरह से नहीं देखता हूं। हम वास्तव में यह मुकाबला जीतना चाहते हैं। हमें जबरदस्त समर्थन मिलेगा। – सुनील छेत्री, कप्तान, भारतीय फुटबॉल टीम

अपने अंतिम इंटरनैशनल मैच की पूर्व संध्या पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुनील छेत्री

■ **एजेंसियां, कोलकाता:** सुनील छेत्री गुरुवार को कुवैत के खिलाफ फीफा वर्ल्ड कप क्वॉलिफाइंग मैच में आखिरी बार मैदान पर भारत की अगुआई करेंगे। भारतीय टीम के लिए यह मैच 'करो या मरो की तरह' है। टीम अगर इस मैच को जीतती है तो वह पहली बार 18 टीमों के क्वॉलिफायर के अंतिम चरण के लिए क्वॉलिफाई करने के लिए काफी बेहतर स्थिति में होगी। छेत्री पिछले 19 साल से भारतीय फुटबॉल के ध्वजवाहक रहे हैं और 39 वर्ष का यह खिलाड़ी खुद भी टीम के लिए अपना सब कुछ झोंकने के लिए तैयार होगा। चार-चार टीमों के नौ समूहों में से शीर्ष दो टीमें क्वॉलिफिकेशन के तीसरे चरण में पहुंचेंगी। फीफा ने वर्ल्ड कप में एशिया के कोटे में आठ बर्थ का इजाफा किया है और तीसरे चरण के बाद ही इसे हासिल करने वालों का फैसला होगा।

भारत Vs कुवैत

**लाइव:** शाम 7 बजे से जियो सिनेमा पर

## सिंधु को पहले ही राउंड में मिली हार

पीवी सिंधु

FILE

■ **एजेंसियां, जकार्ता:** पीवी सिंधु इंडोनेशिया ओपन के पहले राउंड में चीनी ताइपे की सू वेन-ची से हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। सिंधु को बीडब्ल्यूएफ सुपर-1000 टूर्नामेंट के विमिंस सिंगल्स में 15-21, 21-15, 14-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। यह वेन-ची के खिलाफ उनकी पहली हार है। विमिंस डबल्स में तनीषा क्रेस्टो और अश्विनी पोनप्पा ने कनाडा की जैकी डेंट और क्रिस्टल लेई को 21-15, 21-15 से हराया, लेकिन रुतपर्णा पांडा और स्वेतपर्णा पांडा की भारतीय जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा।

इंडोनेशिया ओपन

## सेमीफाइनल में सिनर के सामने होंगे अल्काराज

■ **एजेंसियां, पैरिस:** इटली के यानिक सिनर 10वीं सीड ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-2, 6-4, 7-6 से हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। इस जीत साथ ही उनका वर्ल्ड नंबर-1 बनना तय हो गया है। चोट की वजह से नोवाक जोकोविच टूर्नामेंट के बीच से हट गए हैं। सिनर को नंबर एक पोजिशन हासिल करने और जोकोविच की जगह लेने के लिए फानल में पहुंचने की जरूरत थी, लेकिन जोकोविच के टूर्नामेंट से हट जाने से उनका काम आसान हो गया। इटली के सिनर इस तरह टॉप पर पहुंचने वाले 29वें खिलाड़ी और अपने देश के पहले खिलाड़ी बनेंगे। सेमीफाइनल में उनका सामना स्पेन के कार्लोस अल्काराज से होगा। अल्काराज ने क्वॉर्टर में स्टेफानोस सितसिपास 6-3, 7-6, 6-4 से हराया।

फ्रेंच ओपन 2024

AP

इटली के यानिक सिनर

**बोपन्ना अंतिम-4 में:** भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन की जोड़ी बेल्जियम के सैंडर जिले और जोरान वी को 7-6, 5-7, 6-1 से हराकर फ्रेंच ओपन मेंस डबल्स के सेमीफाइनल में पहुंच गई ।

## ऑस्ट्रेलिया की नज़रें इतिहास रचने पर

■ **ब्रिजटाउन:** वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन मेस (गदा) और वनडे वर्ल्ड कप का खिताब पहले ही जीत चुका ऑस्ट्रेलिया टी20 वर्ल्ड कप में जब ओमान के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगा तो उसकी नजरें एक ही समय में तीनों विश्व खिताब अपने नाम करने वाली पहली टीम बनने पर टिकी होंगी। टी20 वर्ल्ड कप खिताब लंबे समय तक ऑस्ट्रेलिया से दूर रहा, लेकिन 2021 में टीम ने पहली बार इस फॉर्मेट में वर्ल्ड कप जीता। एक साल बाद हालांकि घरेलू मैदान पर टीम लीग चरण से भी आगे बढ़ने में नाकाम रही। इस उपलब्धि को फिर से हासिल करने के लिए पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया बेताब होगी।

ऑस्ट्रेलिया Vs ओमान

**संभावित प्लेइंग XI**

**ऑस्ट्रेलिया:** ट्रेविस हेड, डेविड वॉर्नर, मिचेल मार्श (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, कैमरन ग्रीन, मैथ्यू वेड (विकेटकीपर), टिम डेविड, पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, एडम जांपा, जोश हेजलवुड

**ओमान:** कश्यप प्रजापति, नसीम खुशी (विकेटकीपर), आकिब इलियास (कप्तान), जीशान मकसूद, खालिद कैल, अयान खान, मोहम्मद नदीम, मेहरान खान, शकील अहमद, कलीमुल्लाह, बिलाल खान

**1 सिक्स** लगाते वॉर्नर टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया की ओर से सर्वाधिक सिक्स लगाने वाले प्लेयर बन जाएंगे। अभी वह और शेन वॉट्सन 31 सिक्स के साथ टॉप पर हैं

FILE

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श

| आज के मैच | | | |
|---|---|---|---|
| पापुआ न्यू गिनी Vs युगांडा सुबह 5:00 बजे से | ऑस्ट्रेलिया Vs ओमान सुबह 6:00 बजे से | पाकिस्तान Vs अमेरिका रात 9:00 बजे से | टेलिकास्ट: स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर |

## 12 राशियां और आपका दिन

**ARIES** 21 Mar - 19 Apr
अर्धरात्रोत्तर 04 बजकर 30 मिनट पर चन्द्रमा मिथुन राशि में प्रवेश करेगा, इसके फलस्वरूप मंगलोत्सवों में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा। समाज में शुभ व्यय से कीर्ति बढ़ेगी। आज तृतीय पराक्रम भाव में चन्द्रमा का प्रबल योग बन रहा है। सांय 5 बजे तक कोई डील फाइनल हो जाएगी।

**TAURUS** 20 Apr - 19 May
आज आपका ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सुकून मिलेगा। कानूनी विवाद में विजय और स्थान परिवर्तन की योजना सफल हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में उलझनों के बावजूद पराक्रम में वृद्धि होगी। परिवार में हर्ष मंगलमय परिवर्तन और मनोरथ सिद्धि होगी।

**GEMINI** 21 May - 21 Jun
आज का दिन काफी रचनात्मक है। किसी रचनात्मक और आर्टिस्टिक काम को पूरा करने में आप दिन बिता सकते हैं। जो काम आपको सबसे ज्यादा प्रिय है, आज वही करने को मिलेगा। आज आपको रिलैक्स करने में मदद मिलेगी। नई योजनाएं भी दिमाग में आएंगी।

**CANCER** 22 Jun - 22 July
आज का दिन काफी सृजनात्मक है, जो भी काम लगन के साथ करेंगे, आज उसका फल उसी समय मिल सकता है। अधूरे काम निपट जाएंगे और महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी। ऑफिस में अपने विचारों के मुताबिक माहौल बन जाएगा और आपके साथी भी आपका सहयोग करेंगे। रात्रि में शादी में जाने का अवसर मिल सकता है।

**LEO** 23 July - 22 Aug
आज का दिन वैसे तो काफी व्यस्त रखने वाला है, लेकिन धर्म-अध्यात्म के मामले और पढ़ाई-लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना ही अच्छा होगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों में रुकावट डालने की कोशिश करेंगे। रात्रि का समय मंगलमय कार्यों में व्यतीत होगा।

**VIRGO** 23 Aug - 22 Sep
आज आपसी वार्ता व्यवहार में संयम और सावधानी बरतें। आसपास के लोगों से टकराव की नौबत न आए, इस बात का ध्यान रखें। किसी शुभ मंगल कार्य की चर्चा हो सकती है। भाग्य पर भरोसा रखें और आत्म विश्वास के साथ कार्य करें। रात्रि के समय स्थिति में और भी सुधार होगा।

**LIBRA** 23 Sep - 22 Oct
आज का दिन आपके लिए लाभकारक है। कार्य-व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नए प्रोजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है। जमीन-जायदाद के मामले में पारिवारिक और आसपास के लोग कुछ परेशानी पैदा करने की कोशिश करेंगे। ऐसे में आपको थोड़ा समझदारी और संयम के साथ काम लेना होगा।

**SCORPIO** 23 Oct - 21 Nov
आपकी माली हालात को लें तो आज का दिन काफी मजबूत है। दिनभर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अतः आज के दिन आप कार्यशील रहें। परिवार में सुख-शांति और स्थिरता का आनन्द उठाएं। आज के दिन नौकरी या व्यापार में कुछ नवीनता ला सकें तो आगे चलकर लाभ होगा।

**SAGITTARIUS** 22 Nov - 21 Dec
आज का दिन सावधानी और सतर्कता बरतने का है। बिजनेस के मामले में थोड़ा-सा जोखिम उठाएंगे तो बड़ा लाभ होने की आशा है। रोजमर्रा के कामों से परे कुछ नए कामों में हाथ आजमाएं। किसी अपने के लिए कुछ पैसों का इंतजाम करना पड़ सकता है। नया मौका आसपास है, उसे पहचानें।

**CAPRICORN** 22 Dec - 19 Jan
आपका आज का दिन सामान्य रहने वाला है। भागीदारी में किया व्यापार काफी फायदा पहुंचाएगा। रोजमर्रा के घरेलू कामों को निपटाने का आज सुनहरा मौका है। हो सकता है आज आपको पुत्र-पुत्री के संबंध में कोई बड़ा फैसला लेना पड़े। ईमानदारी और निर्धारित नियमों का ध्यान रखें।

**AQUARIUS** 20 Jan - 18 Feb
आज का दिन अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने का है। मौसम परिवर्तन से शीतोष्ण विकार उत्पन्न हो सकते हैं। खानपान में लापरवाही न बरतें। व्यापार के मामले में दिन सुखद व्यतीत होगा। जल्दबाजी में कोई भूल हो सकती है, इसलिए हर काम सोच समझ कर करें।

**PISCES** 19 Feb - 20 Mar
आज का दिन लाभकारक रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर रहेगा। परेशानियों को धैर्य और अपने मृदु व्यवहार से सुधार कर ठीक किया जा सकता है। अपनी बुद्धि का प्रयोग करके आप वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसकी आपको अभी तक आप कमी रही है। किसी संकटग्रस्त व्यक्ति की सहायता कर सकें तो शुभ रहेगा।

### जन्मदिन की शुभकामनाएं

वर्ष के स्वामी सूर्य और मंगल ग्रह बने हैं। राशि से पहले घर में सूर्य, केतु और शनि का त्रिग्रही योग जून महीने के शेष दिनों में आपको कुछ बड़े खतरे उठाने पड़ सकते हैं। जुलाई से लेकर अगस्त महीने के अंत तक किसी राजकीय विवाद का अंत हो जाएगा। सितंबर महीने के मध्य कई प्रकार की समस्याएं उठकर समाप्त हो जाएंगी। अक्टूबर से लेकर नवंबर माह के आखिर तक अपने व्यवसाय या कारोबार को लेकर कुछ कष्ट होगा। ऐसे में आपको समझदारी से काम लेना होगा। दिसंबर और जनवरी 2025 की बात करें तो कुछ परिवार के मामले हल हो सकते हैं। फरवरी से लेकर मार्च माह के अंत तक मित्रों की सहायता से कामकाज में मायूसी खत्म होगी। अप्रैल के महीने में किसी पर्यटन यात्रा का आनंद उठाएंगे। मई महीने के अंत तक किसी नए कार्यक्षेत्र की योजनाएं बनेंगी। महिलाओं के लिए वर्ष जीवन स्तर को बढ़ाने वाला सिद्ध होगा। जून माह की बात करें तो परिवार के सदस्यों की आमदनी के स्रोत बढ़ेंगे। चतुर्ग्रही योग की शांति के लिए श्री मृत संजीवनी जाप सवा लक्ष कराएंगे, तो आपको लाभ होगा।

**-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा**

### कल का पंचांग
(शुक्रवार, 7 जून 2024)

राष्ट्रीय मिति ज्येष्ठ 17, शक संवत 1946, ज्येष्ठ, शुक्ला, प्रतिपदा, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081। सौर ज्येष्ठ मास प्रविष्टे 24, जिल्काद 29, हिजरी 1445 (मुस्लिम) तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 07 जून सन 2024 ई.। सूर्य उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म ऋतु। राहुकाल पूर्वाह्न 10 बजकर 30 मिनट से 12 बजे तक। प्रतिपदा तिथि सायं 04 बजकर 46 मिनट तक उपरांत द्वितीया तिथि का आरंभ। मृगशिरा नक्षत्र सायं 07 बजकर 43 मिनट तक उपरांत आद्रा नक्षत्र का आरंभ। शूल योग रात्रि 08 बजकर 04 मिनट तक उपरांत गण्ड योग का आरंभ। बव करण सायं 04 बजकर 46 मिनट तक उपरांत कौलव करण का आरंभ। चन्द्रमा प्रातः 07 बजकर 56 मिनट तक वृष उपरांत मिथुन राशि पर संचार करेगा।

### सुडोकू

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | | | | | | | | 9 |
| | 9 | 3 | 6 | | 5 | 7 | 8 | |
| | | 1 | 9 | | 2 | 3 | | |
| | 7 | | | 6 | | | 1 | |
| | | | 2 | | 9 | | | |
| | 3 | | | 8 | | | 5 | |
| | | 7 | 1 | | 6 | 5 | | |
| | 1 | 5 | 3 | | 8 | 2 | 4 | |
| 4 | | | | | | | | 1 |

### TELEVISION

big magic

| | |
|---|---|
| 09:00 बबलू डबलू | 14:30 हम पांच |
| 10:00 बंदबुध बुड़बक | 15:00 अजब देश की गजब कहानी |
| 11:00 रुद्र के रक्षक | 16:30 प्यार मौहब्बत हैपी लकी |
| 11:30 अलादीन | 18:30 रुद्र के रक्षक |
| 12:00 चक्रधारी अजेय कृष्णा | 21:00 चीख |
| 13:30 भ से भड़े | |

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग स्थित मंदिर में बुधवार तड़के आग लग गई। आग लगने की यह घटना रानी मंदिर के नाम से प्रसिद्ध शिव मंदिर में हुई। यह मंदिर काफी लोकप्रिय है, क्योंकि इसे कई बॉलिवुड फिल्मों में दिखाया गया है।

NBT

हिमाचल प्रदेश में शिमला के पास जंगलों में लगी भीषण आग लगातार बढ़ती जा रही है। बुधवार को यह आग शिमला के तारादेवी गवर्नमेंट स्कूल तक फैल गई, जिससे लोगों में चिंता बढ़ गई है।

## फटाफट खबरें

### बाइडन-ट्रंप ने और मज़बूत की दावेदारी

**एपी, न्यू यॉर्क:** अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने मंगवलार को कुछ राज्यों में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी की ओर से प्राइमरी चुनाव जीत लिया। 'पॉर्न स्टार' स्टॉर्मी डेनियल्स मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद पहली बार चुनाव में उतरे ट्रंप ने न्यू मेक्सिको, मोंटाना और न्यू जर्सी में प्राइमरी चुनाव जीता। बाइडन ने न्यू मेक्सिको, साउथ डकोटा, न्यू जर्सी, मोंटाना और वॉशिंगटन डीसी में प्राइमरी चुनाव जीता।

### चुनाव लोकतंत्र का मूल आधार है: CJI

**पीटीआई, ऑक्सफर्ड/लंदन:** भारत के चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि चुनाव भारत के संवैधानिक लोकतंत्र का मूल आधार है। जज व्यवस्था की रक्षा करने वाले संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने की भावना को बतलाते हैं। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने मंगलवार को ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम में यह बातें कहीं।

### धरती हर 10 साल में 0.26 डिग्री गर्म हो रही

**विस, नई दिल्ली:** ग्लोबल वार्मिंग की वजह से हर 10 साल में धरती 0.26 डिग्री गर्म हो रही है। 2014-23 के दौरान धरती का तापमान पिछले दशक की तुलना में 1.19 डिग्री तक बढ़ गया है। लीड्स यूनिवर्सिटी के सहयोग से 50 से ज्यादा इंटरनैशनल वैज्ञानिकों की नई स्टडी में यह दावा किया गया है।

> रिपोर्ट में दावा, पिछले दशक की तुलना में यह दशक 1.19 डिग्री गर्म रहा

# चीन, मालदीव समेत कई देशों ने जीत पर मोदी को बधाई दी

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नई चुनावी जीत पर बधाई और अच्छे काम के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। मुझे पूरा विश्वास है कि हम इटली और भारत को जोड़ने वाली दोस्ती को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे और हमारे राष्ट्रों और लोगों की भलाई के लिए हमें जोड़ने वाले विभिन्न मुद्दों पर सहयोग को मजबूत करेंगे।** – *जियोर्जिया मेलोनी, प्रधानमंत्री, इटली*

**एजेंसियां, नई दिल्ली**

**लोकसभा चुनाव** में बीजेपी की अगुआई में NDA की जीत पर इटली, जापान और दक्षिण कोरिया से लेकर मालदीव और नेपाल तक के राष्ट्राध्यक्षों ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म X के जरिए पीएम नरेंद्र मोदी को बधाई दी है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, 'हमने भारत के आम चुनाव के नतीजे पर गौर किया है। हम NDA की जीत पर बधाई देते हैं। भारत के साथ सुदृढ़ और स्थिर संबंध दोनों देशों के हितों के अनुकूल है और क्षेत्र और उसके बाहर भी शांति और विकास के अनुरूप है।' मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरे कार्यकाल के लिए बधाई। मैं दोनों देशों के लिए साझा समृद्धि और स्थिरता के लिए साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने के लिए तत्पर हूं।' फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि बधाई हो नरेंद्र मोदी, मेरे प्यारे दोस्त। हम मिलकर भारत और फ्रांस को एकजुट करने वाली रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना जारी रखेंगे। चीन ने भी पीएम मोदी को बधाई दी और कहा कि वह द्विपक्षीय संबंधों के हितों को ध्यान में रखकर भारत के साथ काम करने को तैयार है।

> चीन, मालदीव, फ्रांस, इटली आदि देशों के प्रमुखों ने कहा, साथ मिलकर करेंगे काम

श्रीलंका के प्रेजिडेंट रानिल विक्रमसिंघे ने कहा, 'मैं NDA को उसकी जीत पर हार्दिक बधाई देता हूं। निकटतम पड़ोसी के रूप में श्रीलंका भारत के साथ साझेदारी को और मजबूत करने के लिए तत्पर है।' नेपाल के पीएम पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकसभा चुनाव में एनडीए की लगातार तीसरी बार चुनावी सफलता पर बधाई। हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक आयोजन के सफल समापन पर खुश हैं।' भूटान के पीएम शेरिंग तोबगे ने भी कहा, 'मैं दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के लिए पीएम मोदी के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हूं।'

daCunha/AB/953/Hin

प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरी बार ऐतिहासिक जीत हासिल की

# नई सरकार में आसान नहीं होगा 'एक देश एक चुनाव' का रास्ता

Rajesh.Choudhary@timesgroup.com

**नई दिल्ली:** लोकसभा चुनाव में BJP के नेतृत्व में NDA ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है, लेकिन बीजेपी को 240 सीटें ही आईं। वह अपने दम पर बहुमत से आंकड़े 272 से पीछे रह गई। इससे सरकार को सदन में संविधान संशोधन जैसे प्रस्ताव को पारित कराने के लिए विपक्ष को साथ लेना जरूरी होगा। संविधान संशोधन के लिए कुल संख्या का दो तिहाई बहुमत चाहिए। यह बिना विपक्ष के सहयोग के संभव नहीं होगा। 'एक देश एक चुनाव' पर अमल के लिए भी बीजेपी को घटक दलों के साथ विपक्ष का भी सहयोग लेना होगा।

> NDA को बहुमत के बावजूद संविधान संशोधन कराना होगा मुश्किल

### नंबर गेम का फर्क पड़ेगा

लोकसभा के पूर्व सेक्रेटरी जनरल पीडीटी आचारी कहते हैं कि नंबर गेम का फर्क तो पड़ेगा। लोकसभा में बहुमत के लिए 272 का आंकड़ा है, जबकि बीजेपी की अपनी सीटें 240 ही हैं। इस कारण बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार को कोई भी बड़ा फैसला लेने के समय तमाम सहयोगियों को भरोसे में लेना होगा। कुल सीटें 543 सीटों के लिहाज से दो तिहाई का आंकड़ा 362 है। सत्ताधारी दल को 362 या उससे ज्यादा सीटें आतीं तो संविधान संशोधन में आसानी होती। कई ऐसे संविधान संशोधन जो राज्यों से जुड़े हैं, वहां राज्य विधानसभा के आधे से ज्यादा सदस्यों की भी मंजूरी लेनी होती है। लोकसभा चुनाव में जो रिजल्ट आया है उससे साफ है कि कोई भी बिल सदन में आने पर विस्तार से डिबेट की संभावना बनेगी और संविधान संशोधन जरूरी हुआ तो सत्ता पक्ष को विपक्ष का साथ लेना होगा।

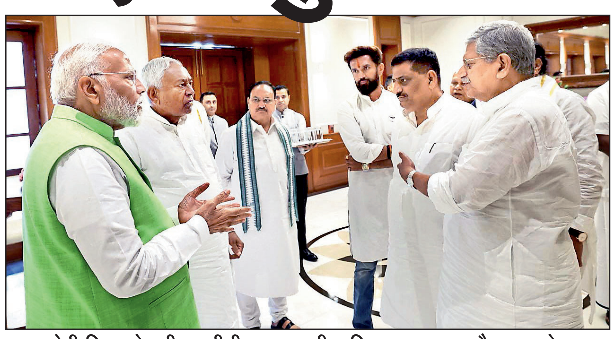

PM मोदी बिहार के सीएम नीतीश, LJP चीफ चिराग पासवान और अन्य के साथ

### सबका सहयोग लेना होगा

सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट एम.एल. लाहौटी बताते हैं कि केंद्र सरकार की योजना 'एक देश एक चुनाव' के लिए संविधान संशोधन का रास्ता अब थोड़ा कठिन हो गया है। इसके लिए तमाम पार्टियों से आम राय बनानी होगी। इंडिया गठबंधन का सहयोग लिए बगैर दो तिहाई बहुमत नहीं मिल पाएगा और ऐसे में राह आसान नहीं होगी। कॉमन सिविल कोड का मामला भी सरकार के अजेंडे में है। यह मुद्दा भी राजनीतिक तौर पर काफी संवेदनशील है। ऐसे में बीजेपी को अपने घटक दलों का इसके लिए साथ चाहिए होगा तभी इस ओर वह आगे बढ़ सकेगी।

### किस पार्टी से नेता प्रतिपक्ष?

कानूनी जानकार बताते हैं कि विपक्षी दलों में सबसे बड़ी पार्टी के नेता को विपक्षी दल के नेता का दर्जा मिलता है। हालांकि चलन में है कि नेता प्रतिपक्ष बनने के लिए सबसे बड़े विपक्षी दल को कम से कम कुल सीटों का 10% यानी 55 सीटें चाहिए। इस बार कांग्रेस 100 के आसपास पहुंच चुकी है। ऐसे में उनके नेता को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद भी मिलेगा।

### सहयोगियों की रायशुमारी अहम

पीएम मोदी ने करप्शन को जड़ से खत्म करने की बात कही है। पीएम के इस बयान से संकेत है कि सीबीआई और ईडी को और मजबूती मिलेगी। हालांकि, कोई भी फैसला लेने में सहयोगियों की भूमिका अब बेहद अहम होगी। ED और CBI के इस्तेमाल को लेकर विपक्ष लगातार सरकार को घेरती रही है। ऐसे में करप्शन और मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित जो कानून है, उस पर विवाद और गहरा सकता है।

**PMLA कानून पर आगे क्या?:** PMLA के तमाम प्रावधानों पर विपक्ष सवाल उठाता रहा है। शीर्ष अदालत के सामने भी इस कानून के कई प्रावधान पर सवाल उठाए गए। अब नए सिरे से केंद्र सरकार को अपने स्टैंड को पेश करना होगा। PMLA कानून के कई प्रावधानों पर सुप्रीम कोर्ट भी सवाल उठाता रहा है और ED पर सख्ती की है। ऐसे में PMLA कानून और ED की शक्ति को लेकर जो सवाल सुप्रीम कोर्ट के सामने है उस पर केंद्र सरकार का स्टैंड बेहद अहम साबित होगा।

# चुनाव में ज़्यादातर दलबदलुओं को हार, कुछ को ही मिली जीत

Bhupender.Sharma
@timesgroup.com

**नई दिल्ली:** लोकसभा चुनाव 2024 से पहले पार्टी बदलने का चलन चल पड़ा। कई ने तो चुनाव से ऐन पहले अपनी पार्टी बदल दी। लेकिन, ऐसे कई दिग्गजों को जनता ने नकार दिया है। चाहें पंजाब से बीजेपी में शामिल होने वाले नेता हों, AAP में चुनाव से ऐन पहले शामिल होने वाले या दूसरे दलों में जाने वाले हों, कुछ को ही जीत मिली जबकि हारने वाले दलबदलुओं की संख्या ज्यादा है। चुनाव से पहले कांग्रेस में भी शामिल हुए कई कैंडिडेट्स हार गए हैं।

दलबदलुओं का बड़ा खेल पंजाब में देखने को मिला, जहां पर ऐसे कई दिग्गजों को हार का सामना करना पड़ा है। पंजाब के पटियाला से सांसद रहीं पूर्व CM कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी परनीत कौर ने कांग्रेस से इस्तीफा देकर बीजेपी का दामन थाम लिया था। कैप्टन अमरिंदर सिंह के बीजेपी में जाने के बाद से ही यह स्पष्ट था कि 2024 का चुनाव वह कांग्रेस की टिकट पर नहीं लड़ेंगी। बीजेपी ने उनको 2024 के चुनाव में एक बार फिर से पटियाला से उतारा लेकिन उनको कांग्रेस के उम्मीदवार धर्मवीर गांधी ने हरा दिया। लोकसभा चुनाव से पहले पंजाब कांग्रेस को बड़ा झटका तब लगा, जब कांग्रेस से तीन बार सांसद रहे रवनीत सिंह बिट्टू ने पार्टी को अलविदा कहकर बीजेपी का दामन थाम लिया। बीजेपी ने उनको लुधियाना सीट से चुनावी मैदान में उतारा लेकिन उन्हें कांग्रेस के उम्मीदवार अमरिंदर सिंह राजा ने बीस हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से हरा दिया। पंजाब में जालंधर सीट पर भी दलबदलू सुशील कुमार रिंकू और पवन कुमार टीनू को हार मिली। आम आदमी पार्टी ने सुशील कुमार रिंकू को जालंधर से उम्मीदवार बना दिया था लेकिन वह बीजेपी में शामिल हो गए। आदमपुर से विधायक रहे शिरोमणि अकाली दल के नेता पवन कुमार टीनू आम आदमी पार्टी में शामिल हुए और AAP ने उन्हें जालंधर सीट से ही उतारा लेकिन इस सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार और पूर्व CM चरणजीत सिंह चन्नी ने जीत हासिल की।

हरियाणा में अशोक तंवर आप छोड़कर चुनाव से ऐन पहले बीजेपी में शामिल हो गए। सिरसा से कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कुमारी शैलजा ने बीजेपी के अशोक तंवर को 2.68 लाख के बड़े अंतर से हराया। चुनाव से पहले जेएमएम को झटका देते हुए पार्टी चीफ शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन बीजेपी में शामिल हो गई थीं और बीजेपी ने उनको JMM की परंपरागत सीट दुमका से उम्मीदवार बनाया लेकिव वह चुनाव हार गईं।

परनीत कौर कांग्रेस तो सीता सोरेन JMM छोड़कर बीजेपी में हुई थीं शामिल।

### ये चेहरे जीते भी

हाल ही में कांग्रेस के बड़े नेता नवीन जिंदल बीजेपी में शामिल हुए जिन्होंने कुरुक्षेत्र सीट जीत ली है। आम आदमी पार्टी ने होशियारपुर से डॉ. राज कुमार चब्बेवाल को उम्मीदवार बनाया जिन्होंने हाल ही में कांग्रेस छोड़कर AAP जॉइन की थी। चब्बेवाल दो बार के विधायक हैं और कांग्रेस के विधानसभा में उपनेता भी रह चुके हैं। वह चुनाव जीत गए हैं।